शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस पार्टी का जनकल्याणकारी सम्मेलन नहीं, बल्कि स्वार्थपरक सम्मेलन @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 09 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-339

बांग्लादेश में नहीं थम रहा हिंदुओं पर हिंसा का दौर

संघ ने कहा, भारत सरकार हस्तक्षेप करे

हिंसा नहीं रुकी तो पांच लाख नागा साधु ढाका कूच करेंगे

देश-दुनिया के साधु-संतों में नाराजगी, विरोध प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लोगों की नाराजगी बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाद दत्तात्रे होसबोले ने बांग्लादेश मामले को अत्यंत चिंताजनक बताया है। देश दुनिया के संत भी बांग्लादेश के खिलाफ खड़े होने लगे हैं। आम तौर पर भौतिक दुनिया से अलग रहने वाला नागा साधुओं का गुस्सा भी चरम पर पहुंचता जा रहा है। इस नाराजगी के संकेत के तौर पर नागा साधुओं ने बांग्लादेश सरकार का घेराव करने की घोषणा की है। उधर, बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ सरकार प्रायोजित उत्पीड़न जारी है। ऐसे ही भीषण उत्पीड़न का शिकार एक परिवार चोरी छुपे किसी तरह त्रिपुरा पहुंचा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि भारत की जेल बांग्लादेश में रहने से बेहतर है। बांग्लादेश की देखादेखी भारत में भी कई स्थानों पर मुस्लिम कट्टरपंथी हिंदुओं पर हिंसा करने से चूक नहीं रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों की निंदा की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इन घटनाओं की भर्त्सना करता है। संघ ने कहा, बांग्लादेश की वर्तमान सरकार तथा अन्य एजेंसियां इन्हें रोकने की जगह केवल मूकदर्शक बनी हुई हैं। विवशतावश बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने के लिए उन्हीं पर अन्याय और अत्याचार हो रहा है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्णदास को बांग्लादेश सरकार द्वारा कारावास भेजना अन्यायपूर्ण है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बांग्लादेश सरकार से यह आह्वान किया है कि वह यह सुनिश्चित करे कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हों तथा संत चिन्मय कृष्णदास को कारावास से मुक्त करें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत सरकार से भी यह आवाहन करता है कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को रोकने का प्रयास करे तथा इसके बांग्लादेश में हो रही हिंसा के खिलाफ वैश्विक अभिमत बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए। संघ ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में भारत तथा वैश्विक समुदाय एवं अन्य संस्थाओं को बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ खड़े होकर अपना समर्थन प्रकट करना चाहिए तथा अपनी-अपनी सरकारों से इस हेतु हरसंभव प्रयासों की मांग करना विश्व शांति एवं भाईचारे हेतु आवश्यक है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ नागा साधुओं ने बांग्लादेश सरकार का घेराव करने की घोषणा की है। महंत आदित्यकृष्ण गिरी ने कहा कि पांच लाख नागा साधु बांग्लादेश में घेराव में शामिल होंगे। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में संतों ने रविवार को श्रीसनातन धर्म रक्षा समिति के बैनर तले नोएडा हाट में विरोध प्रदर्शन किया। महंत आदित्य कृष्णागिरी ने चेतावनी दी कि अगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले नहीं रुके तो भारत से 5 लाख नागा साधु बाबा बांग्लादेशी हुकूमत का घेराव करेंगे। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और पीएम नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने की मांग की। संतों ने बांग्लादेश की यूनुस सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। महंत आदित्य कृष्णागिरी ने कहा कि अगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटना नहीं रुकी तो भारत से बहुत जल्द पांच लाख नागा साधु बाबाओं के साथ बांग्लादेशी हुकूमत का घेराव करने के लिए कूच करेंगे।

संतों के विराट धरना प्रदर्शन में अतिथि और तमाम वक्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे

▶10 पर

बूढ़े बाप और बच्चों को लेकर भारत आया हिंदू परिवार

अगरतला, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों के अत्याचार से आजिज आकर एक हिंदू परिवार भाग कर भारत आ गया। उन्हें त्रिपुरा में गिरफ्तार किया गया है। हिंदू परिवार ने कहा है कि भले ही उन्हें भारत के भीतर जेल में डाल दिया जाए लेकिन वह वापस बांग्लादेश वापस नहीं जाएंगे। परिवार ने कहा कि भारत की जेल बांग्लादेश में रहने से अधिक बेहतर है। हिंदू परिवार में बूढ़े-बच्चे सभी शामिल हैं। उन्होंने बताया है कि कैसे प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति बदतर हो गई है। यह परिवार जंगल-नदी किसी तरह पार करके भारत पहुंचा है।

इस परिवार के मुखिया शंकर चंद सरकार हैं। वह बांग्लादेश के किशोरगंज जिले से अपने परिवार के 9 सदस्यों को लेकर भारत आए हैं। उनके परिवार में उनके बूढ़े पिता, पत्नी, छोटा भाई और बच्चे शामिल हैं। शंकर चंद सरकार अपने परिवार को लेकर बांग्लादेश से किसी तरह छुपते-छुपाते भारत आए हैं। उन्होंने त्रिपुरा के रास्ते अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की है। हालांकि, उन्हें उनके परिवार समेत त्रिपुरा के ही धलाई जिले में एक रेलवे स्टेशन के बाहर से रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

▶10 पर

22वें दोहा फोरम में भारत के विदेश मंत्री का बेबाक बयान

रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा भारत

भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए और कोई बेहतर डील है?

नई दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दुनिया के सामने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि भारतवर्ष रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस से तेल खरीदने के भारत सरकार के निर्णय को यूक्रेन-रूस संघर्ष के परिप्रेक्ष्य से जोड़ना शातिराना हरकत है। रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को युद्धभूमि पर नहीं सुलझाया जा सकता। दोनों पक्षों को संघर्ष छोड़कर वार्ता की मेज पर आना होगा।

रूस से तेल खरीदने को लेकर पूछे गए सवाल पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पूछा कि क्या विश्व के पास भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने का कोई बेहतर विकल्प है? जयशंकर ने अपना यह बयान 22वें दोहा फोरम के पैनल विमर्श में दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन के बीच पिछले ढाई वर्षों से संघर्ष जारी है।

इस संघर्ष के बीच पश्चिमी देशों ने यूक्रेन का समर्थन करते हुए रूस का बहिष्कार किया। जबकि, इस मामले में भारत ने रूस के साथ अपनी दोस्ती बरकरार रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में रूस का दौरा किया था। इसके साथ ही भारत ने रूस से तेल खरीदना भी जारी रखा है।

रूस से तेल खरीदने के फैसले को उचित बताते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि रूस से तेल खरीदना भारत के लिए सस्ता सौदा नहीं है। यह देश में ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने का एक समझौता है। उन्होंने कहा, हम तेल खरीदते हैं।

यह सच है, लेकिन यह सस्ता नहीं है। क्या आपके पास इससे बेहतर डील है? उल्लेखनीय है कि रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन चुका है।

रूस-यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष पर प्रतिक्रिया देते हुए जयशंकर ने बताया कि इस युद्ध को युद्धभूमि पर नहीं सुलझाया जा सकता है। दोनों पक्षों को संघर्ष छोड़कर वार्ता की मेज पर लौटना होगा। भारत इसे संभव बनाने के लिए प्रयास कर रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा, हम रूस जाते हैं तो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करते हैं। जब यूक्रेन जाते हैं तो वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात करते हैं। हम दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति के सूत्र तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। जयशंकर ने यह स्पष्ट किया कि रूस-यूक्रेन की युद्ध में भारत मध्यस्थता का काम नहीं कर रहा। उन्होंने कहा, हम मध्यस्थता का काम नहीं कर रहे हैं। हम बातचीत कर रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि दोनों को पारदर्शी तरीके से जानकारी दी जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस साल की शुरुआत में यूक्रेन दौरे पर गए थे। उन्होंने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और भारत के शांति के पक्ष में रहने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,490/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,980/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

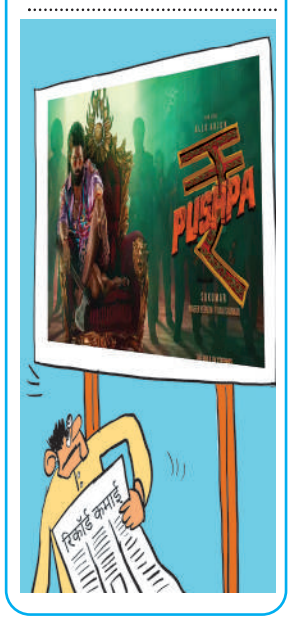

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°

न्यूनतम : 22°

भगवदगीता थीम पर मुंबई में होगा वर्ल्ड हिंदू इकॉनमिक फोरम

मुंबई, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 13 से 15 दिसंबर तक विश्व हिंदू आर्थिक मंच (डब्लूएचईएफ) का आयोजन किया जाएगा। भगवदगीता से प्रेरित थीम भविष्य के लिए भविष्य की सोचे पर आधारित इस आयोजन को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित कई नेता, उद्यमी और विचारक संबोधित करेंगे। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ इस कार्यक्रम में उद्योग 4.0, नवीकरणीय ऊर्जा, एआई-संचालित भारत, एग्रीटेक, कौशल विकास, ई-कॉमर्स,

▶10 पर

इंडी गठबंधन के नेतृत्व परिवर्तन का तेजी से बन रहा माहौल

ममता बनर्जी के समर्थन में आए शरद पवार

◆ ममता बनर्जी काबिल नेता हैं: पवार

कोल्हापुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडी गठबंधन के नेतृत्व परिवर्तन का माहौल तेजी से बन रहा है। इंडी गठबंधन के समुचित प्रबंधन पर सवाल उठाने और खुद नेतृत्व के लिए हाथ बढ़ाने के ममता बनर्जी के बयान के बाद विपक्षी राजनीति के रंग तेजी से बदले हैं। ममता बनर्जी ने कहा था कि वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते हुए गठबंधन को चलाने की जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। समाजवादी पार्टी ने महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन (महाविकास अघाड़ी) से खुद को अलग करने की घोषणा कर ही दी है। ममता बनर्जी के स्टैंड के समर्थन में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के नेता शरद पवार भी ममता बनर्जी के समर्थन में आ गए हैं। शरद पवार ने कहा कि ममता बनर्जी नेतृत्व करने के लायक काबिल नेता हैं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के प्रमुख शरद पवार ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने इंडी ब्लॉक की कमान संभालने की इच्छा जताई है। कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक सक्षम नेता हैं और उनमें विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने

▶10 पर

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर से बढ़ोतरी

कई हफ्ते की गिरावट के बाद आई उछाल

मुंबई, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से बढ़ोतरी शुरू हो गई है, इसके साथ ही लगातार आठ हफ्ते की गिरावट पर लगाम भी लग गई है, जो कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गया है। 29 नवंबर को समाप्त सप्ताह में, विदेशी मुद्रा भंडार 1.510 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 658.091 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जैसा कि इस सप्ताह की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से पता चला। सितंबर में 704.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूने के बाद से भंडार में गिरावट आ रही थी। रुपए के तेज अवमूल्यन को रोकने के उद्देश्य से आरबीआई के हस्तक्षेप के कारण भंडार में

▶10 पर

शिवसेना-यूबीटी ने कहा, पार्टी ने हिंदुत्व नहीं छोड़ा

भाजपा की 'बी' टीम हैं समाजवादी पार्टी : आदित्य

मुंबई, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों के बीच विवाद शुरू हो गया। शिवसेना (यूबीटी) की तरफ से हिंदुत्व का मुद्दा उठाने पर समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता अबू आजमी ने गठबंधन से अलग होने का ऐलान किया। इस मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने अबू आजमी पर पलटवार किया। उन्होंने सपा को भाजपा की बी टीम बताया। आदित्य ठाकरे ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) हिंदुत्व के साथ है।

सपा नेता अबू आजमी पर पलटवार करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, मैं इस पर कोई बयान नहीं देना चाहता हूं। अखिलेश यादव अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन सपा महाराष्ट्र में कभी कभी भाजपा की बी टीम के तौर पर काम करती है। हमारा हिंदुत्व हृदय में राम और हाथ को काम के बारे में है। हमारा हिंदुत्व सभी को एक साथ लेकर चलने के बारे में है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ईवीएम में गड़बड़ी के दावों का समर्थन करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, जनता की एक ही मांग है कि, यहां बैलेट पेपर पर मॉक पोल हो। मॉक पोल से कुछ नहीं बदलेगा, न तो सरकार बदलेगी और न ही जनादेश। लेकिन हमें सच्चाई पता होगी। यह देश सत्तामेव जयते पर नहीं, सत्यमेव जयते पर चलता है। यह मुख्य चुनाव आयुक्त हैं जो सत्तामेव जयते पर काम करते हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए इच्छुक वाले बयान पर भी आदित्य ठाकरे ने प्रतिक्रिया दी।

▶10 पर

रोहिंग्या घुसपैठियों का पानी कनेक्शन कटा तो बचाव में उतरे उमर सरकार के मंत्री

जम्मू, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू शहर में बड़ी तादाद में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसा दिया गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को अवैध तरीके से बसा रहे हैं और उन्हें सारी सुविधाएं भी मुहैया करा रहे हैं। जम्मू प्रशासन ने रोहिंग्याओं की अवैध बस्ती में चल रहा पानी का कनेक्शन काट दिया तो घुसपैठियों के बचाव में उमर सरकार के मंत्री उतर आए। मंत्री जावेद राणा ने प्रशासन को चुनौती दी कि रोहिंग्याओं को पानी की सप्लाई जारी रहेगी।

जम्मू प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 400 से अधिक रोहिंग्या के पानी कनेक्शन खत्म कर दिए। उनके बिजली कनेक्शन भी खत्म किए गए। रोहिंग्या जिन जमीनों पर रह रहे हैं, उन्हें भी खाली करने का आदेश दिया गया है। इस कार्रवाई से जम्मू कश्मीर की नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार खफा हो गई है। उमर अब्दुल्ला सरकार के मंत्री जावेद राणा ने वादा किया है कि रोहिंग्या को लगातार पानी मिलता रहेगा। उन्होंने कहा है कि यह मानवता के आधार पर किया जा रहा है। जम्मू में अवैध रूप से आकर बसे आकर बसे रोहिंग्या के खिलाफ यह कार्रवाई बीते कुछ दिनों से लगातार जारी है। उनका सत्यापन भी हो रहा है। रोहिंग्याओं को भारतीय सुरक्षा एजेंसियां बड़ा खतरा मानती हैं। जम्मू में उनके 409 बिजली पानी कनेक्शन काटे गए हैं। यह सभी परिवार 14 प्लॉट पर रह रहे थे।

▶10 पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीड़ित परिवार से मुलाकात की

मातृ मृत्यु रोकने के लिए गंभीरता से किया जा रहा काम: दिनेश गुंडराव

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने हाल ही में बल्लारी सरकारी अस्पताल में मृत नवजात सुमाया के परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा मैं अपनी जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह सजगता के साथ काम कर रहा हूं, ताकि आगे ऐसी कोई त्रासदी न हो। हाल ही में जिला अस्प-ताल में नवजात शिशुओं की मौत के बाद बल्लारी जिले के दौरे पर आए मंत्री ने कुडलिगी के आजाद नगर में सुमाया के घर का दौरा किया।

इस दौरान विधायक एन.टी. श्रीनिवास भी मौजूद थे। अपने दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा जैसे ही नवजात शिशुओं की मौत की खबर सामने आई, हमने एक विशेषज्ञ समिति गठित की और उन्हें इन मौतों के कारणों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। सरकार इस मुद्दे को बहुत गंभीरता से ले रही है और हम भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सावधानी बरत रहे हैं। मृतक के घर के दौरे के बारे में मंत्री ने कहा यह मेरा कर्तव्य है और इसीलिए मैं यहां हूं। भाजपा आलोचना कर रही है, लेकिन मैं अपनी जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह सजगता के साथ ईमानदारी से काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा हमने खत द्रव का परीक्षण किया है और कंपनी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एहतियात के तौर पर हमने पूरे राज्य में खत रिंगर लैक्टेट के इस्तेमाल को निलंबित कर दिया है और सभी अस्पतालों को इसका इस्तेमाल न करने का निर्देश दिया है। इस बीच, कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने शनिवार को सीजेरियन डिलीवरी के बाद मातृ मृत्यु की श्रृंखला के संबंध में बल्लारी के सरकारी अस्पतालों पर छापा मारा। राज्य लोकायुक्त की तीन टीमों ने विजयनगर आयुर्विज्ञान संस्थान और बल्लारी जिला सरकारी अस्पताल के परिसरों में तलाशी ली। बल्लारी क्षेत्र में प्रसव के बाद छह महिलाओं की मौत की श्रृंखला के बाद, मंत्री दिनेश गुंडू राव ने शुक्रवार को कहा कि इस साल राज्य में 327 मातृ मृत्यु की सूचना मिली है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने सभी मामलों की जांच के निर्देश दिए हैं। मंत्री राव ने कहा ऐसे मामलों में किसी भी तरह की सहनशीलता नहीं होनी चाहिए। सख्त कानूनी कार्रवाई की जरूरत है।

दवा कंपनियां कानून की शरण ले रही हैं। जब वे दोषी पाई जाती हैं तो कानून उन्हें दंडित करने में विफल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके इस्तीफे से सब कुछ ठीक हो जाता है तो वे इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को कहा कि बल्लारी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मातृ मृत्यु के मामले में कार्रवाई शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कारणों की जांच के लिए गठित विकास आयुक्त की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद वे आगे की कार्रवाई करेंगे। वे चामराजनगर जिले के कोल्लेगल तालुक के नरीपुरा हेलीपैड पर पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें पिछले महीने हुई इन मातृ मृत्यु से संबंधित बीआईएमएस पर लोकायुक्त की छापेमारी के बारे में पूछा गया था। सीएम सिद्धरामैया ने कहा मैं इस संबंध में बल्लारी का दौरा कर चुका हूं। कैबिनेट में इस पर चर्चा हो चुकी है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शनिवार को बीआईएमएस का दौरा किया। हालांकि यह संदेह है कि ये मातृ मृत्यु एक दवा के कारण हुई, लेकिन औषधि नियंत्रक को पहले ही निलंबित कर दिया गया है और दवा आपूर्तिकर्ता को काली सूची में डाल दिया गया है। हमने इन मौतों के कारणों की जांच के लिए विकास आयुक्त के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया है। मातृ मृत्यु से संबंधित भाजपा नेता श्रीरामुलु के विरोध के बारे में सीएम सिद्धरामैया ने दोहराया एक बार समिति रिपोर्ट दे देती है तो हम उन लोगों पर आगे की कार्रवाई शुरू करेंगे जिन्होंने गलती की है।

गेस्ट लेक्चर में सौंदर्य चर्चा विषय पर व्याख्यान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सेंट फ्रांसिस महाविद्यालय कोरमंगला में कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से एक गेस्ट लेक्चर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विशप कॉटन विमेंस कॉलेज के विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार यादव मुख्य अतिथि थे। डॉ. विनय कुमार यादव ने अपने व्याख्यान के दौरान हिंदी साहित्य में काव्य के प्रकार और उसके सौंदर्य चर्चा विषय पर अपना व्याख्यान दिया। सेंट फ्रांसिस महाविद्यालय अपनी विभिन्न गतिविधियों के कारण हमेशा ही जाना गया है। यहां के विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि के व्याख्यान से लाभ उठाया। सेंट फ्रांसिस कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान की संयोजिका डॉ. प्राची त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का आभार जताया। हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. लतीफ अहमद ने मुख्य अतिथि का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उनका स्वागत किया। डॉ. विनय कुमार यादव ने छात्रों को प्राचीन काल और आधुनिक काल में लिखी हुई कविताओं का महत्व आज के समय में भी कितना प्रासंगिक है? समझाया और साहित्य का स्थान छात्रों के जीवन में अमूल्य है, के बारे में चर्चा की। सेंट फ्रांसिस कॉलेज में बीकॉम, बीबीए, बीएससी और बीसीए के छात्र व्याख्यान में सहभागियों के रूप में उपस्थित हुए। छात्रों ने व्याख्यान का आनंद लेते हुए मुख्य अतिथि की भूरि भूरि प्रशंसा की। डॉ. विनय कुमार यादव ने सेंट फ्रांसिस कॉलेज के अध्यापकों और छात्रों की प्रशंसा की और उनका उत्साह भी बढ़ाया।

महेन्द्र सिंघी को दिया जायेगा अव्वा पुरस्कार

5 दिसंबर को होगा समारोह

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधान परिषद के चेयरमैन बसवराज होराट्टी द्वारा संचालित अव्वा सेवा ट्रस्ट ने इस वर्ष 2024 के लिए 12 लोगों को अव्वा पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस पुरस्कार को प्रदान करने के लिए गठित समिति द्वारा समाज क्षेत्र में अलग अलग कार्य करने वाले लोगों को इस पुरस्कार के लिए चुना है। पत्रकारों से वार्ता में अव्वा ट्रस्ट के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने कहा कि अव्वा पुरस्कार समारोह 15 दिसंबर को गुजरात भवन में आयोजित होगा। इस पुरस्कार समारोह में पूर्व विधान परिषद् चेयरमैन एवं सहकार क्षेत्र के अग्रणी एस आर पाटिल, समर्पित समाजसेवी ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, पत्रकार चंद्रकांत वड्डू, सितार वादक छोटे रहमत खान, गायिका रेखा हेगड़े, केशव हेगड़े कलंगी, बसव दर्शन, प्रचारक एस. महादेवैया, सामाजिक कार्यकर्ता राजेश्वरी पाटिल, लोक कलाकार बसवराज शिग्गमवी, राज्य खिलाड़ी तृषा जडाला और बागलकोट की अंकिता कोन्नूर, जिन्होंने एसएसएलसी परीक्षा में 625 में से 625 अंक हासिल किए, को अव्वा पुरस्कार दिया जाएगा। होराट्टी ने बताया कि सम्मान में स्मृति चिन्ह के साथ 25,000 रुपये नकद प्रदान किये जायेंगे। समारोह को श्री विजय महेश्वर संस्थान मठ, चित्तरागी के गुरु महंत स्वामी सान्निध्य प्रदान करेंगे। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी पुरस्कार प्रदान करेंगे। व्याख्याता अक्षय गोखले अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अव्वा ट्रस्ट द्वारा अभी तक 68 लोगों को अव्वा अवॉर्ड प्रदान किया जा चुका है।

गैस सिलेंडर विस्फोट में मां और तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंजनाडी गांव की सीमा के अंतर्गत कंडिका में एक घर में गैस सिलेंडर फटने से एक मां और उसके तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों को फिलहाल डेरालाकाटे के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, कंडिका निवासी मुतालिब के घर में परिवार सो रहा था, तभी आधी रात को जोरदार धमाका हुआ। धमाके से घर की छत टूट गई और खिड़कियों और बेडरूम को काफी नुकसान पहुंचा। जिस खाट पर मां और बच्चे सो रहे थे, वह पूरी तरह जल गई। बड़ी बेटी, जो अपनी मां के साथ सो रही थी, दरवाजा खोलने में कामयाब रही और अपने भाई-बहनों और मां को अस्पताल ले

गई, जो सभी गंभीर रूप से जल गए थे। बाद में तहसीलदार पुट्टाराजी ने घटनास्थल का दौरा किया। घायलों की पहचान खुबरा और उसके बच्चों मेयादिया, माजिया और मायदा के रूप में हुई है। विस्फोट की आवाज सुनकर एक स्थानीय निवासी ने शोर मचाया, जिसके बाद पड़ोसी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। ऐसा संदेह है कि सिलेंडर से गैस लीक होने के कारण विस्फोट हुआ, जिससे भयावह आग लग गई।

दीक्षार्थियों के अनुमोदनार्थ अरठवाड़ा जैन संघ ने निकाला भव्य वरघोड़ा

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

अरठवाड़ा जैन संघ गदग के तत्वावधान में मुमुक्षु नमन जीतेन्द्र गादिया एवं मुमुक्षु क्रिया जीतेन्द्र गादिया की दीक्षा के अनुमोदनार्थ भव्य शोभा यात्रा सर्वोदय कॉलोनी से रविवार को निकाली गई, जो शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर पहुंचा। वरघोड़े में महिलाएं मंगल गीतों का गान कर रही थी। दीक्षार्थी के जयकारों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक रंग में सराबोर हो गया। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के सभा भवन में सम्मान अभिनंदन किया गया। सम्मान स्वीकार करते हुए दीक्षार्थी नमन ने कहा यह सम्मान उनका नहीं उनके द्वारा

किये जा रहे त्याग का है। उन्होंने कहा जैसे दिन को सजाता है सूर्य और रात को सजाता है चांद वैसे ही मानव जीवन को सौन्दर्य से युक्त करने का काम सद्गुरु करते हैं। किंतु यह अनुपम उपलब्धि केवल सद्गुरु बनाने से प्राप्त नहीं होती, बल्कि सद्गुरु के चरणों का दास बन जाने के बाद ही जीवन शोभायमान होता है। मुमुक्ष क्रिया ने कहा दीक्षा लेना कोई साधारण कार्य नही है। दीक्षा ग्रहण करने वालों को राग, द्वेष, मोह, माया का त्याग करना पड़ता है। हमारे तीर्थकर अलौकिक ज्ञान के दीपक हैं। जिनके द्वारा बताए गए धर्म के ज्ञान मार्ग के प्रकाश से भव्य आत्माएं अपने जीवन में छाए अंधकार को मिटाकर जीवन धन्य कर लेते हैं। संघ की तरफ से कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए मुमुक्षुओं को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के पश्चात

स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। गौरतलब है मुमुक्षु जीतेन्द्र एवं मुमुक्षु क्रिया की दीक्षा आचार्य श्रीमद विजय कल्पतरु सुरिश्वरजी, आचार्य तीर्थभद्र सुरिश्वरजी के करकमलों द्वारा आगामी 2 मार्च 2025 को घाटकोपर मुंबई में होंगी। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, ट्रस्टी दलिचंद कवाड़ के अलावा समिति सदस्य सचिन जैन, बाबूलाल खिवेसरा, राणमल सोलंकी, बाबुलाल भंसाली समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कल्याण नगर क्षेमाभिवृद्धि संघ एवं कल्याण नगर युवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में नगर देवता श्री अण्णाम्मा देवी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। साथ ही विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। संघ के सोमशेखर ने मुणोत को सम्मानित किया।

कोडी बीच पर दो भाई डूबे, एक को बचाया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुंडापुर के पास स्थित कोडी बीच पर शनिवार को दो भाई डूब गए। मृतकों की पहचान कुंडापुर के अमपरु गांव के मूडुबेज निवासी धनराज (23) और दर्शन (18) के रूप में हुई है। स्थानीय निवासियों ने धनुष (20) नामक एक अन्य युवक को समय रहते बचा लिया। तीनों युवक अपने परिवार के सदस्यों के साथ कोडी बीच पर गए थे। समुद्र की खराब स्थिति से अनजान वे समुद्र में गहराई में चले गए, लेकिन तेज लहरों में बह गए। स्थानीय निवासियों ने धनुष को बचा लिया, जबकि धनराज और दर्शन समुद्र में डूब गए। पुलिस ने शवों को कुंडापुर मोर्चरी में रखवा दिया है।

मैं अपने राजनीतिक करियर के अंतिम पड़ाव पर हूं: सीएम सिद्धरामैया

चामराजनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार शाम को कहा कि वह अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं। जब मुख्यमंत्री चामराजनगर में नवनिर्मित लक्ष्मम्मा सोसेय्या सिद्धय्या सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे, तो एक समर्थक ने चिल्लाते हुए कहा आप तीसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। मुख्यमंत्री ने उत्साही समर्थक को जवाब देते हुए कहा मैं अब अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव पर हूं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोगों का समर्थन बहुत महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि इस तरह का समर्थन हासिल किए बिना राजनीति में बने रहना असंभव है।

उन्होंने याद किया कि दिवंगत बी. रचैया इस क्षेत्र में एक बड़े राजनीतिक व्यक्ति थे और उन्होंने अपने राजनीतिक विकास में रचैया

की भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि जब चामराजनगर मैसूरु जिले का हिस्सा था, तो दिवंगत बी. रचैया के कार्यकाल के दौरान मैसूरु और चामराजनगर को अलग-अलग जिला घोषित किया गया था। उन्होंने कहा उपमुख्यमंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान, हमने एक नए जिले के गठन की घोषणा की थी, उस समय स्वर्गीय जे.एच. पटेल मुख्यमंत्री थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विधायकों ने यह अंधविश्वास फैलाया कि अगर मुख्यमंत्री चामराजनगर का दौरा करेंगे, तो वे अपना पद खो देंगे, जिससे वे जिले का दौरा नहीं कर पाएंगे। चामराजनगर पर यह कलंक लगाया गया था कि कोई भी मुख्यमंत्री अगर यहां आएगा, तो उसकी सत्ता चली जाएगी। हालांकि, रचैया और मैं ऐसे अंधविश्वासों में विश्वास नहीं करते थे। हम दोनों ने चामराजनगर का दौरा किया और नए जिले की घोषणा की। मैं दो बार मुख्यमंत्री रह चुका हूं। मैंने कम से कम बीस बार चामराजनगर का दौरा किया। मुख्यमंत्री का पद खोने के बजाय, यह और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा जब हम छात्र थे, तो नंगे पैर स्कूल जाते थे। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, मैंने 'जूता भाग्य' कार्यक्रम लागू किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हर छात्र जूते, मोजे और वर्दी पहने। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य सरकार बच्चों को दूध, रागी माल्ट, अंडे, चिक्की, केले, यूनिफॉर्म और किताबें उपलब्ध करा रही है। बच्चे अब पढ़ें और शिक्षा से वंचित न रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को आर्थिक कठिनाइयों से बचाने के लिए गृह लक्ष्मी कार्यक्रम लागू किया गया है। लोगों में आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण लाने के लिए 30,000 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। गारंटी पर 56,000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

महिलाओं की मौतों की श्रृंखला की जांच उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा हो: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार शाम को कर्नाटक के सरकारी अस्पतालों में महिलाओं की मौतों की श्रृंखला की उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा गहन जांच की मांग की।

कुमारस्वामी ने कहा कर्नाटक के प्रगतिशील राज्य में इस साल अस्प-तालों में 327 महिलाओं की मौत हो गई। यह चौंकाने वाली जानकारी खुद स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने दी है और इससे मैं स्तब्ध हूं। पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार ने घटिया दवा आपूर्ति के मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया और क्या दिनेश गुंडूराव को इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से अव्यवस्थित है। अस्पताल मौत का जाल बन गए हैं। घटिया ग्लूकोज और दवाओं के कारण महिलाएं मर रही हैं। यह सुनकर दुख होता है कि बल्लारी अस्पताल में रिंगर लैक्टेट खत इन्फ्यूजन प्राप्त करने के महज दो घंटे के भीतर नौ महिलाएं गंभीर रूप से बीमार हो गईं। तो, यह इन्फ्यूजन किसने दिया? इसके लिए कौन सी कंपनी जिम्मेदार है? कुमारस्वामी ने कहा कि घटिया ग्लूकोज और दवाइयां कई दिनों से सप्लाई की जा रही हैं, लेकिन सरकार क्या कर रही है और स्वास्थ्य मंत्री ने इतने संवेदनशील मुद्दे को क्यों नजरअंदाज किया? उन्होंने कहा कि दिनेश गुंडूराव का यह बयान अस्वीकार्य है कि अगर उनकी गलती है तो वे इस्तीफा दे देंगे। जिम्मेदारी लेने का मतलब उससे भागना नहीं है। जरूरत है बीमार स्वास्थ्य विभाग के लिए उचित इलाज की। जिम्मेदारी से बचने से ज्यादा जरूरी है प्रायश्चित करना। विभाग को दुरुस्त करना मंत्री का कर्तव्य है।

दो यात्रियों के शरीर में छिपे कैप्सूल से 49 लाख का सोना बरामद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने दुबई से आए दो यात्रियों से सोना और ई-सिगरेट की फली जब्त की। अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों की जांच करते समय उन्हें दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां नजर आईं। दोनों कासरगोड के रहने वाले थे। ये दोनों दुबई से मेंगलूरु एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से आए थे। उन्हें जल्द ही रोक लिया गया। उनके शरीर के अंदर से तीन अंडाकार वस्तुएं बरामद की गईं। कैप्सूल से 625 ग्राम वजन का 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना

बरामद किया गया, जिसकी कीमत 48.75 लाख रुपये है। अधिकारियों ने 1,41,134 रुपये मूल्य के ई-सिगरेट के 147 निकोटीन लिक्विड रिफिल भी बरामद किए। ई-सिगरेट के पॉड को चेक-इन बैगेज के तौर पर लाए गए कार्टन बॉक्स में छिपाया गया था। जांच जारी है।

कांग्रेस पार्टी का जनकल्याणकारी सम्मेलन नहीं, बल्कि स्वार्थपरक सम्मेलन था: जेडीएस

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के पूर्व विधायक एचके कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि शहर में कांग्रेस पार्टी का जनकल्याणकारी सम्मेलन नहीं था, बल्कि स्वार्थपरक सम्मेलन था। यह कार्यक्रम देवेगौड़ा के परिवार को निशाना बनाने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि जेडीएस नेताओं पर महाभियोग चलाने का काम सम्मेलन का हिस्सा था। हमारे कार्यकर्ताओं को प्रलोभन देने का काम चल रहा है।

उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा कि यह लोगों के धर्म के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस नेता हमारे नेताओं को गाली देना बंद नहीं करेंगे तो लोगों की सहनशीलता की सीमा खत्म हो जाएगी और आगे से हमें संघर्ष करना पड़ेगा। जनकल्याण समावेश कांग्रेस पार्टी का एक कार्यक्रम है। ऐसे में सम्मेलन के मंच निर्माण के दौरान डीसी और जिला पंचायत सीईओ का मंत्री के साथ दिखना गैरकानूनी है। पूरे प्रदेश में तीन उपचुनाव अगले विधानसभा चुनाव के लिए कोई संकेत नहीं हैं, सभी उपचुनावों में यह साबित हो गया है कि सरकार का पक्ष लिया जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ इसलिए नहीं रुकना चाहिए कि उन्होंने ये तीन चुनाव जीत लिए हैं। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के जन्मदिन के मौके पर मांड्या में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जनवरी माह में हासन में एक बड़े सम्मेलन की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों पार्टी के नेता जेडीएस की ओर से या एनडीए गठबंधन की ओर से सम्मेलन की व्यवस्था पर चर्चा करेंगे और इसे अंतिम रूप देंगे। विधायक सीएन बालकृष्ण ने कहा कि सरकार अंबेडकर निगम एससीपी, टीएसपी समेत विभिन्न योजनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि जारी नहीं कर रही है।

उन्होंने शिकायत की कि सम्मेलन का इस्तेमाल केवल एचडी देवेगौड़ा परिवार के खिलाफ बोलने के लिए किया गया था। देवेगौड़ा ने अपने राजनीतिक करियर में किसी भी नेता का समर्थन करने का काम नहीं किया है और वह धर्मनिरपेक्ष रुख के साथ राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ बोलने से कांग्रेस नेताओं का नाम खराब होगा। भाजपा गठबंधन के सांसद के रूप में कुमारस्वामी अच्छा काम कर रहे हैं, राज्य में बीमार कारखानों को पुनर्जीवित करने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वे रोजगार सृजन के लिए आंध्र प्रदेश में एचएमटी सहित कारखाने स्थापित करने की विभिन्न योजनाएं बना रहे हैं। जेडीएस जिला इकाई के अध्यक्ष केएस लिंगेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जन कल्याण समावेश में कहती है कि वह पिछड़ों को सशक्त बना रही है, लेकिन किसी भी पिछड़े वर्ग के लिए योजनाओं को पर्याप्त रूप से लागू नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों पर 1.05 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ डालने की शिकायत की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक स्वरूप प्रकाश, जेडीएस तालुक इकाई के अध्यक्ष एस. दाइवे गौड़ा, पार्टी प्रवक्ता होंगेरे रघु उपस्थित थे।

बेरोजगार सरकार कोविड की जांच कर रही:येदियुरप्पा

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य सरकार ने बिना किसी अन्य कार्य के कोविड जांच कराने का निर्णय लिया है। जिसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने पलटवार करते हुए कहा कि इससे कोई फायदा नहीं होगा। किसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए मैसूरु पहुंचने के बाद येदियुरप्पा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसी भी तरह की जांच कराने के लिए स्वतंत्र है। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन सरकार के पास कोई दूसरा काम नहीं है। दसियों साल पहले की कहानियों की जांच करने से क्या फायदा होगा? हम इससे परेशान नहीं होंगे। कांग्रेस 2019 के बाद शुरू हुए कोविड के दौरान चिकित्सा उपकरणों की खरीद, उपचार, निरीक्षण और अन्य चिकित्सा सुविधाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है और राज्य सरकार ने इसकी जांच के लिए न्यायमूर्ति माइकल

कुन्हा के नेतृत्व में एक जांच आयोग का गठन किया है। जांच के बाद आयोग ने अंतरिम रिपोर्ट जारी की, जिसके आधार पर राज्य सरकार ने एसआईटी जांच समेत कई कदम उठाए।

जांच रिपोर्ट के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया गया है। इस समिति ने शनिवार को एक बैठक की और आरोप लगाया कि कोविड परीक्षण करने में अवैध रूप से सैकड़ों करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया गया। इसकी जांच के लिए विभाग के अधिकारियों की एक टीम बनाने का निर्णय लिया गया है। बाजार दर से अधिक कीमत पर पीपीई किट की खरीद सहित कई खामियों की जांच की गई है। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों की संलिप्तता सहित गिरोह के नेताओं की भूमिका पाई गई। इस पृष्ठभूमि में, कुछ निजी कंपनियों ने कोविड की स्थिति को प्रभावित और दुरुपयोग किया है और करोड़ों के लूटपाट का आरोप है। बेलगावी सत्र में विपक्षी दल मुडा घोटाला, वक्फ, वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम के धन के अवैध हस्तांतरण, बल्लारी जिले में मातृ मृत्यु सहित कई मुद्दे उठा कर सरकार पर हमला करने के लिए तैयार हैं। राज्य सरकार ने कोविड हथियार को जवाबी रणनीति के तौर पर इस्तेमाल करने का फैसला किया है। मामले में माइकल कुन्हा द्वारा दी गई रिपोर्ट का गहनता से अध्ययन किया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है कि कहीं कोई गड़बड़ी न हो।

शीतकालीन सत्र आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सोमवार से शुरू हो रहे बेलगावी विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पार्टी की बड़ी जीत के बाद उच्च मनोबल के साथ प्रवेश करेगी, जबकि विपक्षी भाजपा और जद (एस) मजबूती से उभर रहे हैं और मुकाबला करने की कोशिश कर रहे हैं। गुटबाजी में उलझी भाजपा वक्फ विवाद को लेकर कांग्रेस पर हमला करने के लिए गोला-बारूद तैयार कर रही है। बल्लारी में मातृ मृत्यु एक और ज्वलंत मुद्दा है जिसे विपक्ष द्वारा उठाए जाने की उम्मीद है।

आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप, बीपीएल कार्ड धारकों की समीक्षा करने की सरकार की योजना और हुब्बल्ली दंगों के आरोपियों के खिलाफ मामलों को वापस लेना विपक्ष की कांग्रेस पर हमला करने की सूची में शामिल हैं। किसानों और उत्तरी कर्नाटक से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हासन में एक बड़े सम्मेलन से वापस लौटे हैं, जहां उनकी खूब प्रशंसा की गई थी। लेकिन विपक्ष प्रवर्तन निदेशालय की लोकायुक्त को दी गई रिपोर्ट का इस्तेमाल कर सकता है, जिसमें कहा गया है कि उनकी पत्नी से जुड़े मुडा साइट आवंटन घोटाले में गड़बड़ी के सबूत हैं।

सरकार को घेरने की कोशिश करने से पहले विपक्ष के नेता आर अशोक को भाजपा में गुटबाजी से निपटना होगा। भाजपा संदूर और शिग्गांव में उपचुनाव हार गई, जबकि चन्नपट्टना में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के बेटे जेडीएस के निखिल कुमारस्वामी की हार ने सबको चौंका दिया। उपचुनावों में हार और अंदरूनी कलह के कारण बेलगावी सत्र के दौरान विपक्ष की ताकत कम हो सकती है। कांग्रेस उत्तर कर्नाटक पर बहस को प्राथमिकता देकर और भाजपा के सत्ता में रहने के दौरान भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करके विपक्ष के हमले से बचने की कोशिश कर सकती है। सरकार कई प्रमुख विधेयक पेश कर सकती है, जिसमें खनिज युक्त भूमि पर कर लगाने से संबंधित विधेयक भी शामिल है। गिग वर्कर्स के कल्याण पर एक विधेयक भी पेश किया जा सकता है।

नीलगिरी का दौरा मैराथन का शुभारंभ

लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलानी चाहिए: राजस्व मंत्री

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यक्तिगत फिटनेस को प्रोत्साहित करने के लिए राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने रविवार को मैसूरु में 80 साइकिल चालकों के साथ 10 किलोमीटर साइकिल चलाकर कोयंबत्तूर की ओर 800 किलोमीटर लंबी नीलगिरी का दौरा मैराथन का शुभारंभ किया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे साइकिल चलाना पसंद है, लेकिन काम के कारण ऐसा नहीं कर पा रहा हूं।

लोगों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए साइकिल चलानी चाहिए। बल्लारी में पांच मातृ मृत्यु के बारे में उन्होंने कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है, और सरकार ने इस पर गंभीरता से विचार किया है। यह दवा कंपनी की लापरवाही के कारण हुआ है। लैब रिपोर्ट मिलने के बाद कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जाएगी। इस संबंध में कैबिनेट में उच्च स्तरीय चर्चा हुई है। हम इन मामलों में परिवारों के लिए मुआवजे की राशि बढ़ाने के बारे में चर्चा करेंगे। डीसीएम डीके शिवकुमार के इस बयान पर कि उन्हें अच्छा समय मिलेगा और उनके लिए अच्छी चीजें होंगी, उन्होंने कहा डीके शिवकुमार लंबे समय से राजनीति में हैं। उनके लिए अच्छे दिन आएं और अच्छी चीजें हों।

सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अच्छा काम कर रही है। लोगों में कांग्रेस के प्रति अच्छी भावना है। परिवारवाद के खिलाफ राज्य की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में मिली जीत इसका उदाहरण है। यहां तक कि बसवराज बोम्मई के बेटे भी हार गए। सत्ता के बंटवारे पर हर दिन चर्चा करने के बजाय सरकार के अच्छे कामों पर चर्चा होनी चाहिए। सत्ता स्थायी नहीं होती। समय-समय पर राजनीतिक बदलाव होते रहते हैं। जो होना है, वह सही समय पर होगा। मांड्या में जेडी(एस) सम्मेलन की योजना के बारे में कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा भाजपा जेडी(एस) को खत्म करने की सुनियोजित योजना बना रही है। चन्नपट्टना विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले में एच डी कुमारस्वामी ने 97000 वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की थी। भाजपा-जेडी(एस) के गठबंधन के बाद विधानसभा चुनाव में उनके वोटों में 10,000 की वृद्धि हुई थी। लेकिन आश्चर्य है कि उपचुनाव में यह 85,000 कम कैसे हो गया। भाजपा का एक भी वोट जेडी(एस) को नहीं गया। भाजपा नेताओं ने जानबूझकर निखिल को मैदान में उतारा और कांग्रेस को वोट दिया। भाजपा ने अप्रत्यक्ष रूप से सीपी योगेश्वर की मदद की है। इसलिए उन्हें जेडी(एस) सम्मेलन करने दें। हम नहीं चाहते कि जेडी(एस) जैसी विपक्षी पार्टी खत्म हो जाए। इसका अपना इतिहास है।

संदूर हमेशा से रहा है कांग्रेस का गढ़

प्रधानमंत्री मोदी में चुनौती स्वीकार करने का साहस नहीं: सीएम

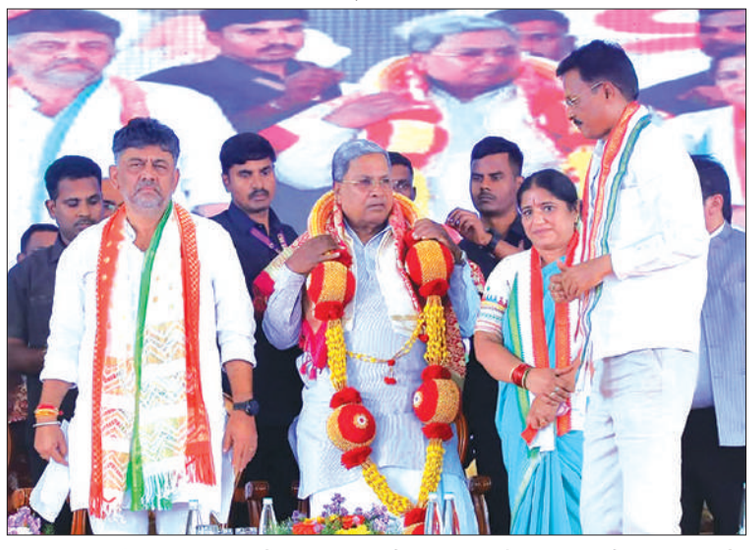

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

संदूर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को कांग्रेस पार्टी में विश्वास जताने के लिए हार्दिक धन्यवाद देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि संदूर हमेशा से कांग्रेस का गढ़ रहा है और रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनकी चुनौती स्वीकार करने का साहस नहीं दिखाने का आरोप लगाया।

बल्लारी जिले के संदूर में रविवार को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सिद्धरामैया ने मोदी पर स्थानीय भाजपा नेताओं से झूठ और मिथ्या बातें करवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मैंने प्रधानमंत्री को चुनौती दी थी कि वे अपने आरोपों को साबित करें कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र चुनावों के लिए रिश्वत का पैसा इकट्ठा किया था और भ्रष्टाचार के आरोप साबित होने पर राजनीति से संन्यास लेने की अपनी इच्छा सार्वजनिक रूप से घोषित की थी। लेकिन मोदी में चुनौती स्वीकार करने का साहस नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने संदूर में कांग्रेस उम्मीदवार अन्नपूर्णा तुकाराम के लिए कड़ी मेहनत की थी और कांग्रेस सांसद ई तुकाराम द्वारा किए गए विकास कार्यों को देखा था, जिससे वे मतदाताओं के प्रिय बन गए हैं।

राज्य में कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी वादे पूरे किए हैं और लोगों की आर्थिक और क्रय शक्ति को मजबूत करने के लिए कार्यक्रम लागू कर रही है। सिद्धरामैया ने कहा लेकिन क्या मोदी ने 2014 या 2019 के चुनावों में अपने किसी भी वादे को पूरा किया है या लागू किया है। लोगों को अभी भी अच्छे दिन का स्वाद चखना बाकी है। मोदी सरकार सालाना 2 करोड़ नौकरियां पैदा करने या किसानों की आय दोगुनी करने में विफल रही है। वह लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने अपने खोखले और बड़े वादों से लोगों को बेवकूफ बनाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता और खनन कारोबारी जी जनार्दन रेड्डी ने बल्लारी जिले को अपना गणतंत्र बना लिया है और भाजपा ने उन्हें संदूर विधानसभा उपचुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का जिम्मा सौंपा था। सिद्धरामैया ने कहा कि भाजपा कभी भी अपने बल पर राज्य में सत्ता में नहीं आई है और उसने अपने कुख्यात ऑपरेशन कमल के जरिए सत्ता हासिल की है, जिसे काले धन से वित्त पोषित किया गया था। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जब तक उन्हें लोगों का समर्थन और आशीर्वाद प्राप्त है, तब तक वह भाजपा और उसकी केंद्रीय एजेंसियों के सामने कभी नहीं झुकेंगे। उन्होंने कहा झूठे आरोपों और दुष्प्रचार से डरने का कोई सवाल ही नहीं है। आवास और वक्फ मंत्री जेड ए जमीर अहमद खान ने कहा कि आवास विभाग संदूर विधानसभा क्षेत्र में 2,000 अतिरिक्त घरों का निर्माण करेगा। उन्होंने वादा किया कि 2,172 घर पहले ही बनाए और वितरित किए जा चुके हैं और अतिरिक्त 2000 घरों का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

निखिल कुमारस्वामी को जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष का मिल सकता है पद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यह लगभग तय है कि जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी को जेडीएस प्रदेश अध्यक्ष का पद दिया जाएगा। पार्टी नेताओं ने पहले ही निखिल कुमारस्वामी को राज्य में पार्टी संगठन की जिम्मेदारी दे दी है। निखिल कुमारस्वामी ने राज्य में सदस्य पंजीकरण अभियान शुरू किया है। इस सिलसिले में उन्होंने राज्य के कई हिस्सों की यात्रा की है और सदस्यता पंजीकरण शुरू किया है। चूंकि प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी केंद्रीय मंत्री हैं, इसलिए निखिल को पार्टी संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हाल ही में पार्टी नेताओं की एक बैठक में कुमारस्वामी ने खुद इस मुद्दे का जिक्र किया था। साथ ही,

चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव में हारने वाले निखिल कुमारस्वामी भी घर पर खाली नहीं बैठेंगे। वह राज्य में पार्टी का आयोजन करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने भरोसा जताया है कि वह पार्टी के भावी नेता होंगे। जेडीएस के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि यह लगभग तय है कि मकर संक्रांति पर्व के बाद निखिल कुमारस्वामी को प्रदेश अध्यक्ष का पद दिया जाएगा। निखिल को 2025 में होने वाले जिला और तालुका पंचायत चुनाव से पार्टी की जिम्मेदारी दी जाएगी। उसके द्वारा चुनाव के साथ-साथ पार्टी संगठन की जिम्मेदारी भी सौंपी जायेगी। जद (एस) नेताओं का इरादा लगातार तीन चुनाव हार चुके निखिल को एक राजनीतिक नेता के रूप में विकसित करने का है। निखिल की हार को लेकर पार्टी में समीक्षा बैठक हो चुकी है। एक जिद यह भी है कि निखिल को पार्टी की जिम्मेदारी दी जाए। निखिल ने नई दिल्ली में भाजपा के संगठन सचिव बीएल संतोष और पार्टी के राज्य प्रभारी राधा मोहनदास अग्रवाल सहित कई भाजपा केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि जेडीएस के भाजपा के साथ एनडीए गठबंधन में शामिल होने के मद्देनजर उन्होंने भाजपा नेताओं से सलाह और सहयोग मांगा है।

बल्लारी में मातृ मृत्यु मामला : मरने वाली महिलाओं के परिजनों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने रविवार को बल्लारी मेडिकल कॉलेज और रिसर्च सेंटर में प्रसव संबंधी जटिलताओं के बाद मरने वाली महिलाओं के परिजनों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की। बीएमसीआरसी में पिछले एक महीने में कम से कम पाँच मातृ मृत्यु की सूचना मिली है। इसे गंभीरता से लेते हुए, सीएम ने कर्नाटक ड्रग कंट्रोलर उमेश एस को निलंबित करने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल स्थित उस फर्म पर मुकदमा चलाने का भी फैसला किया है, जिस पर घटिया रिंगर लैक्टेट की आपूर्ति करने का आरोप है। शरीर में हाइड्रेशन और द्रव संतुलन को बहाल करने के लिए रिंगर लैक्टेट घोल को नसों में डाला जाता है। बल्लारी अस्पताल में पाँच महिलाओं की मौत हो गई है। मैंने एक बैठक की और ऐसा प्रतीत होता है कि घटिया दवाइयाँ दी गई थीं। मैंने 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी, लेकिन परिजन और अधिक की माँग कर रहे हैं। इसलिए, मैं उन्हें 5 लाख रुपए देने की घोषणा करता हूं।

एटीएमएस के कार्यान्वयन के बाद बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं में भारी गिरावट

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2024 में उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली (एटीएमएस) की स्थापना के बाद, बेंगलूरु-मैसूरु एक्सेस नियंत्रित राजमार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जो 2023 में 188 से घटकर 2024 में 50 हो गई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हाल ही में लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, एटीएमएस ने वास्तविक समय की निगरानी और त्वरित घटना प्रतिक्रिया के माध्यम से यातायात सुरक्षा में सुधार किया और सितंबर से दिसंबर 2024 तक शून्य मौतें दर्ज की गईं। यह राजमार्ग, एक महत्वपूर्ण 117 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला एक्सेस-नियंत्रित गलियारा है, जिसने 2023 में 188 मौतों की सूचना

दी। इसके विपरीत, एटीएमएस के कार्यान्वयन के बाद 2024 में यह संख्या घटकर 50 रह गई। एनएचएआई के एक अधिकारी ने कहा मासिक डेटा मौतों में लगातार गिरावट को दर्शाता है, सितंबर से दिसंबर 2024 तक कोई मौत की सूचना नहीं मिली है। वास्तविक समय की निगरानी और प्रतिक्रिया के माध्यम से यातायात सुरक्षा को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया एटीएमएस इस व्यस्त मार्ग पर दुर्घटनाओं को रोकने में प्रभावी साबित हुआ है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में यातायात उल्लंघन का पता लगाना, घटना प्रतिक्रिया समय में सुधार और आपातकालीन सेवाओं के साथ एकीकरण शामिल हैं। लोकसभा में एक सांसद के सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एटीएमएस का उद्देश्य दुर्घटनाओं, यातायात उल्लंघनों और घटना प्रतिक्रिया समय को कम करना है। गडकरी ने कहा सरकार राजमार्गों और एक्सप्रेसवे में एटीएमएस समाधान को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना बना रही है। गडकरी ने कहा बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग में एटीएमएस की स्थापना से पहले और बाद में दुर्घटना के आंकड़ों की समीक्षा की गई और पाया गया कि जुलाई 2024 में एटीएमएस के कार्यान्वयन के बाद मृत्यु दर में कमी आएगी। मई से जुलाई 2024 तक, एनएचएआई ने बेंगलूरु-मैसूरु पहुंच-नियंत्रित राजमार्ग पर तेज गति और गलत दिशा में वाहन चलाने की घटनाओं में वृद्धि के जवाब में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-संचालित यातायात प्रवर्तन कैमरे लगाना शुरू कर दिया। एटीएमएस का हिस्सा ये कैमरे राष्ट्रीय राजमार्ग 275 के बेंगलूरु-निडाघट्टा और निडाघट्टा-मैसूरु खंडों पर रणनीतिक रूप से लगाए गए हैं। राजमार्ग पर अधिकतम गति सीमा 100 किमी/घंटा है, जिसे अधिकारियों ने मार्च 2023 में इसके खुलने के तुरंत बाद 117 किलोमीटर लंबे खंड पर दुर्घटनाओं की एक श्रृंखला के बाद स्थापित किया है। इस सीमा को पार करने वाले मोटर चालकों को 1,000 का जुर्माना देना होगा। इसके अतिरिक्त, 130 किमी/घंटा से अधिक गति से वाहन चलाने वालों पर पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज की जाएगी। यह नियम कर्नाटक पुलिस द्वारा 1 अगस्त, 2023 से लागू किया गया है।

महिला किराएदार से छेड़छाड़ की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना में, एक महिला पर उसके मकान मालिक के भाई ने उसके अपार्टमेंट के सामने शारीरिक हमला किया, उसके साथ दुर्व्यवहार किया, उसे घसीटा और कथित तौर पर छेड़छाड़ की। उसकी शिकायत के बाद आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

मूल रूप से पश्चिम बंगाल की रहने वाली 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि संजय नगर क्षेत्र के प्लेनेट विस्टा अपार्टमेंट में आरोपी मंजूनाथ गौड़ा ने उसके साथ मारपीट की। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि 3 दिसंबर की रात जब वह पार्सल लेने अपार्टमेंट के गेट पर गई तो उस व्यक्ति ने उसके साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। उसने आगे कहा कि उसने शुरू में उसे अनदेखा किया, लेकिन वह उसके साथ दुर्व्यवहार करता रहा और अचानक उसके पास आया और उसके साथ मारपीट की, उसके माथे पर मारा और उसकी गर्दन को भी कसकर पकड़ लिया। घटना के समय वह व्यक्ति नशे में लग रहा था।

उसने कहा कि मौखिक बहस के बाद उसने महिला को थप्पड़ मारा और उसका गला घोंट दिया, जिससे उसकी सांस फूलने लगी। सूत्रों के अनुसार, पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया, मौखिक बहस के तुरंत बाद, उसने मुझे थप्पड़ मारा और इस हद तक मेरा गला घोंट दिया कि मैं सांस नहीं ले पा रही थी, और मुझे दीवार से दबा दिया। 26 वर्षीय युवती ने गौड़ा पर यह भी आरोप लगाया कि जब वह घटनास्थल से भागने की कोशिश कर रही थी, तो उसने उसकी उंगली काट ली और उसे अपने घर में खींचने की कोशिश की। लड़की ने कहा कि आरोपी की हिंसक हरकतों के कारण उसे कई चोटें आईं। उसने मुझे अपने घर में खींचने की भी कोशिश की, और तभी मैंने चिल्लाना शुरू कर दिया, और मैं अपने फ्लैट की ओर भागी। उसने मेरा पीछा भी किया और सीढ़ियों के बीच में मुझे रोक लिया और मुझे और भी आक्रामक तरीके से मारना शुरू कर दिया। हालांकि, वह कुछ अन्य लोगों की मदद से भागने में सफल रही, जिन्होंने हमलावर को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। उसने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया कि अगली सुबह आरोपी उसकी खिड़की से झांक रहा था। उसने कथित तौर पर उसके घर में घुसने की धमकी दी और जब उसने विरोध किया, तो उसके साथ दुर्व्यवहार किया। पीड़िता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने ड्रग-फ्री कर्नाटक नामक ऐप किया लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने राज्य में गांजा किसानों और नशीली दवाओं के तस्करों का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए ड्रग-फ्री कर्नाटक नामक ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है और इस ऐप के जरिए आम लोग पुलिस के मुखबिर बन सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जब लोग किसी व्यक्ति को मादक पदार्थों का सेवन, परिवहन, तस्करी, खेती या खाना बनाते हुए पाते हैं, तो वे तुरंत ऐप के जरिए पुलिस को सूचित कर सकते हैं। आम लोग अपने मोबाइल फोन पर ऐप डाउनलोड करके और अंग्रेजी या कन्नड़ में जानकारी देकर आसानी से नशीली दवाओं से जुड़ी गतिविधियों की रिपोर्ट कर सकते हैं। रिपोर्ट किए गए स्थान का विवरण स्थानीय पुलिस को भेजा जाएगा, जिसमें बेंगलूरु, मैंगलूरु, कलबुर्गी, बेलगावी, हुब्बल्ली और मैसूरु जैसे कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), जिलों में पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अन्य संबंधित पर्यवेक्षी प्राधिकरण शामिल हैं। सूचना प्राप्त होने पर, नामित अधिकारी इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि करेगा और यदि आवश्यक हो तो छापेमारी का समन्वय करेगा। ऐप नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम, 1985 के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है, जिसमें ड्रग से संबंधित अपराधों के लिए दंड का विवरण भी शामिल है।

पत्नी और ससुर पर चाकू से हमला करने वाले व्यक्ति को दो साल की सजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेल्टांगडी तालुक की जेएमएफसी अदालत ने 26 जुलाई, 2024 को अपनी पत्नी और ससुर को चाकू मारने के आरोपी हकीम को दो साल की जेल और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। हकीम ने अपनी पत्नी सजीरा पर उस समय हमला किया, जब वह कनियूर में अपने ससुराल में अपने बच्चे को दूध पिला रही थी, जिससे वह घायल हो गई। जब उसके पिता मोहम्मद ने उसे बचाने का प्रयास किया, तो हकीम ने उसे भी चाकू मार दिया। कुछ महीने पहले हुए इस मामले में त्वरित फैसले की जनता ने सराहना की है।

फेंगल तूफान का प्रभाव : राज्य में सब्जियों की कीमतें बढ़ीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

फेंगल तूफान के कारण राज्य के विभिन्न जिलों में हुई बारिश के कारण कटी हुई सब्जी की फसल बर्बाद हो गयी। इस कारण कीमतें आसमान छू रही हैं और उपभोक्ताओं की जेब कट रही है। तुमकुरु, रामानगर, कोलार, चिक्कबल्लापुर, मैसूरु, मांड्या, चित्रदुर्ग, रायचूर, बल्लारी, दावणगेरे, बेंगलूरु के ग्रामीण इलाकों समेत राज्य के अन्य हिस्सों में बारिश के कारण फसल नष्ट हो गई और उत्पादन रुक गया है और कीमतें बढ़ गई हैं।

अमरंथ और इमली पहले ही बाजार में आ चुके हैं और इस समय सब्जियों की कीमतें आम तौर पर कम होनी चाहिए थीं। लेकिन

बारिश के असर से फसल बर्बाद हो गई है और मांग बढ़ गई है, जिससे कीमत में बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान अक्सर विवाह, देव कार्य और अन्य मांगलिक कार्य होते हैं। इसलिए कीमत भी बढ़ गई है। दुकानों में सब्जियों की आवक नजर नहीं आ रही है। टमाटर भी पिछले कुछ दिनों से स्थिर है और 50 से 60 रुपये बिक रहा है। लहसुन 500 रुपये, हरी मटर 200 रुपये, आलू 50 रुपये, सेम 70 रुपये, चुकंदर 60 रुपये, लौकी 80 रुपये, खीरा 30 रुपये, गाजर 80 रुपये, मूली 50 रुपये, मिर्च 80 रुपये और भिंडी 60 रुपये किलो बिक रहा है।

पिछले कुछ महीनों से स्थिर चल रहा प्याज 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। आमतौर पर हाल ही में बेंगलूरु में 2 किलो, 3 किलो 100 रुपये में बिकते थे।

फिलहाल 100 रुपये में सवा किलो ही बिक रहा है, जिससे ग्राहकों की आंखों में आंसू आ रहे हैं। बल्लारी, रायचूर, दावणगेरे, चित्रदुर्ग, हुब्बल्ली, धारवाड़ और पड़ोसी महाराष्ट्र में जहां ज्यादातर प्याज उगाया जाता है, बारिश ने फसल को नष्ट कर दिया है और उत्पादन धीमा हो गया है और कीमतें बढ़ गई हैं।

किसी की मांग के आधार पर नेतृत्व नहीं बदला जाता : राधा मोहन दास अग्रवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष पद से बीवाई विजयेंद्र को हटाने की मांग को खारिज करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि किसी की मांग के आधार पर नेतृत्व नहीं बदला जाता। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, के खिलाफ कोई भी कार्रवाई उनके जवाब के आधार पर आलाकमान द्वारा तय की जाएगी। भाजपा के भीतर गुटबाजी के बीच, जिसमें यतनाल के

नेतृत्व वाले समूह ने खुले तौर पर विजयेंद्र की आलोचना की और उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं किया, राज्य भाजपा कोर कमेटी ने आलाकमान के परामर्श से अनुशासनहीनता के ऐसे कृत्यों को नियंत्रित करने पर चर्चा की। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के ध्यान में विधायक एस टी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जो पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं और खुद को कांग्रेस पार्टी से जोड़ रहे हैं। अग्रवाल ने यतनाल और उनकी टीम द्वारा राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के बारे में बात करने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, (राज्य में) पार्टी नेतृत्व को बदलने या उस पर निर्णय लेने की शक्ति जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं या पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के पास है। किसी अन्य व्यक्ति के पास ऐसी शक्ति नहीं है।

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को पकड़ा

चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीलंकाई नौसेना की तरफ से भारतीय मछुआरों को पकड़ने का सिलसिला जारी है। रविवार की सुबह आठ भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ा और उनके पास से दो नावों को जब्त कर लिया। पकड़े गए मछुआरे तमिलनाडु के रामनाथपुरम के रहने वाले हैं। उनकी पहचान मंगदु भत्रप्पन, रेड्डयूरानी, कन्नन, चिन्ना रेड्डयूरानी मुथुराज, अगस्तियार कुटम काली और थंगाचिमद यासीन, जीसस, उचिपुल्ली रामकृष्णन और वेलु के तौर पर की गई है। मंडपम मछुआरा संघ

के अनुसार, पकड़े गए मछुआरे मंडपम से समुद्र की तरफ गए थे। वे पाक खाड़ी के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। सुबह श्रीलंकाई नौसेना इस क्षेत्र में आई और मछुआरों के सीमा पार करने का दावा करने लगे। शनिवार को रामनाथपुरम के मंडपम उत्तर तट से 324 नावों में मछुआरे पाक खाड़ी क्षेत्र में डेल्फ्ट द्वीप के पास मछली पकड़ रहे थे। श्रीलंकाई नौसेना रविवार सुबह इस क्षेत्र में पहुंची और दो नावों आईएनडी टीएन 11 एमएम को जब्त कर लिया। जांच के बाद मछुआरों और नावों को जाफना मत्स्य विभाग के अधिकारियों के हवाले कर दिया गया। इससे मछुआरों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई। ज्ञातव्य है कि भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद मुद्दा है। इस तरह की ज्यादातर घटनाएं पाक जलडमरूमध्य में होती हैं। यह तमिलनाडु से उत्तरी श्रीलंका के बीच एक पट्टी है। यह मछलियों के लिए समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। इससे पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी को एक गंभीर मुद्दा बताते हुए केंद्र सरकार से ठोक और सक्रिय कदम उठाने की अपील की थी। सीएम स्टालिन की चिट्ठी पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस मुद्दे पर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा था कि कोलंबो में भारतीय उच्चायोग और जाफना में वाणिज्य दूतावास हिरासत में लिए गए लोगों की शीघ्र रिहाई के लिए ऐसे मामलों को तेजी से और लगातार उठा रहे हैं।

पप्पू यादव एनसीसी डॉग और छिपकली पर करेंगे मुकदमा, वसूलेंगे 10-10 करोड़ रुपये मानहानि

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव तीन नेताओं पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे। उन नेताओं में एक जदयू के प्रवक्ता, एक मंत्री और एक पूर्व सांसद है। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि तीनों नेताओं पर 10-10 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दर्ज कराऊंगा। इस संबंध में वकील से बात हो गई है। सांसद पप्पू यादव ने इन नेताओं को 'एनसीसी डॉग' और 'छिपकली' तक कह दिया।

पप्पू यादव ने कहा कि तीनों नेताओं से ज्यादा वफादार उनके घर का एनसीसी डॉग है, जिनके जुबान पर गाली-गलौज ही रहता है। यह गालीबाज़ मंत्री भी है जो बातें कम और गाली ज्यादा बकते हैं। पप्पू यादव ने कहा कि यह सभी लोग गलती से जनप्रतिनिधि बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने तीनों लोगों की मदद की है। एक प्रवक्ता जो पटना में बैठते हैं, जिनको राजद का प्रवक्ता इतना गाली देता है कि वे इसीलिए जवाब नहीं देते हैं वह उसी का जात है।

राजद प्रवक्ता उनका कोई करम (इज्जत) नहीं रखते हैं। तीनों नेताओं से आग्रह करते हुए कहा कि आप तीनों मिलकर सीबीआई से जांच करा लें। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि आप गाली गलौज न करें। पप्पू यादव ने कहा कि वह नहीं चाहते हैं कि समाज का माहौल खराब हो। मैं जिस दिन निर्णय ले लूंगा उस दिन मेरे प्यादा से लड़ने की औकात नहीं होगी। उस दिन समाज में द्वेष पैदा होगा। उन्होंने कहा कि आप से हाथ जोड़ता हूं कि

आप आलोचना कीजिए तथ्य के साथ कीजिए, सत्य के साथ कीजिए। आपको पूरा अधिकार अपनी बात रखने का है, लेकिन गाली गलौज करना यह कहीं से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान उन्हें बुद्धि दे कि उनके जुबान से अच्छे शब्द निकले।

पप्पू यादव ने कहा कि मुझे 29 धमकियां दी गई है। एक व्यक्ति की मुलाकात पटना के यूको पार्क में किसी व्यक्ति से होती है। उसके पीछे कोई टेलिफोन तो होगा। दोनों का टेलिफोन का आदान-प्रदान हुआ ही होगा। उनको बुलाए तो होंगे या मिलने के बाद टेलिफोन से बात तो हुई ही होगी। लेकिन पकड़ाए व्यक्ति को टेलीफोन नंबर तो याद नहीं है, लेकिन पटना में मिले व्यक्ति याद कैसे होगी। कौन मिला और कैसे मिला। उस दिन का टेलिफोन नंबर और दोनों के नंबर की जांच होनी चाहिए। दोनों है या नहीं है। जिस पार्क में दोनों की मुलाकात हुई थी उस का सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डिटेल्स निकालना चाहिए। पप्पू यादव ने मांग करते हुए कहा कि धमकी प्रकरण की जांच सीबीआई से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धमकी प्रकरण को लेकर लोकसभा स्पीकर और गृह मंत्री को वह पत्र भेज दिए हैं। धमकी मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी पर पप्पू यादव ने कहा कि आखिर गिरफ्तार व्यक्ति को थाने से बेल कैसे मिल गया। जिस पार्क में दोनों की मुलाकात हुई थी उस का सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डिटेल्स क्यों नहीं निकाला गया?

खेत में मिली जख्मी युवती की इलाज के दौरान मौत

वीभत्स घटना के विरोध में परिजनों की जुबान बंद

सहरसा (एजेंसियां)।

शनिवार की सुबह से सहरसा, मधेपुरा और दरभंगा के अस्पतालों में इलाजरत रही युवती शनिवार की शाम को जिंदगी की जंग हार गई। अब सबों की नजर पुलिसिया कार्रवाई पर है। यदि ऑनर किलिंग है तो यह बात सामने आए यदि नहीं है तो हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा मिले। जिले के महिषी प्रखंड स्थित एना गांव के खेत में शनिवार की सुबह युवती का गला रेता हुआ शरीर फेंका मिला था। जान मारने की नीयत से एना स्थित श्मशान के समीप किसी ने धारदार हथियार से गला रेतकर युवती को पुआल के ढ़ेर में फेंक दिया था। आते-जाते लोगों की उस पर नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर महिषी थानाध्यक्ष अमरनाथ कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और बेहोशी अवस्था में जख्मी लड़की को इलाज के लिए तत्काल सहरसा सदर अस्पताल भेजवाया। जहां उसकी स्थिति गंभीर देख डॉक्टरों ने उसे जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज मधेपुरा रेफर कर दिया। वहां भी डॉक्टरों की टीम ने उसकी स्थिति सामान्य करने का भरसक प्रयास किया. लेकिन स्थिति सुधरता नहीं देख डॉक्टरों ने वहां से भी उसे दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया। इलाज के क्रम में युवती ने वहीं दम तोड़ दिया। युवती की पहचान नवहट्टा थाना क्षेत्र के मोहनपुर निवासी बुच्चन शर्मा की पुत्री ललिता कुमारी के रूप में की गयी है।

जानकारी के अनुसार मृतका बीते कुछ दिनों से महिषी के एना गांव स्थित अपने ननिहाल में रह रही थी।

विपक्ष के आरोपों पर शिंदे का पलटवार

लोगों को गुमराह करना बंद करें और जनादेश स्वीकारें

मुंबई, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने विपक्ष पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के बारे में लोगों को गुमराह करने और उनके जनादेश को स्वीकार नहीं करने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने बताया कि विधानसभा चुनाव में महायुति को जीत मेहनत के वजह से मिली है और महाविकास अघाड़ी को लोगों का जनादेश स्वीकार करना होगा। उन्हें विकास कार्यों में सरकार का समर्थन करना होगा।

महाविकास अघाड़ी (भाजपा, शिवसेना, राकांपा) ने विधानसभा चुनाव में 288 नें से 230 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को केवल 46 सीटों पर ही जीत

मिली। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद विपक्ष ने ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया और मतपत्रों के इस्तेमाल की मांग की।

विपक्ष को घेरते हुए शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा, जब आप जीतते हैं, तब ईवीएम में गड़बड़ी नहीं होती। जब आप हरते हैं, तभी मशीन में गड़बड़ी होती है। यह सही दृष्टिकोण नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जनता का जनादेश स्वीकार करना होगा। लोगों ने विपक्ष को उनका स्थान दिखा दिया है। जनता ने बता दिया कि वे उन लोगों को वोट नहीं देते जो केवल अपने घरों में बैठे रहते हैं।

एकनाथ शिंदे ने सवाल पूछा, लोकसभा चुनाव में महायुति को 2.48 करोड़ वोट मिले, जो 43.55 फीसदी है। एमवीए को 2.5 करोड़ वोट मिले, जो 43.71 प्रतिशत था। फिर भी विपक्ष को 31 सीटें और महायुति को 17 सीटें मिलीं। क्या हमनें कहा कि ईवीएम घोटाला हुआ है? उन्होंने आगे कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के बारे में भ्रम पैदा करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। शिवसेना नेता ने कहा, लोगों ने हमें हमारे काम के लिए फिर से चुना। रोना बंद करें और सच को स्वीकार करें। उन्होंने सवाल उठाया कि विपक्षी दलों के जिन सदस्यों ने ईवीएम मुद्दे के विरोध में शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया था, उन्होंने रविवार को विधायक के रूप में शपथ कैसे ली। उन्होंने पूछा, क्या इसका मतलब यह है कि वपक्ष ने इस मुद्दे को छोड़ दिया?

शिंदे ने बताया कि विपक्ष ने झारखंड में विधानसभा चुनाव और महाराष्ट्र के नांदेड़ और केरल के वायनाड लोकसभा सीटों पर उपचुनाव में जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि न तो कोई गैर कानूनी काम होगा और न ही किसी के साथ अन्याय होगा। सरकार संविधान के अनुसार काम करती है। बता दें कि वोटों को लेकर शिंदे का बयान राकांपा-एसपी प्रमुख शरद पवार के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों को मिले वोटों और जीती गई सीटों के बीच तुलना आश्चर्यजनक थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एक वरिष्ठ नेता होने के नाते शरद पवार को देश को गुमराह नहीं करना चाहिए।

पुलिस की मुस्तैदी से फेल हुआ किसानों का दिल्ली कूच

पंढेर बोले, मीटिंग के बाद बताएंगे आगे का प्लान

शंभू बॉर्डर (हरियाणा), 08 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब से आए किसानों ने रविवार को भी शंभू बॉर्डर पर खूब हंगामा किया। हरियाणा पुलिस ने किसानों पर फूल बरसाए लेकिन उसका जवाब ने पत्थर से दिया दिया। पुलिस ने जब उन 101 किसानों की पहचान चेक करने की कोशिश की, जिनकी दिल्ली जाने के लिए लिस्ट दी गई थी, तो इस पर भी बवाल हुआ। पुलिस ने हंगामा कर रहे किसानों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले चलाए। किसानों ने रविवार का जत्था वापस ले लिया।

हरियाणा पुलिस के अनुसार, जिन 101 किसानों की लिस्ट उन्हें सौंपी गई थी, वह उन किसानों से मेल नहीं खा रही थी जो दिल्ली जा रहे थे। पुलिस ने उनकी पहचान किए गए बगैर आगे जाने की अनुमति देने से मना कर दिया। पुलिस ने यह भी कहा कि इन किसानों को दिल्ली जाने की अनुमति नहीं दी गई है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि किसान किसी भी त्याग के लिए तैयार हैं और वह पुलिस से सहयोग करेंगे। सरवन सिंह पंढेर ने बताया कि उनकी समस्याओं का हल पीएम मोदी के पास ही है। हरियाणा पुलिस ने इस बवाल के चालू होने से पहले किसानों के ऊपर फूल बरसाए।

हरियाणा पुलिस के एक जवान ने बताया कि उन्होंने किसानों पर फूल बरसाए लेकिन जवाब में उनके ऊपर पत्थर मारे गए और जालियाँ तोड़ने की कोशिश हुई। पुलिसकर्मी ने बताया कि उन्होंने किसानों को समझाने की कोशिश की लेकिन वह

नहीं माने, उन्होंने अपनी आईडी और परमिशन भी नहीं चेक करवाई। पुलिसकर्मी ने बताया कि जब पुलिस पर हमला हुआ तब उन्होंने हल्का बल प्रयोग किया। पुलिसकर्मी ने कहा कि वह लगातार किसानों से विनती करते रहे लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए लगाई गई जाली पर भी हमला हुआ। काफी देर तक चले हंगामे के बीच रविवार का जत्था वापस हो गया।

सरवन सिंह पंढेर ने दावा किया कि रविवार को हवा किसान जिस दिशा में हैं, उस तरफ बह रही है, इसलिए पुलिस अधिक आंसू गैस के गोले छोड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि रविवार को पुलिसिया कार्रवाई के चलते एक 8 किसान घायल हुए हैं। सरवन सिंह पंढेर ने कहा है कि अब दोबारा बातचीत करके रणनीति तैयार की जाएगी।

गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से लगातार किसान फिर से दिल्ली जाने का प्रयास कर रहे हैं। इस बार किसानों ने कहा है कि वह पैदल ही दिल्ली की तरफ जाना चाहते हैं। वहीं हरियाणा पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पंजाब और हरियाणा के बॉर्डर पर ही बैरीकेडिंग लगा दी है और रास्ता रोक दिया है। बीते लगभग एक वर्ष से यही स्थिति बनी हुई है।

उपद्रवियों ने किया हिंदुओं पर हमला इलाका छोड़ने की धमकी दी

नवसारी (गुजरात), 08 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के नवसारी जिले में मुस्लिम भीड़ ने हिंदुओं पर हमला कर दिया। मुस्लिम भीड़ के निशाने पर हिंदू महिलाएं रहीं। महिलाओं को पीटा गया और उनके साथ छेड़खानी की गई। मुस्लिमों ने हिंदुओं का नरसंहार करने की धमकी दी। यह घटना शनिवार को टाउन पुलिस स्टेशन में पड़ने वाले दरगाह रोड पर हुई।

पीड़ित चंदन राठौर ने बताया कि शनिवार रात 100-150 की तादाद में मुस्लिमों की जमात इकट्ठा हो गई, उनके हाथों में लाठी-डंडे और अन्य हथियार थे। पहुंचते ही उपद्रवियों ने हिंदुओं को ललकारना शुरू कर दिया और इलाका छोड़ कर चले जाने की धमकियां देने लगे। हमलावरों ने वहां मौजूद हिंदू महिलाओं को मारपीटा और उनके साथ अश्लील हरकतें की। उनको नंगा कर के मारने जैसी बातें कहीं। जब पीड़ित परिवारों ने हमलावरों को रोकने की कोशिश की तो उनको गंदी-गंदी गालियां और जान से मार डालने की धमकी दी गईं। हमलावरों ने कहा, काफिरों यहां से भाग जाओ। यह हमारा इलाका है। अभी तो सिर्फ शुरुआत है।

इस घटना के बारे में पीड़ितों ने टाउन पुलिस क्षेत्र में घटना की शिकायत दी है। शिकायत में शाहनवाज भंडारी नामक शख्स को हिंसा मास्टरमाइंड बताया गया है।

इसके अलावा एजाज शेख, शोएब, सूफियान, सलीम और रफीक बेट का भी जिक्र है। 150 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। लोगों ने बताया कि दरगाह रोड इलाका मुस्लिम बाहुल्य है। यहां एक दरगाह है जिसके बगल ही एक हिंदू मंदिर भी बना हुआ है। आरोप है कि पिछले 3 वर्षों से मुस्लिम कट्टरपंथी उन्हें त्यौहार तक नहीं मनाने दे रहे। गणेशोत्सव के दौरान मुस्लिम भीड़ ने जबरन पंडाल में घुस कर भजन-कीर्तन बंद करवाया था। यहां पर होने वाले धार्मिक आयोजनों में आने वाली हिंदू महिलाओं के साथ छेड़खानी की जाती है।

इस इलाके में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान द्वार सजाए गए थे, इस पर मुस्लिमों ने विरोध किया था। चंदन राठौर के अलावा कई अन्य महिलाओं ने भी अपने वीडियो साझा किए हैं। एक महिला ने कहा, क्या हिंदू होना गुनाह है? वो गला काटने और हमें यहां से भगा देने की धमकी देते हैं। अब बांग्लादेश जैसा हाल भारत में भी होने लगा है। हिंदुओं को हिंदुस्तान में रहने का क्या अब अधिकार नहीं है? एक अन्य पीड़िता ने बताया कि मुस्लिम भीड़ ने उनके सीने पर हाथ लगाया।

राहुल नार्वेकर ने भरा महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के लिए नामांकन

मुंबई, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) पद के लिए भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर ने रविवार को अपना नामांकन दाखिल किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार की मौजूदगी में उन्होंने अपना नामांकन भरा। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, चंद्रकांत पाटिल और अन्य नेता भी मौजूद थे।

महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की तरफ से इस पद के लिए अभी तक किसी भी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की गई है। स्पीकर पद के लिए चुनाव कल नौ दिसंबर को दोपहर को होगा। महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के सदस्यों ने रविवार को नवगठित विधानसभा में विधायक के तौर पर शपथ ली। उन्होंने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में ईवीएम के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए विधानसभा के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन (शनिवार को) शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार किया था। कांग्रेस नेता नाना पटोले, विजय वडेट्टीवार और अमित देशमुख, राकांपा-एसपी के अमित देशमुख और शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे समेत कुछ विधायकों ने आज सदन की कार्यवाही के शुरू होने के तुरंत बाद शपथ ली।

उधमपुर में दो पुलिसकर्मियों की गोली लगने से मौत

जम्मू, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में दो पुलिसकर्मियों के शव मिले हैं। दोनों को गोली लगी थी। एक पुलिसकर्मी घायल है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6.30 बजे उधमपुर जिला मुख्यालय में काली माता मंदिर के बाहर पुलिस वैन के अंदर पुलिसकर्मियों के गोलियों से छलनी शव पड़े मिले। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस का एक दल घटनास्थल पर पहुंचा और शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पुलिसकर्मियों की मौत एक-दूसरे पर गोली चलाने के बाद हुई। घटना के पीछे आपसी झगड़े का संदेह है।

एसएसपी उधमपुर आमोद नागपुरे ने कहा कि उधमपुर जिले के रहमबल इलाके में आपसी झगड़े और आत्महत्या की घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिसकर्मी विभाग के वाहन में सवार होकर एसटीसी तलवारा की ओर सोपोर जा रहे थे और गोलीबारी में गोली लगने से घायल हो गए। घटना के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

एसएसपी उधमपुर आमोद नागपुरे ने कहा, घटना सुबह 6.30 बजे हुई।

पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, यह साबित हो गया है कि घटना में एके-47 राइफल का इस्तेमाल किया गया था। दो पुलिस कर्मियों की मौत हो गई है। तीसरा पुलिस कर्मी सुरक्षित है। उन्हें पोस्टमॉर्टम और अन्य प्रक्रियाओं के लिए जीएमसी उधमपुर ले जाया जाएगा।

टेक्सटाइल्स पर प्रस्तावित जीएसटी वृद्धि से कश्मीर शॉल उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा: बुखारी

श्रीनगर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने रविवार को टेक्सटाइल्स पर प्रस्तावित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में 28 प्रतिशत तक की वृद्धि पर चिंता व्यक्त की और कहा कि इससे कश्मीरी शॉल के पारंपरिक उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

श्री बुखारी ने आज यहां एक बयान में कहा, 'इस भारी वृद्धि से कश्मीरी शॉल, क्रूएल और अन्य पारंपरिक वस्त्रों के पारंपरिक उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।'

मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने अपनी हालिया बैठक में वस्त्रों पर जीएसटी में वृद्धि का प्रस्ताव रखा था और 21 दिसंबर को होने वाली परिषद की 55वीं बैठक के दौरान इस पर विचार किया जाना है।

उन्होंने कहा, 'यदि वस्त्रों पर 28 प्रतिशत तक की प्रस्तावित जीएसटी वृद्धि लागू की जाती है तो इससे गरीब कारीगरों, खासकर कश्मीर घाटी में शॉल, क्रूवेल और अन्य पारंपरिक वस्त्रों की बुनाई करने वाले कारीगरों की आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा।

उन्होंने केंद्र सरकार से कारीगर समुदाय के व्यापक हित में इस प्रस्ताव को मंजूरी न देने का आग्रह किया। श्री बुखारी ने दावा किया कि उन्हें कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) से एक ज्ञापन मिला है जिसमें उनसे केंद्र सरकार के समक्ष इस मामले को उठाने का आग्रह किया गया है।केसीसीआई ने अपने ज्ञापन में कहा कि जीओएम ने वस्त्रों पर जीएसटी दर में उल्लेखनीय वृद्धि का प्रस्ताव दिया है और 1,500 रुपये से 10,000 रुपये के बीच की कीमत वाली वस्तुओं पर 18 प्रतिशत

कर लगाया जाएगा जबकि 10,000 रुपये से अधिक कीमत वाले वस्त्र 28 प्रतिशत के उच्चतम जीएसटी स्लैब के अंतर्गत आएंगे।

केसीसीआई ने कहा है कि इस बढ़ोतरी से न केवल वित्तीय बोझ बढ़ेगा बल्कि पहले से ही कमजोर आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र को भी भारी नुकसान पहुंचेगा।

प्रतिष्ठित व्यापारिक संगठन ने कहा कि कश्मीर के पारंपरिक कपड़ा उत्पाद 2.5 लाख से अधिक कारीगरों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करते हैं जिनमें से कई महिलाएं और समुदायों के लोग हैं।

केसीसीआई ने कहा है, 'अगर जीएसटी दर में वृद्धि की जाती है तो उत्पाद की कीमत में होने वाली वृद्धि से ये सामान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के उपभोक्ताओं के एक बड़े वर्ग के लिए अप्राप्य हो जाएंगे' और 'इससे मांग में भारी कमी आएगी, जिसका सीधा असर उत्पादन और बिक्री पर पड़ेगा।'

केसीसीआई के ज्ञापन में लिखा है, 'उद्योग में आने वाली मंदी कई कारीगरों को बेरोजगारी में धकेल देगी जिससे इस क्षेत्र को बढ़ावा देने और बनाए रखने के वर्षों के प्रयास कमजोर पड़ जाएंगे।'

भारत का वास्तविक स्वरूप देखने के लिए ज्ञानेंद्रियां खोलने की आवश्यकता: धनखड़

नयी दिल्ली, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि आधुनिक भारत का वास्तविक स्वरूप देखने के लिए कुछ लोगों को अपने ज्ञानेंद्रियां खोलने की आवश्यकता है।

श्री धनखड़ ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया भर के निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भारत की आर्थिक प्रगति का सकारात्मक आकलन कर रही है और इसे आकर्षक स्थान बता रही हैं।

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहे।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने दस वर्ष में असाधारण समय देखा है। अकल्पनीय आर्थिक प्रगति और अविश्वसनीय संस्थागत ढाँचा भारत को मिल रहा है।

भारत की आवाज बुलंदी पर है। उन्होंने कहा,दुनिया की हम महाशक्ति तो हैं ही पर हमने एक रास्ता चुन लिया है, वह रास्ता चुन लिया है। वह वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना का है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत अब सपना नहीं है। विकसित भारत हमारे सामने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्ति में गीता का ज्ञान ध्यान रखना पड़ेगा।

श्री धनखड़ ने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार 700 डालर तक पहुँच गया है। पिछले दो साल में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या दो करोड़ से ज्यादा है। उन्होंने कहा,आज भी भारत में कुछ अज्ञानी हैं। जिनको भारत के वास्तविक स्वरूप का नहीं पता है। उनको अपनी ज्ञानेंद्रियां खोलनी चाहिए, उनको देखना चाहिए कि आज का भारत वह भारत है जिसकी प्रशंसा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे संस्थान उसकी प्रशंसा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में लगातार निवेश बढ़ रहा है और नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मोबाइल टेक्नोलॉजी की सफलता से दुनिया दंग रह गई है। कहते थे भारत के अंदर लोग शिक्षित नहीं है। आज के दिन जो आदमी कम शिक्षित व्यक्ति मोबाइल का उपयोग शिक्षित से ज़्यादा करता है। और यही कारण है, कि यदि अगर पर वक्त के हिसाब से इंटरनेट का उपभोग देखें तो हम चीन और जापान से भी आगे हैं। आज के दिन, हमारा लेन देन, पारदर्शिता से हो रहा है, बिजली के बिल के लिए लाइन की दरकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज सार्थक संवाद की आवश्यकता है। मतभेद विवाद नहीं बनना चाहिए। मतभेद होंगे, लोगों का दिमाग अलग-अलग तरीके से चलेगा। उन्होंने कहा,मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे संसद सदस्य, हमारे विधानसभा के सदस्य, पंचायत और नगर पालिका में हमारे जनप्रतिनिधि और आपस में हर व्यक्ति, हर संस्था में यह ध्यान रखेगा संवाद सार्थक हो, संवाद का नतीजा व्यक्तिगत हित में नहीं है, समाज हित में होना चाहिए, देश हित में होना चाहिए। कोई भी हित समाज और राष्ट्रीय से बड़ा नहीं है और राष्ट्रीय ही सर्वोपरि है।

उन्होंने कहा कि आज के दिन देश के सामने कुछ ऐसे संकट आ रहे हैं।

कुछ ताकतें हैं देश में और विदेश में वे संगठित रूप से धन बल के आधार पर नैरेटिव बढ़ा कर यंत्र तंत्र का उपयोग कर भारत को चोट पहुंचाना चाहते हैं, हमारी अर्थव्यवस्था को चोट करना चाहते हैं, हमारी संस्थाओं को निष्क्रिय करना चाहते हैं। अब ऐसी ताकतों को नजरंदाज़ नहीं किया जा सकता।

महाकुंभ-2025 : महाकुंभ में होगा 12 ज्योतिर्लिंगों और नेपाल के शिवालय का दर्शन

प्रयागराज, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के नैनी स्थित अरैल तट पर महाकुंभ 2025 की भव्यता और आध्यात्मिकता को और अधिक समृद्ध करने के लिए शिवालय पार्क का निर्माण हो रहा है। 14 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहा यह पार्क 11 एकड़ में फैला है और भारतीय संस्कृति, मंदिरों की महिमा और पुराणों की दिव्यता को दर्शाने वाला अनूठा स्थल बनने जा रहा है। शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्माणाधीन शिवालय पार्क का निरीक्षण किया और कार्यों को तय समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। यह स्थल न केवल कला और संस्कृति का केंद्र होगा, बल्कि प्रकृति और मनोरंजन का भी संगम पेश करेगा।

शिवालय पार्क को भारत के मानचित्र के आकार में डिजाइन किया गया है। इसमें देशभर के प्रसिद्ध मंदिरों के प्रतिरूप उनके वास्तविक स्थानों के अनुसार बनाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य आगंतुकों को एक ही स्थान पर तीर्थ यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। इन मंदिरों में 12 ज्योतिर्लिंग के साथ-साथ भारत और नेपाल के अन्य प्रमुख शिवालय शामिल होंगे। प्रमुख मंदिरों के प्रतिरूपों में

सोमनाथ मंदिर (गिर सोमनाथ, गुजरात), मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर (श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश), महाकालेश्वर मंदिर (उज्जैन, मध्य प्रदेश), ओंकारेश्वर मंदिर (खंडवा, मध्य प्रदेश), बैद्यनाथ मंदिर (देवघर, झारखंड), भीमाशंकर मंदिर (महाराष्ट्र), रामनाथस्वामी मंदिर (रामेश्वरम, तमिलनाडु), नागेश्वर मंदिर (द्वारका, गुजरात), काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी, उत्तर प्रदेश), त्र्यंबकेश्वर मंदिर (नासिक, महाराष्ट्र), केदारनाथ मंदिर (उत्तराखंड), घृष्णेश्वर मंदिर (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) शामिल हैं। अन्य प्रमुख मंदिरों में बैजनाथ (हिमाचल प्रदेश), पशुपतिनाथ (नेपाल), लिंगराज (ओड़ीशा), वीरभद्र (आंध्र प्रदेश), और महाबलीपुरम का शोर मंदिर (तमिलनाडु) शामिल है।

पार्क के निर्माण में वेस्ट मटीरियल का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो इसे पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। यह विशेषता इसे एक उदाहरणात्मक परियोजना बनाती है। पार्क का निर्माण कार्य जेड टेक इंडिया लिमिटेड के तहत हो रहा है, जो इसे अगले तीन साल तक मेंटेन भी करेगी। शिवालय पार्क में बच्चों के लिए एक विशेष ज़ोन बनाया जा रहा है, जहां वे खेलकूद और अन्य गतिविधियों का आनंद ले सकें। इसके अलावा, पार्क में तुलसी वन और संजीवनी वन भी बनाए जा रहे हैं, जो पर्यावरण और आध्यात्मिकता का प्रतीक हैं। परिवारों के लिए फूड कोर्ट और रेस्त्रां की भी व्यवस्था की जा रही है, जहां आगंतुक स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकते हैं।

महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए शिवालय पार्क को खास तौर पर तैयार किया जा रहा है। यह न केवल आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि भारतीय संस्कृति और वास्तुकला की भव्यता का भी परिचय कराएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को इसे निर्धारित समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने पार्क की अनूठी अवधारणा की सराहना की और इसे महाकुंभ के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बताया। शिवालय पार्क महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए एक विशेष आकर्षण होगा। यहां आने वाले लोग भारतीय मंदिरों की भव्यता और आस्था का अनुभव कर सकेंगे। यह पार्क न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रयागराज को एक नई पहचान भी देगा।

शिवालय पार्क न केवल महाकुंभ की आस्था का प्रतीक है, बल्कि भारतीय संस्कृति, कला और प्रकृति का अद्वितीय संगम भी है। यह स्थल देशभर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आध्यात्मिकता और मनोरंजन का अनूठा अनुभव लेकर आएगा। प्रयागराज के अरैल तट पर बन रहा यह पार्क भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को समर्पित एक शानदार पहल है। प्रयागराज में 2024 के महाकुंभ की तैयारी जोर-शोर से चल रही है।

यह अद्भुत आयोजन न केवल श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक अनुभव का केंद्र होगा, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर को भी समर्पित किया जाएगा। अगले वर्ष 13 जनवरी से शुरू होने वाले इस महाकुंभ में, देश के प्रमुख कलाकार कुंभ की गाथा को जीवित करेंगे और रामलीला तथा महाभारत जैसे महान महाकाव्यों का मंचन भी किया जाएगा। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन प्रस्तुतियों का उद्देश्य श्रद्धालुओं को न केवल धार्मिक आस्था से जोड़ना है, बल्कि भारत की संस्कृति और इतिहास से भी परिचित कराना है।

धर्मोपदेशक देवकीनंदन ठाकुर ने उठाया सवाल

यूपी कॉलेज वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति नहीं, तो वहां मजार क्यों?

वाराणसी, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का इन दिनों काशी के संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में कथा चल रही थी। वहां यूपी कॉलेज के छात्रों ने उनका अभिवादन किया। छात्रों ने अथक प्रयास करके वक्फ बोर्ड के नोटिस को वापस भेजवा दिया। पहले वक्फ बोर्ड ने नोटिस भेजा और देखा जब मामला बढ़ने लगा तो नोटिस वापस ले लिया।

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि जब नोटिस वापस हो गया तो वहां पर मजार क्या कर रही है? नोटिस चल गया तो चल गया। कुरान में लिखा कि किसी की जमीन जबरदस्ती कब्जे में लेकर नमाज पढ़ा जाता है तो नमाज कभी स्वीकार नहीं होती। नोटिस वापस हो गया यानि जगह वक्फ बोर्ड की नहीं है। 115 सालों से वहां कॉलेज है। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि वक्फ बोर्ड ने जब कह दिया हमारी जमीन नहीं है। अब प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वहां से उसको उठाकर उन्हीं की किसी जमीन पर पहुंचा दे। स्कूल और कॉलेज पढ़ने की जगह होती है। छात्रों को वहां पढ़ने दिया जाए। प्रशासन को इसकी उचित व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने यहां तक कहा कि व्यास पीठ का आशीर्वाद छात्रों के साथ है। देश का युवा अब जागा हुआ है। देश का कल्याण अवश्य होगा। सनातन को जीवंत रखना होगा।

मुसलमान अपने नाम के साथ जोड़ रहे हिंदू टाइटल

करते हैं गाय और भगवान श्रीराम की पूजा

जौनपुर, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के डेगरी गांव में कुछ मुस्लिम परिवारों ने अपने नाम के साथ हिंदू टाइटल जोड़ने की शुरुआत की है। इस गांव के मुसलमानों का कहना है कि उनके पूर्वज ब्राह्मण थे और उन्होंने अपनी विरासत और सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के लिए अपने नामों में बदलाव किया है।

गांव के कुछ मुस्लिम व्यक्तियों ने अपने नाम के साथ हिंदू टाइटल जोड़ने का निर्णय लिया है। एक व्यक्ति ने अपना नाम मोहम्मद आजम दुबे और दूसरे ने नौशाद अहमद पांडे रख लिया है। इन बदलावों के पीछे इन व्यक्तियों का कहना है कि उनका उद्देश्य अपने पूर्वजों के नामों और परंपराओं को सम्मानित करना है। वे मानते हैं कि उनके पूर्वजों का संबंध ब्राह्मण परिवार से था और उनका नामकरण ब्राह्मणों के रीति-रिवाजों के अनुसार किया गया था। इस गांव के लोग न केवल अपने नामों के माध्यम से अपने पूर्वजों को याद कर रहे हैं बल्कि वे भगवान श्री राम की पूजा भी करते हैं और गौ माता की सेवा भी करते हैं। हालांकि, इस गांव के हर मुस्लिम परिवार में ऐसा नहीं हो रहा है। कई परिवारों के सदस्य अपने पारंपरिक मुस्लिम नामों को बनाए रखे हुए हैं। लेकिन कुछ लोग हिंदू टाइटल का उपयोग कर रहे हैं। इस पहल को लेकर कुछ लोगों का मानना है कि यह उनकी सामूहिक पहचान और संस्कृति से जुड़ने का एक तरीका है।

संभल दंगा : 400 दंगाइयों की तस्वीरों में सौ से अधिक की हुई पहचान

संभल, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल बवाल के आरोपियों की तलाश में पुलिस की 10 टीमें छह राज्यों में ताबड़तोड़ दबिश दे रही हैं। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस की यह कार्रवाई प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और मध्यप्रदेश में चल रही है। उपद्रवियों के पकड़े जाने के बाद ही संभल में बवाल वाली जगह से बरामद हुए पाकिस्तान और अमेरिका में निर्मित कारतूसों के तस्करों की जानकारी मिल सकेगी।

24 नवंबर की सुबह संभल में जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इस दौरान पथराव और फायरिंग में पांच लोगों की मौत हो गई थी। मामले में अब तक तीन महिला समेत 35 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस ने फुटेज की मदद से अब तक 400 लोगों के फोटो जारी किए हैं, जिन्होंने पुलिस-प्रशासन के लोगों पर पथराव किया था। इसमें से 100 से ज्यादा आरोपियों की पहचान हो चुकी है। इन आरोपियों की

तलाश में पुलिस उनके घरों पर दबिश दे रही है लेकिन अधिकांश घरों पर ताले लटके हैं। जिन घरों में ताले नहीं लगे हैं वहां केवल महिलाएं या बच्चे मौजूद हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 10 टीमें लगाई गई हैं। यह टीमें चिह्नित किए गए 100 आरोपियों की तलाश में उनके परिचतों, रिश्तेदारों के घरों पर प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही दूसरे राज्यों में भी दबिश दे रही हैं।

कुछ लोग बाहर रोजगार भी करते हैं, इसलिए पुलिस टीमें उनके काम करने की जगह पर भी छापा मार रही हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। संभल बवाल वाले क्षेत्र में पुलिस को पाकिस्तान, अमेरिका में निर्मित कारतूस और खोखे मिले हैं। बवाल के दौरान इन कारतूसों का भी इस्तेमाल किया गया था। बरामद किए गए कारतूसों को पुलिस ने जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा है। इसके अलावा पुलिस ऐसे तस्करों की भी तलाश में जुटी है, जो अवैध हथियार और कारतूसों की तस्करी करते हैं।

संभल बवाल में शामिल रहे बवाली बहुत शातिर हैं। इस घटना के बाद फरार हुए और तब से मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया है। पुलिस तमाम आरोपियों के फोन ट्रैक कर रही है लेकिन उनकी लोकेशन नहीं मिल पा रही है। आरोपी जानते हैं कि अगर मोबाइल इस्तेमाल किया तो वह पकड़े जा सकते हैं। इन आरोपियों के परिजन भी पुलिस को कुछ नहीं बता पा रहे हैं। संभल में शांति स्थापित होने के बाद अब धीरे-धीरे बवाल से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पुलिस इन वीडियो के जरिये आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। इसके अलावा कुछ टीमें शहर के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी हैं। आरोपी जिस रास्ते से आए और जिस रास्ते से भागे, उन सभी जगह के कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पुलिस सभी वीडियो की बारीकी से जांच कर रही है। डीआईजी मुनिराज जी ने कहा, संभल में अब पूरी तरह से शांति है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। पुलिस टीमें जगह-जगह दबिश दे रही हैं। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर संभल में बवाल करने और कराने वालों के चेहरे बेनकाब हो जाएंगे। बरामद विदेशी कारतूसों के बारे में विस्तार से जानकारी जुटाई जा रही है।

महाकुंभ-2025: श्रद्धालुओं के इलाज में भाषा नहीं बनेगी बाधा

एआई ट्रांसलेटर का किया जाएगा इस्तेमाल

प्रयागराज, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ में देश-दुनिया के श्रद्धालु संगमनगरी में जुटेंगे। इस दौरान बाहरी राज्यों या विदेश से आए श्रद्धालु बीमार पड़ते हैं तो भाषा की दिक्कत से उनका इलाज नहीं रुकेगा। वह एआई ट्रांसलेटर एप की मदद से डॉक्टर को अपनी भाषा में बीमारी के बारे में बता सकेंगे।

एप उनकी बोली गई भाषा को हिंदी या अंग्रेजी में बदलेगा। देश में पहली बार छावनी सामान्य अस्पताल के आईसीयू वार्ड में इसका इस्तेमाल होगा। एआई ट्रांसलेटर एप में देश की 22 और विदेश की 19 भाषाएं हैं। जिनको एप हिंदी या अंग्रेजी में बदलेगा। इस एप में तमिल, तेलगु, मलयालम, बंगाली सहित अन्य राज्यों की भाषाएं हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में अंग्रेजी, अरबी, फ्रेंच समेत 19 भाषाएं हैं। देश-विदेश से आए मरीजों को इलाज में सहूलियत देने के लिए कैंटोनमेंट बोर्ड के छावनी अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों के फोन में एप को इंस्टॉल कराया जाएगा।

महाकुंभ को देखते हुए मेला क्षेत्र में पहली बार 30 बेड के आईसीयू की व्यवस्था भी की गई है। इसमें सेंट्रल हॉस्पिटल व अरैल के सब हॉस्पिटल में 10-10 बेड की व्यवस्था की गई है। वहीं, झूंसी के सब हॉस्पिटल में 10 बेड आईसीयू की सुविधा रायबरेली एम्स देगा। जबकि छावनी सामान्य अस्पताल अपने 20 आईसीयू बेड में एआई ट्रांसलेटर की सुविधा देगा।

इसमें मरीजों के बेड के बगल में माइक लगा होगा। वह अपनी भाषा में डॉक्टर से संवाद कर सकेंगे और चिकित्सक जो भी बोलेंगे वह मरीज को उनकी भाषा में समझ आएगा। कैंटोनमेंट बोर्ड का दावा है कि अभी तक इस पद्धति का इस्तेमाल देश के किसी हॉस्पिटल में नहीं किया गया है।

छावनी सामान्य अस्पताल एआई कैमरों से लैस होंगे। इन कैमरों के जरिए लखनऊ के वरिष्ठ चिकित्सक मरीजों पर निगरानी रखेंगे। एआई कैमरों की मदद से मरीजों की तबीयत बिगड़ने की सूचना स्वत: ही डॉक्टर के पास पहुंच जाएगी। छावनी अस्पताल के निदेशक एसके पांडेय ने कहा, महाकुंभ को देखते हुए मरीजों के इलाज में एआई ट्रांसलेटर एप का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह प्रयोग देश के किसी अस्पताल में पहली बार हो रहा है।

यूपी में बिजली का निजीकरण : विरोध में लामबंद हुए प्रदेश के कई संगठन

27 श्रम संघों और शिक्षकों का भी मिला साथ

लखनऊ , 08 दिसंबर (एजेंसियां)। पावर कॉर्पोरेशन की ओर से दक्षिणांचल एवं पूर्वांचल के निजीकरण के विरोध में ऊर्जा संगठनों के साथ ही अन्य कर्मचारी संगठन भी लामबंद होने लगे हैं। रविवार को 27 श्रम संघों, राज्य कर्मचारी संगठनों एवं शिक्षक संगठनों ने निजीकरण के विरोध में उतरने का एलान किया है। इन संगठनों ने संयुक्त रूप से सीएम योगी आदित्यनाथ से निजीकरण प्रस्ताव निरस्त करने की मांग की है।

लखनऊ के प्रेस क्लब में इन संगठनों की संयुक्त बैठक हुई। इसमें निजीकरण से होने वाले नुकसान पर चर्चा हुई। ऊर्जा संगठनों ने अन्य संगठनों को बताया कि मुंबई जैसे शहर में जहां बिजली के क्षेत्र में दो बड़ी निजी कंपनियां है वहां घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली की दरें 17 से 18 रुपए प्रति यूनिट है। यूपी में अधिकतम दर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 6.50 रुपये प्रति यूनिट है। इससे सिर्फ कर्मचारी ही नहीं बल्कि, सभी उपभोक्ताओं को नुकसान होगा।

संयुक्त प्रेस वार्ता में कर्मचारी संगठनों ने एलान किया कि वे निजीकरण के खिलाफ होने वाले आंदोलन में साथ रहेंगे। प्रदेश के 42 जिलों में निजीकरण थोपना किसी भी तरह से जनहित में नहीं है। इस दौरान आशीष यादव, जेएन तिवारी, कमल अग्रवाल, सतीश पांडेय एवं रामकुमार धानुक, एसपी तिवारी, रामराज दुबे, सुशील कुमार त्रिपाठी, पवन कुमार, कमलेश मिश्रा सहित सभी संगठनों के अध्यक्ष एवं महासचिव मौजूद रहे।

पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन की कोर कमेटी की रविवार को हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि दोनों निगमों को पीपीपी मॉडल में देने को लेकर 10 दिसंबर को कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जा सकता है। ऐसे में दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंता काली पट्टी बांधकर करेंगे। नियमित काम विद्युत आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा में असर नहीं पड़ने देंगे। अगले दिन 11 दिसंबर को पूरे प्रदेश के दलित व पिछड़े वर्ग के अभियंता एक दिन का उपवास रखते हुए नियमित कार्य करेंगे। उपवास के दिन शाम 5 बजे के बाद बाबा साहब की प्रतिमा या फोटो के सामने बैठकर शपथ लेंगे कि आरक्षण बचाने के लिए हर कुर्बानी देंगे।

गाजियाबाद अवैध मस्जिद पर बवाल

मौलवी के पास कागज नहीं, नमाज पर लगी रोक

गाजियाबाद, 08 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र की वैशाली कॉलोनी में अवैध रूप से निर्मित मस्जिद और डिस्पेंसरी के खिलाफ सिंचाई विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। यह मुद्दा तब प्रकाश में आया जब सोशल मीडिया पर अवैध निर्माण की शिकायतें सामने आईं। इसके बाद, प्रशासन ने इस मामले की गहन जांच कर कार्रवाई शुरू की।

सोशल मीडिया पर अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों द्वारा शिकायतें की गईं। इन शिकायतों के आधार पर, सिंचाई विभाग ने स्थानीय पुलिस से रिपोर्ट मांगी। पुलिस की जांच में मस्जिद और डिस्पेंसरी का निर्माण अवैध पाया गया। इसके बाद, सिंचाई विभाग ने मस्जिद प्रबंधन को नोटिस जारी करते हुए निर्माण हटाने का निर्देश दिया।

मस्जिद के प्रबंधक के. हसन ने बताया कि 2007 में उन्होंने अधिकारियों से मौखिक अनुमति ली थी। हालांकि, लिखित में

किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं मिली। उनका कहना है कि हाईटेंशन लाइन के नीचे नमाज अदा करने की मौखिक सहमति दी गई थी। प्रबंधक ने यह भी दावा किया कि उन्होंने जिला प्रशासन, नगर निगम, और अन्य सरकारी अधिकारियों से इस मामले में बात की थी। उन्होंने क्षेत्र में अन्य स्थान पर भूमि उपलब्ध कराने की अपील की, ताकि मस्जिद का निर्माण कानूनी रूप से हो सके।

मुस्लिम धर्मगुरु हाजी खालिद ने इस विवाद पर कहा कि अवैध रूप से कब्जाई गई जमीन पर मस्जिद बनाना गलत है और ऐसी जगह पर नमाज नहीं पढ़ी जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मस्जिदें केवल वैध और खरीदी गई भूमि पर ही बनाई जानी चाहिए। सिंचाई विभाग ने मस्जिद के साथ ही क्षेत्र में बनी अन्य संरचनाओं, जैसे एक गौशाला और एक मंदिर को भी नोटिस जारी किया है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण हटाने के लिए दिवाली के बाद का समय दिया गया था। वर्तमान में, प्रशासन ने नमाज और अन्य धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

संपादकीय

फडणवीस सत्ताधीश

आखिरकार अनिश्चय व अटकलों पर विराम लगाते हुए गुरुवार को भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया। फिर भी उनके समर्थक आस लगा रहे थे कि बिहार की तर्ज पर भाजपा फैसला लेगी, जिसमें भाजपा द्वारा ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन कुछ इंतजार के बाद भाजपा ने एकनाथ शिंदे को बता दिया कि सरकार के नाथ फडणवीस ही होंगे। जाहिर है भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल अच्छा माना जाता है। राज्य के लोग उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हैं। हालांकि, फडणवीस जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके पास राज्य में प्रशासन चलाने का अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने बखूबी सरकार चलायी। मगर पिछली बार भी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उद्धव ठाकरे की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते वे मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए। बल्कि कालांतर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद संभालना पड़ा। लेकिन उन्होंने भाजपा आलाकमान के फैसले को सहजता से स्वीकार किया। जिसका लाभ उन्हें इस बार मिला, जब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्राकृतिक रूप से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना। उनकी सफलता के पीछे पहले कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य भी रहे हैं। जिसमें किसानों के जल संकट को दूर करने वाली जलयुक्त शिविर योजना, मुंबई-नागपुर को जोड़ने वाली पचपन हजार करोड़ की एक्सप्रेस परियोजना व मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से भाजपा के जनाधार को बढ़ाने वाला बताया जाता है। लेकिन आज राज्य की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रही। राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं हैं। बेरोजगारी बड़ी समस्या है। पूंजीगत खर्चों में कमी आई है तो राजस्व भी घटा है। वहीं आने वाले दिनों में मराठा आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ सकता है। हालिया विधानसभा चुनाव में जमीन खिसकने से आहत मराठा क्षत्रप इस मुहिम को हवा दे सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को फिक्र है कि कहीं उनके हिस्से का आरक्षण मराठाओं को न दे दिया जाए। महायुति गठबंधन ने मराठा आंदोलनकारियों को राहत देने का आश्वासन दिया है। उम्मीद है कि फडणवीस सरकार में शामिल दो मराठा क्षत्रप शिंदे व पवार संकटमोचक की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे इस मुद्दे पर अदालत की भी बड़ी भूमिका होगी। फडणवीस सरकार के सामने चुनौती होगी कि हालिया विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर बतायी जा रही 'लाडकी बहिना' योजना के तहत बढ़ाकर दी जाने वाली बड़ी धनराशि के लिये वित्तीय संसाधन सरकार कैसे जुटाती है। चुनावी वायदे के अनुसार लक्षित महिला समूह को अब पंद्रह सौ के बजाय 2100 रुपये की राशि दी जानी है। वह भी तब जब राज्य के वित्तीय संसाधन सिमटे हैं।

> भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया।

महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

ललित गर्ग

> फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे।

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वार्ताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती। तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निर्माता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक

एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है। यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरुआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा। फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरुआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है।

दृष्टि कोण

घटक दलों से सामंजस्य की बनी रहेगी चुनौती

महाराष्ट्र में अपने विस्तार की इच्छा रखने वाली बीजेपी के लिए विधानसभा के नतीजों के बाद देवेंद्र फडणवीस के नाम पर शीर्ष नेतृत्व की सहमति होना स्वाभाविक था। आखिरकार देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे में कुर्सियां बदल गई। हालांकि, प्रचंड बहुमत के बाद महायुति की राज्य सरकार जिस सहजता से बन जानी चाहिए थी उसमें एकनाथ शिंदे को सहमत कराने में 11 दिन लग गए। महायुति के प्रचंड बहुमत का श्रेय देवेंद्र फडणवीस को मिला। उन्होंने हर मोड़ पर शीर्ष नेतृत्व का भी भरोसा जीता। लोकसभा के परिणाम के बाद विधानसभा चुनाव महायुति के लिए काफी कठिन माना जा रहा था। महाविकास अघाड़ी से अकेले ढाई गुना सीट मिलने पर आभास हो गया था अब बीजेपी नेतृत्व अपने पास ही रखेगी। केवल जातीय समीकरणों की बिसात पर अगर मराठा नेता को नेतृत्व सौंपने की जरूरत होती तब फैसला बदल सकता था। इसके साथ ही यह संदेश दिया है कि पार्टी अपने लक्ष्यों को भूली नहीं है। लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही बीजेपी ने महाराष्ट्र पर फोकस कर दिया था। निश्चित आरएसएस भी महाराष्ट्र में सक्रिय हुआ। सीटों के समीकरणों के साथ कार्यकर्ताओं को धरातल पर काम करने के लिए प्रेरित किया गया। सहयोगी दलों के साथ अधिकतम सहमति के सिद्धांत पर काम किया गया। बीजेपी ने जिस सनातन के पहलू पर अपना फोकस किया राज्य में उसकी सबसे बड़ी आवाज देवेंद्र फडणवीस ही बने। बेशक रणनीतियों पर मुहर शीर्ष स्तर पर लगी हो लेकिन इसके सूत्रधार देवेंद्र फडणवीस ही रहे। एनडीए की सफलता में लाड़की बहन योजना, वोट का धुव्रीकरण, मोदी योगी का करिश्मा, अमित शाह का रणनीतिक चातुर्य काम आया हो लेकिन महाराष्ट्र में जीत के प्रांगण को सजाने की असली जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस को ही सौंपी गई थी। देवेंद्र फडणवीस के सामने कई अलग ढंग की चुनौतियां भी थी। मराठा आरक्षण की सियासत में एनसीपी नेता शरद पवार अगर किसी को उलझाना चाहते थे तो वह देवेंद्र फडणवीस ही थे। बेशक राज्य में एनडीए सरकार ने मराठा आरक्षण के मसले को सुझलाने के लिए अपने स्तर पर पहल कर दी थी। लेकिन मराठा आंदोलन में कुछ ऐसे जटिल पेंच कसे गए थे कि महाराष्ट्र विदर्भ के इस नेता के लिए यह चक्रव्यूह बन सकता था। देवेंद्र फडणवीस ने पार्टी के अंदर और बाहर दोनों मोर्चों पर सधे हुए राजनेता की तरह कदम बढाए। 2014 में पहली बार सत्ता मिली तो उसे बेहतर ढंग चलाने की कोशिश की। महाराष्ट्र के नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम पर सरकार से दूर हुए तो विपक्ष के तेजतर्रार नेता के बतौर अपनी छवि को सामने रखा। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने शिंदे को सत्ता सौंपने का निर्णय लिया तो अनुशासित कार्यकर्ता की तरह सहमति जताई। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर वह शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बनने को तैयार हो गए। साथ ही उनकी एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ भी बेहतर केमिस्ट्री रही। देवेंद्र फडणवीस पार्टी के अंदर विपरीत खेमों को भी अपने ढंग से साधते रहे। बीजेपी इस बात का आकलन करती रही है कि महाराष्ट्र की सियासत में शरद पवार किसी न किसी तरह एक धुरी बने रहते हैं। ऐसे में मराठा नेता शरद पवार के सामने बीजेपी का कोई नेता दमखम से सामने आ सकता था तो प्रमोद महाजन और गोपीनाथ मुंडे के बाद देवेंद्र फडणवीस में यह क्षमता देखी गई। राज्य में नेतृत्व के लिए चंद्रशेखर बावनकुले, विनोद तावड़े चंद्रकांता पाटिल और मुरलीधर मोहोल के नामों की भी चर्चा अलग अलग तरह से चली। लेकिन बीजेपी और संघ ने कई पहलुओं को देखते हुए आखिर देवेंद्र फडणवीस पर ही सहमति बनाई। महायुति के सामने महाविकास अघाड़ी के आकड़े भले ही झूल रहे हों लेकिन यह लड़ाई का अंत नहीं है। सही मायनों में शिवसेना बीजेपी के 1988 में एक मंच पर आने के बाद बीजेपी ने 2014 में एक मुकाम हासिल किया।

कुछ अलग

स्वदेशी ज्ञान को मान

परतंत्रता वक्त के थपेड़ों व कालांतर बाजार के गहरे दखल से भले ही भारत का प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, लेकिन पिछले एक दशक के राजाश्रय में इसकी देश-विदेश में प्रतिष्ठा स्थापित हुई। भारत में अथाह गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। यह सुखद ही है कि एक दशक पूर्व राजग सरकार ने जिस आयुष मंत्रालय की स्थापना करके इस दिशा में जो रचनात्मक पहल की थी, उसके उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। उसके चलते भारत ही नहीं, विदेशों में भी हमारी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। इस अभियान के एक दशक पूरे होने पर आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। ये एक बहुत उत्साहजनक आंकड़ा है। इतना ही नहीं आयुष बाजार का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित उन्नति की है। ऐसे में यदि विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता का कल्याण ही होगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि आयुष बाजार के विस्तार से जहां सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है, वहीं इससे रोजगार व उद्यमिता को भी संबल मिला है। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग को वैश्विक मान्यता मिली है। हालांकि, अमेरिका,यूरोप व आस्ट्रेलिया आदि में योग के सामान से जुड़ा कारोबार ज्यादा ऊंचाइयां छू रहा है। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता बनाये रखने पर विशेष ध्यान दें। उनका आधार वैज्ञानिक प्रमाण हों। इससे भारत पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के जरिये वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम हो सकेगा। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा,योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। साथ ही यह भी कि हमारे विचार, खानपान और प्रकृति का सान्निध्य जीवन को स्वस्थ बनाने में मददगार होता है। जिसका मूल आधार हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होता है।

देश दुनिया से

रोगी की जांच-उपचार में कारगर एआई

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक डिजिटल कंप्यूटर या रोबोट की वह क्षमता है जो आम तौर पर मनुष्यों के क्रियाकलाप से जुड़ी है, जैसे कि तर्क करना, सामान्यीकरण करने या पिछले अनुभव से सीखने की क्षमता। एआई विशाल मात्रा में डेटा को खंगालकर एल्गोरिदम लक्षणों की पहचान कर सकता है और अभूतपूर्व सटीकता और गति के साथ चिकित्सा परिणामों की भविष्यवाणी कर सकता है। यह चिकित्सकों की इलाज दक्षता को बेहतर बनाने और दुनिया में अत्यधिक दबाव के तले काम कर रही स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में रोगी को मिलने वाले परिणामों में सुधार कर पाएगा। विश्व आर्थिक मंच की डिजिटल हेल्थकेयर परिवर्तन पहल ने हाल ही में स्वास्थ्य सेवा को दरपेश तीन सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां – पुरानी बीमारियों का बढ़ता बोझ, दुनिया भर में रोगी के ठीक होने की असमान दर और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच एवं संसाधन की कमी से निपटने के संभावित तरीकों में एआई को बतौर एक विधा मान्यता दी है। इसके एक बार आकार लेने के बाद, भारत सरकार का राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन इस पहल के साथ जुड़ जाएगा। स्वास्थ्य सेवा में एआई का उपयोग औद्योगिक एआई से उपजा है, जिसकी उत्पत्ति 1950 के दशक में हुई थी। जॉन मैकार्थी ने 1956 में डार्टमाउथ सम्मेलन में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' शब्द गढ़ा था। वर्ष 1970 के दशक में पहला आर्टिफिशियल मेडिकल कंसल्टेंट इंटरनिस्ट-1 बनने के साथ, एआई काबिलियत वाला सर्वप्रथम चिकित्सा परामर्शदाता नमूना पेश किया गया था। इसने रोगियों के लक्षणों के आधार पर, सर्च एलोरिदम का उपयोग करके क्लिनिकल जांच का निष्कर्ष सुझाया। एआई का आधुनिक युग 2000 के दशक की शुरुआत में वॉयस रिकॉग्निशन फीचर के निर्माण के साथ शुरू हुआ, इसके बाद आईबीएम ने वॉटसन नामक एक प्रश्न-उत्तर प्रणाली और फिर 2020 में जीपीटी मॉडल लॉन्च किए। कंप्यूटिंग शक्ति में गुणात्मक सुधार, तेज़ डेटा संग्रहण एवं डेटा प्रोसेसिंग, जीनोमिक सिक्वेंसिंग डेटाबेस का विकास और इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड (ईएचआर) सिस्टम के व्यापक इस्तेमाल होने ने स्वास्थ्य सेवा में एआई के विकास में योगदान दिया। वर्तमान में, एआई में मशीन-लर्निंग, डीप-लर्निंग, नेचुरल लैंग्युएज प्रोसेस और कंप्यूटर विज़न जैसी तकनीक और लार्ज लैंग्युएज मॉडल (एलएलएम) जैसे एल्गोरिदम शामिल हैं जो नए कंटेंट को समझने, सारांश देने, नया कंटेंट बनाने और भविष्यवाणी करने के लिए विशाल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं। एआई का व्यापक रूप से परीक्षण किया गया है। एक्स-रे और फोटोग्राफी जैसी चिकित्सा इमेजिंग में इसके उपयोग की काफी संभावना और इसने मधुमेह रेटिनोपैथी, त्वचा कैंसर और फेफड़ों के तपेदिक जैसे लक्षणों की शिनाख्त करने में काफी बढ़िया कर दिखाया है। अल्ज़ाइमर रोग की भविष्यवाणी और निदान करने में सक्षम मशीन मॉडल पेश किया गया है। कैंसर की पहचान, जोखिम स्तर कब बनेगा, दवा की खोज करने और मॉलीकुलर कैरेक्टराइज़ेशन के लिए एआई उपयोगिता पर काम चल रहा है। व्यावसायिक रूप से उपलब्ध एंडोस्कोप के उपयोग करते हुए एकीकृत प्रणाली में एआई बायोप्सी सैंपल लेने के लिए सबसे संभावित संदिग्ध बिंदु सुझा सकता है, यहां तक कि इसके कैंसर होने की संभावना के बारे में भी अनुमान दे सकती है। एआई का उपयोग रोगी की हालत के हिसाब से या सटीकता के साथ दवा बताने के लिए किया जा सकता है, यह समय-दक्ष विश्लेषण का उपयोग करते हुए प्रत्येक रोगी के लिए सटीक रूप से भविष्यवाणी कर सकता है, उसकी आनुवंशिकी, मॉलिक्यूरल और ट्यूमर-आधारित प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर कौन-सी उपचार विधि सबसे उपयुक्त रहेगी, यह सुझा सकता है। टेलीमेडिसिन का उपयोग करके दूर-दराज इलाकों के मरीजों की ईसीजी रिपोर्ट, एक्स-रे या स्कैन का ऑनलाइन विश्लेषण करने के बाद इलाज संबंधी परामर्श दिया जाता है। एआई एल्गोरिदम मस्तिष्क आघात, इंट्राक्रैनील हैमरेज और पल्मनरी एम्बॉलिस्म जैसे लक्षणों की पहचान में उपयोगी सिद्ध हो रहा है। शरीर पर धारण किए जाने वाले उपकरण, स्मार्टफोन और इंटरनेट-आधारित तकनीकों का उपयोग रोगियों के हृदय संबंधी डेटा की निगरानी के लिए किया जा सकता है, जिससे हृदय संबंधी खतरे का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है। वर्चुअल असिस्टेंट और वर्चुअल रियलिटी के उपयोग के साथ शिक्षण और प्रशिक्षण में एआई की भूमिका बढ़ रही है। रोग पहचान हेतु परीक्षण, दवा खोज और दवा-दवा के बीच सामंजस्यपूर्ण या फिर प्रतिकूल प्रभावों की भविष्यवाणी करने में एआई का उपयोग पहले से हो रहा है। एआई के कुछ आगामी अनुप्रयोगों में, गूगल की स्वास्थ्य एलएलएम सुविधा शामिल है, जो उपयोगकर्ताओं को उनकी नींद की अवधि, व्यायाम की तीव्रता और हृदय गति की परिवर्तनशीलता आदि के आधार पर व्यक्तिगत स्वास्थ्य परामर्श संदेश देगा। अन्य विकास खोज क्रम में, आईबीएम का वाटसन ऑनकोलॉजी, गूगल का डीपमाइंड प्लेटफ़ॉर्म और माइक्रोसॉफ्ट का हैनोवर प्रोजेक्ट शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में मेडसोल एआई सॉल्यूशंस नामक एक कंपनी ने स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक अत्याधुनिक, वाई-फाई-सक्षम अल्ट्रासाउंड जांच विकसित की है। हालांकि, स्वास्थ्य सेवा में जेनरेटिव एआई का उपयोग करने में एक बड़ी चिंता 'मानव स्पर्श' और सहानुभूति की अनुपस्थिति है। दूसरी बड़ी समस्या है विश्वसनीय डेटा की अनुपलब्धता। इसके प्रभावी उपयोग के लिए भारी मात्रा में डेटा की आवश्यकता होती है, जो कि विभिन्न जातीय समूहों और अल्पसंख्यकों या वे समुदाय जिन का प्रतिनिधित्व पर्याप्त नहीं है, उनके प्रति पूर्वाग्रहों के कारण विश्लेषण त्रुटिपूर्ण हो सकता है। वर्तमान में, अधिकांश एआई एल्गोरिदम श्वेत पुरुष के डेटा पर आधारित हैं। फिर, रोगी की गोपनीयता और डेटा बेचने को लेकर भी चिंता है। एल्गोरिदम का सही काम न करना या इलाज की गलत दिशा बता देना या फिर पारदर्शिता में कमी या सही व्याख्या न कर पाने वाली कमी और 'ब्लैक बॉक्स' स्थिति जैसी अन्य समस्याएं हैं। साथ ही, जीनोमिक जानकारी एकत्र करने में नैतिकता बरतना और एआई को आईटी तंत्र के साथ एकीकृत करना, चिकित्सक का विश्वास हासिल करना और सरकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने संबंधी चिंताएं हैं। भारत में एआई उपयोग की अपार संभावनाएं हैं। पोषण, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षित जनशक्ति और स्वास्थ्य सुविधाओं में घोर असमानताओं वाले परिदृश्य में यह एक वरदान हो सकती है।

आप का नजरिया

अरावली की बलि

उस खबर ने हर संवेदनशील और जागरूक व्यक्ति को उद्वेलित किया है कि हरियाणा के नूंह के पास 22 अरब रुपये कीमत के पहाड़ को खनन माफिया चट कर गया। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला घटनाक्रम नूंह जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ से जुड़ा है, जो अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम तंत्र की काहिली व सत्ताधीशों की गैरजिम्मेदारी से पनपा है। खनन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उपमंडल फिरोजपुर झिरका के कुछ इलाकों में खनन माफिया ने इस कृत्य को अंजाम दिया। कैसी विडंबना है कि गैर कानूनी तरीके से धन अर्जित करने की दबंगों की लिप्सा हमारे पर्यावरण व लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करती। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम यह भी है कि अवैध खनन माफिया से टक्कर लेने वाले कई अधिकारियों को तबादले के रूप में खमियाजा भी भुगतना पड़ा है। नागरिक संगठनों की उदासीनता भी उन खनन माफियाओं का हौसला बढ़ाती है, जो सत्ता के गलियारों में खासा रसूख रखते हैं। निश्चित रूप से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाली इन पहाड़ियों को आज पुनर्जीवित करने की जरूरत है। पर्यावरण पुनर्स्थापना हेतु भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण से निबटने के लिये बाकायदा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में ग्यारह लाख मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए, इस चौदह सौ किलोमीटर लंबे और पांच किलोमीटर चौड़े हरित गलियारे को बनाने का लक्ष्य है कि अरावली पहाड़ियों की पारिस्थितिकीय जीवन शक्ति को फिर से बहाल किया जा सके। एक समय था कि ये पहाड़ियां जंगल, वन्य जीवों, जलचरों और प्राकृतिक जल निकासी के जरिये एक समृद्ध पारिस्थितिकीय तंत्र बनाती थी। लेकिन दुर्भाग्य से अब अरावली पर्वत श्रृंखला देश की सबसे खराब स्थितियों के लिये जानी जाती है। इस दिशा में सत्ताधीशों की उदासीनता और नियामक संस्थाओं की लापरवाही से हरियाणा में यह स्थिति खासी शोचनीय है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि अरावली पर्वत श्रृंखला की तीस से अधिक पहाड़ियां पहले ही लुप्तप्राय हो चुकी हैं। खासकर हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिलों से लगते इलाकों में। निरंतर होते शहरों के विस्तार ने हरे-भरे परिदृश्यों को कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। जिसके चलते पूरे इलाके का पारिस्थितिकीय संतुलन बाधित हुआ है। सदियों में विकसित हुई वन संपदा व जीव-जंतुओं के अधिवास अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। निस्संदेह, इस कथित विकास की कीमत हमें लंबे समय तक चुकानी होगी। जिसके अंतर्गत स्वदेशी वृक्षों की अनेक महत्वपूर्ण किस्में व दुर्लभ वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर जा पहुंची हैं। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र सूख गए हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब की हरित पहल से प्रेरित होकर ही ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को इस विनाशकारी अतिक्रमण को रोकने के लिये लाया गया था।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग नवविवाहित जोड़े ने बनाया नया रिकॉर्ड, 100 साल का दूल्हा, 102 साल की दुल्हन

वाशिंगटन, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंसान स्नेह और प्यार की महत्वता को किसी भी उम्र में महसूस कर सकता है, यह सच्चाई यहीं साबित हुई है। अमेरिका के फिलेडेल्फिया के एक कपल, बर्नार्ड लिटमैन और मार्जोरी फिटरमैन ने अपने असाधारण प्यार के साथ सोच को पराजित किया है।

उनकी कुल आयु 202 साल 271 दिन है, जिसमें दूल्हा 100 साल के हैं और दुल्हन 102 साल की। इसमें कोई शक नहीं कि ये नवविवाहित जोड़ा दुनिया के सबसे बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों में शामिल हो गए हैं।

इनकी मुलाकात करीब 9 साल पहले एक कॉस्ट्यूम पार्टी के दौरान हुई थी और उनके प्रेम की कहानी अब एक नया इतिहास रच रही है। उन्होंने एक सुखी जीवन बिताते हुए 60 साल तक अपने पार्टनर्स के साथ रहा है।

उनके पार्टनर्स की मौत के बाद उन्होंने एक ओल्ड एज होम में मिलकर प्यार और सम्मान के साथ एक नया जीवन आरंभ किया। बर्नार्ड और मार्जोरी की शादी में उनके परिवार के लोगों ने भी भाग लिया, जिससे उन्हें और भी खुशी मिली। उनकी पोती ने कहा कि ऐसी खबरों से लोगों में खुशी और विश्वास बढ़ता है।

इस अद्वितीय कहानी ने साबित किया कि जब प्यार में उम्र का कोई महत्व नहीं होता, तो लोग किसी भी उम्र में एक दूसरे के हो सकते हैं।

बर्नार्ड और मार्जोरी की उम्र में कोई रुकावट नहीं आई, उन्होंने अपने प्यार को मान्यता दी और एक साथी का आनंद लिया। यह हमेशा याद रखने वाला उदाहरण है कि सच्चा प्यार किसी भी समय में संभव है और दुनिया के बेहतर भविष्य का निर्माण इसी प्रेम में छिपा है।

न्यूज ब्रीफ

चीन कॉलेजों में देगा इलू-इलू की शिक्षा.....घटते प्रजनन दर से परेशान

बीजिंग। चीन में तेजी से कम होता फर्टिलिटी रेट (प्रजनन दर) राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सबसे बड़ी चिंता बन गया है। आलम यह है कि इस समस्या से निजात पाने के लिए चीनी सरकार हर कोशिश कर रही है। चीनी युवाओं को शादी करने, बच्चे पैदा करने के लिए आकर्षित कर रही है। इसके लिए वो कई अजीब प्रयोग भी कर रही है। इसी कड़ी में चीन की एक और नई स्कीम सामने आई है। इसके तहत चीन की यूनिवर्सिटीज-कॉलेजों में प्रेम की पाठशाला देने की योजना है। सर्वे में सामने आया है कि चीन के कॉलेजों में 57 प्रतिशत छात्र शैक्षणिक दबाव के कारण रिलेशनशिप में रुचि नहीं रखते हैं। इससे सामने आया कि स्टूडेंट्स में रिलेशनशिप को लेकर समझ बढ़ाने की जरूरत है। ताकि देश में कम होते फर्टिलिटी रेट को रोक जा सके। रिपोर्ट के अनुसार चीन की जनसंख्या का हवाला देकर सलाह दी है, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को लव ऐजुकेशन कोर्स पढ़ाकर छात्रों को विवाह और प्रेम शिक्षा देने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इसमें कहा गया है कि स्टूडेंट्स में प्रेम और विवाह पर व्यवस्थित और वैज्ञानिक शिक्षा की कमी के कारण छात्रों के बीच भावनात्मक संबंधों की अस्पष्ट समझ पैदा हुई है। दरअसल 1.4 अरब की आबादी वाला चीन तेजी से बूढ़ा हो रहा है, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता जा रहा है। इतना ही नहीं यह स्थिति भविष्य में चीन की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालेगी। इसके बाद कॉलेज के छात्र आने वाले वर्षों में प्रजनन दर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आयरलैंड, न्यूजीलैंड, आइसलैंड, ग्रीनलैंड नहीं पाए जाते हैं सांप!

लंदन। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि दुनिया के कुछ देश जैसे आयरलैंड, न्यूजीलैंड, आइसलैंड, ग्रीनलैंड और विशाल महाद्वीप अंटार्कटिका में सांप नहीं पाए जाते हैं। इन स्थानों पर सांपों की अनुपस्थिति ने वैज्ञानिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टिकोण से गहरी दिलचस्पी पैदा की है। आयरलैंड, न्यूजीलैंड, आइसलैंड, ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका सांपों के बिना भी अपने अद्वितीय पारिस्थितिक तंत्र के लिए प्रसिद्ध हैं। आयरलैंड में सांप न होने की एक पुरानी किंवदंती है। कहा जाता है कि वहां के संत पैट्रिक ने सांपों को आयरलैंड से निकालकर समुद्र में फेंक दिया था। आयरिश लोककथाओं में इसे सांपों के खात्मे का कारण बताया जाता है। लेकिन वैज्ञानिक इस बात को पूरी तरह खारिज करते हैं। नेशनल म्यूजियम ऑफ आयरलैंड के शोध के अनुसार, आयरलैंड में कभी सांप थे ही नहीं। इसका कारण आइस एज में छिपा है। जब दुनिया का अधिकांश हिस्सा बर्फ से ढका था, तब आयरलैंड में भी ऐसा ही मौसम था। इस ठंडे और कठोर वातावरण में रेप्टाइल्स जीवित नहीं रह सकते थे। जब 10,000 साल पहले बर्फ पिघली, तो भी आयरलैंड का तापमान सांपों के लिए उपयुक्त नहीं था। न्यूजीलैंड भी उन देशों में शामिल है जहां सांप नहीं पाए जाते। यह द्वीपों से बना देश है, जिसमें जंगली जीव-जंतुओं की भरमार है, लेकिन सांप यहां नहीं मिलते।

मोबाइल इंटरनेट स्पीड के मामले में ये 10 देश है शीर्ष पर

लंदन। हाल ही में 2024 में मोबाइल इंटरनेट स्पीड के मामले में शीर्ष 10 देशों की सूची सामने आई है। ये देश अपने तेज इंटरनेट नेटवर्क के लिए जाने जाते हैं, और यहां की इंटरनेट स्पीड यूजर्स को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करती है। संयुक्त अरब अमीरात इस सूची में पहले स्थान पर है, जहां की मोबाइल इंटरनेट स्पीड 398.51 एमबीपीएस है। यह स्पीड इतनी तेज है कि यहां के यूजर्स एक गीगाबाइट की फाइल को महज 2.5 सेकंड में डाउनलोड कर सकते हैं। यूएई का तकनीकी विकास और बेहतर नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर इसकी तेज इंटरनेट स्पीड के पीछे एक बड़ा कारण है। कतर ने भी इस सूची में अपनी जगह बनाई है, जहां मोबाइल इंटरनेट स्पीड 344.34 एमबीपीएस है। यह देश तकनीकी क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसे अपने स्मार्ट नेटवर्क के लिए सराहा जा रहा है। कतर में इंटरनेट यूजर्स को उच्च गुणवत्ता वाली और तेज इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हैं, जो किसी भी डिजिटल कार्य को आसानी से पूरा करने में मदद करती हैं। कुवैत ने तीसरे स्थान पर कब्जा किया है, और यहां की मोबाइल इंटरनेट स्पीड 239.83 एमबीपीएस है। इस देश में भी तेज इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे यहां के लोग भी बेहतर और प्रभावी इंटरनेट एक्सेस का अनुभव कर रहे हैं। कुवैत की यह स्पीड उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो स्ट्रीमिंग, गेमिंग और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों को सहज बनाती है।

सीरिया में 2011 से चल रहे गृहयुद्ध का खात्मा, विद्रोहियों ने की नये युग की घोषणा

विद्रोही गठबंधन के सामने असद की ताकतवर सरकार 10 दिन भी नहीं टिक पाई

दमिश्क, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया में करीब 50 साल के बाथ शासन और 24 साल के बशर अल असद शासन का रविवार को अंत हो गया। विद्रोही गठबंधन के सामने असद की ताकतवर सरकार 10 दिन भी नहीं टिक पाई। इसके साथ ही 2011 से चल रहे गृहयुद्ध का भी खात्मा हो गया। राजधानी दमिश्क की सड़कों पर लोग जश्न मना रहे हैं। अपने शासन का अंत करीब देख बशर अल असद पहले ही देश छोड़ कर भाग चुके हैं। सीरियाई सेना ने इसकी पुष्टि की। सीरिया के सार्वजनिक संस्थानों पर कब्जे के साथ विद्रोही गुट ने रविवार को सीरिया के आजाद होने की घोषणा की। जेलों से कैदियों को रिहा करने की घोषणा की गई। इस्लामी चरमपंथी गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएएस) और विद्रोही गठबंधन ने कहा है कि अब नया सीरिया बनेगा, जहां सब शांति से रहेंगे। विद्रोहियों की तरफ से कहा गया कि देश के सार्वजनिक संस्थान पूर्व प्रधानमंत्री की देखरेख में रहेंगे, जब तक नई सरकार सत्ता पर काबिज नहीं हो जाती। इससे पहले प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अल जलाली ने भी एक रिकॉर्डेड बयान में विद्रोहियों से मिलकर नई सरकार के गठन की बात कही।

असद शासन का अंत

बशर अल असद ने साल 2000 में अपने पिता हफीज अल-असद के बाद सीरिया की कमान संभाली थी। हफीज अल असद ने 1950-60 के गृहयुद्ध के बाद तख्तापलट कर सीरिया की सत्ता संभाली थी। पिता हफीज अल असद ने 29 साल शासन किया। इस तरह साल 1971 के बाद से 2024 तक असद परिवार का सीरिया पर शासन रहा। असद के पिता हफीज अल अस्साद ने बाथ पार्टी बनाई थी और इस पूरे शासनकाल में यही पार्टी सत्ता का प्रतिनिधित्व करती रही। इसलिए दमिश्क पर कब्जे के बाद विद्रोहियों ने बयान जारी कर कहा कि बाथ पार्टी के शासन के 50 सालों के उत्पीड़न और 13 सालों के अपराध, अत्याचार और विस्थापन का सामना कर उस कालयुग का अंत और सीरिया के नए युग की शुरुआत का हम ऐलान करते हैं।

पहले भी हुआ विद्रोह

2011 में अरब स्प्रिंग के दौरान सीरिया में बशर अल असद शासन के खिलाफ व्यापक विद्रोह भड़का था। लेकिन उस समय सत्ता पर मजबूत पकड़ रखने वाले असद को रूस और ईरान जैसे सहयोगियों के कारण विद्रोहियों से निबटने में सफलता मिली थी। इस बार विद्रोहियों के सामने उखड़े असद के पांव इस बार केवल 10 दिनों में असद का साम्राज्य ढह गया। असद शासन की इस कमजोरी के पीछे मौजूदा वैश्विक परिदृश्य है जहां असद शासन का समर्थन करने वाला रूस खुद यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है। जबकि ईरान इजराइल के साथ सैन्य संघर्ष में उलझे होने के कारण असद शासन के समर्थन में मजबूती से खड़ा होने की स्थिति में नहीं था। ईरान के समर्थन वाले हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजराइल के लगातार अभियानों ने उसकी कमर तोड़ कर रख दी है।

सीरिया गृहयुद्ध का नतीजा

बशर अल असद सरकार और विद्रोही गुटों के बीच जारी संघर्ष में अब तक पांच लाख से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, सीरिया में गृहयुद्ध के कारण अब तक कम से कम 3,70,000 लोग विस्थापित हुए हैं।

सीरिया में किसकी सरकार बनेगी

असद शासन के अंत के बाद दुनिया भर की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में सीरिया की सत्ता की तस्वीर क्या होगी। सीरिया में नई सरकार कैसे बनेगी क्योंकि जिन विद्रोही लड़ाकों ने असद शासन का अंत किया है, उनमें शामिल अलग-अलग गुट सत्ता में ज्यादा भागीदारी का दावा करेंगे। इनमें ज्यादातर कट्टरपंथी विचारधारा के हिमायती गुट हैं जो विचारधारा के हिसाब से देश चलाने पर जोर देंगे। इन सभी में शासन और नई सरकार की नीतियों को लेकर एकराय होगी, इसकी संभावना कम ही है।

रूस के साथ चल रहा युद्ध जल्द ही न्यायपूर्ण तरीके से खत्म हो

पेरिस, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन लगातार रूस से जंग कर रहा है। इस जंग ने दोनों देशों को काफी नुकसान हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने की ट्रंप और मेक्रों से मुलाकात, युद्ध को लेकर की चर्चा

इसी कड़ी में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ त्रिपक्षीय बातचीत की। ज़ेलेंस्की ने रूस के साथ चल रहे युद्ध को जल्द ही न्यायपूर्ण तरीके से खत्म करने की बात कही।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि दोनों नेताओं के साथ उनकी अच्छे माहौल में बैठक हुई। यह मॉस्को के आक्रमण के करीब तीन साल बाद और जनवरी में अमेरिका में ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से पहले की बात है। ज़ेलेंस्की ने कहा कि तीनों ने एक साथ काम करना जारी रखने और संपर्क में रहने पर सहमति जताई है।

उन्होंने एक्स पर कहा कि हम सभी चाहते हैं कि यह युद्ध जल्द से जल्द और न्यायपूर्ण तरीके से खत्म हो। हमने अपने लोगों, ज़मीन पर स्थिति और न्यायपूर्ण शांति के बारे में बात की।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने पेरिस में ट्रंप और ज़ेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय वार्ता की मेजबानी की। बैठक के बाद मैक्रों ने कहा कि आइए हम शांति और सुरक्षा के लिए संयुक्त प्रयास जारी रखें।

वहीं ट्रंप, नोट्रे-डेम कैथेड्रल के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए पेरिस पहुंचे थे, जो आग से तबाह हो गया था। उन्होंने एलिसी पैलेस के अंदर मैक्रों के साथ बातचीत की, जहां जेलेंस्की भी पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद यह पहली बार है जब किसी विदेशी नेता ने ट्रंप की मेजबानी की है और यह चुनाव के बाद राष्ट्रपति पद के लिए चुने गए ट्रंप की पहली विदेश यात्रा है। मैक्रों से मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा कि दुनिया थोड़ी पागल है।

विरोध प्रदर्शन

सियोल में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक यियोल के महाअभियोग की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए लोग।

क्या यूनुस के राज में बांग्लादेश कट्टरपंथ की राह पर चलने लगा

ढाका, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

कभी अच्छा दोस्त रहा बांग्लादेश अब भारत का दुश्मन बनता जा रहा है। मोहब्बत करने वाला बांग्लादेश अब भारतीयों से नफरत करने लगा है। नोबेल शांति प्राप्त मोहम्मद यूनुस के राज में बांग्लादेश कट्टरपंथ की राह पर चलने लगा है। अब उसे दोस्ती का लिहाज भी नहीं रहा यही वजह है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ गए हैं।

बांग्लादेश में चरमपंथियों का बोलबाला हो गया है। बांग्लादेश में सड़कों पर भारत के खिलाफ खुलकर प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत और भारतीयों को खुलेआम धमकी दी जा रही है। एक के बाद एक कई इस्कॉन मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। इस बीच

बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर और बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यकों को धमकी देने का कथित वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बांग्लादेशी कट्टरपंथी ने सभा की और इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग की। उपद्रवियों ने मांग की कि 'इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाओ नहीं तो हम उन्हें काट देंगे।

शेख हसीना के देश छोड़ते ही बांग्लादेश पूरी तरह से कट्टरपंथ की चपेट में है। अब सवाल है कि क्या नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले यूनुस लगातार

कट्टरपंथी इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग और अल्पसंख्यकों को दे रहे धमकियां

नफरत का बीज बो रहे हैं। क्या वही अल्पसंख्यकों के प्रति भड़की आग को और हवा दे रहे हैं। अगर ऐसा नहीं है तो फिर वह बांग्लादेश में एक्शन क्यों नहीं ले रहे बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी भारत के खिलाफ जहर उगल रहे थे। आईएसआईएस के झंडे लहराते हुए कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों के उग्रवादी दिखाई दिए। आतंकी संगठन का झंडा हाथ में होने के बावजूद पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इन उग्रवादियों ने भारत पर हमला करने और भारतीय नागरिकों की हत्या करने की कसम खाई। इस बीच भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाली बीटिंग रिट्रीट भी रोक दी गई है।

प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री की गैरमौजूदगी में अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री नेपाल पहुंचे

काठमांडू, 08 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण एशिया के भ्रमण पर निकले अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू रविवार को दो दिनों के लिए काठमांडू पहुंचे हैं। हालांकि, इस समय प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा काठमांडू से बाहर हैं।

अमेरिकी दूतावास की ओर से बताया गया है कि अपने नेपाल भ्रमण के दौरान सहायक मंत्री लू कुछ राजनीतिक, कुछ प्रशासनिक मुलाकात करने के अलावा नेपाल में नागरिक समाज के अगुवा लोगों से मुलाकात करेंगे। डोनाल्ड लू का नेपाल भ्रमण ऐसे समय हो रहा है, जब कुछ दिन पहले ही नेपाल ने आधिकारिक रूप से चीन के बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन समझौता पर हस्ताक्षर किये हैं।

ऐसे में अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री का नेपाल भ्रमण काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अमेरिका कभी भी इस पक्ष में नहीं था कि नेपाल चीन के बीआरआई में शामिल हो।

अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री लू के नेपाल आने से ठीक पहले रविवार की सुबह प्रधानमंत्री ओली दो दिनों के दौरे पर अपने गृह जिला झापा के दौरे पर निकल गए। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा शनिवार की रात को यूरोप भ्रमण पर निकल गई हैं। हालांकि, लू के नेपाल दौरे की जानकारी प्रधानमंत्री ओली के चीन भ्रमण से पहले ही सार्वजनिक की गई थी, लेकिन अब दोनों का ही काठमांडू में नहीं रहना इस बात का संकेत है कि बीआरआई के बाद न तो प्रधानमंत्री ओली और न ही विदेश मंत्री राणा अमेरिकी राज्य मंत्री को सामना करने के लिए तैयार है।

इसी बीच खबर मिली है कि डोनाल्ड लू की मुलाकात सत्तारूढ़ दल के नेता एवं नेपाली कांग्रेस के सभापति शेर बहादुर देउवा और विपक्षी दल के नेता पूर्व प्रधानमंत्री तथा माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचंड से तय की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्ण प्रसाद ढकाल ने कहा कि राजनीतिक मुलाकातों में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों से ही मुलाकात तय हो पाई है। इसके अलावा वो नागरिक समाज के अगुवा से भी मुलाकात करने वाले हैं।

ट्रंप को राष्ट्रपति बनाने एलन मस्क ने पानी की तरह बहाया पैसा

वाशिंगटन। टेस्ला के मालिक अरबपति एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए डोनाल्ड ट्रम्प को जितवाने के लिए करीब 270 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं। इसी के साथ वह देश में सबसे बड़ा पोलिटिकल डोनेशन करने वाले आदमी बन गए हैं। एक डेटा से पता चलता है कि मस्क का योगदान 2010 के बाद से किसी भी एक राजनीतिक डॉनर के खर्च से अधिक रहा। ट्रम्प के मुखर समर्थक मस्क ने उनके राष्ट्रपति अभियान की फंडिंग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें डोर टू डोर, कैंपेन और रैलियों में उपस्थिति जैसे अभियान की फंडिंग शामिल है। मस्क ने ट्रम्प के आने वाले प्रशासन में लागत में कटौती करने वेक एडवाइजर की भूमिका हासिल कर ली है। उल्लेखनीय है कि ट्रम्प को चुनावी दौड़ में आगे बढ़ाने और गति देने में मदद करने में मस्क के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 में मस्क के 270 मिलियन डॉलर के योगदान ने रिपब्लिकन डोनर टिम मेलन द्वारा निर्धारित पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने करीब 200 मिलियन डॉलर का योगदान दिया था। दस्तावेजों के अनुसार, मस्क ने ट्रम्प को 238 मिलियन डॉलर का दान दिया।

रोहन बोपन्ना के खिलाफ खेलना आसान नहीं : सुमित नागल

मुंबई, 08 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टेनिस सनसनी सुमित नागल टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीज़न 6 में स्टैंड-आउट खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। नागल पुरुष एकल और युगल वर्ग में गुजरात पैंथर्स के लिए खेल रहे हैं।

गुजरात पैंथर्स ने सेमी फाइनल चरण में जगह बना ली है और नागल अपनी टीम के शिविर में ऊर्जा से उत्साहित हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, यह एक सुंदर वातावरण है। हर कोई बहुत अच्छा है और हमेशा हमारे लिए मौजूद है। मैंने इन दो सीज़न में गुजरात पैंथर्स के लिए खेलने का आनंद लिया है। लीग के पहले मैच के दिन गुजरात पैंथर्स का सामना राजस्थान रेंजर्स से हुआ, जिसमें नागल ने पुरुष युगल वर्ग में भारतीय टेनिस दिग्गज रोहन बोपन्ना से मुकाबला किया और मुकाबला हार गए। मैच पर नागल ने कहा, किसी ऐसे व्यक्ति (बोपन्ना) के साथ खेलना आसान नहीं है जिसने स्लैम जीता हो। दिन के अंत में, यहां रहना और ऐसे अनुभवी खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना मजेदार है।

टेनिस प्रीमियर लीग हर सीज़न में खेले जाने वाले टेनिस के पैमाने, प्रतिस्पर्धा और गुणवत्ता के मामले में बढ़ रहा है।

टीपीएल में खेलने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, नागल ने कहा, यह बहुत अच्छा रहा है। यदि आप इस वर्ष खिलाड़ियों की गुणवत्ता को देखें। आप देख सकते हैं कि पहले से एक बड़ा अंतर है।

अंत में, अपने भविष्य के लक्ष्यों और अपने आगे के करियर पर, नागल ने कहा, मेरा लक्ष्य अगले साल शीर्ष 50 एटीपी रैंकिंग हासिल करना है और मैं वहां रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

सिराज ने हेड के दावों को गलत बताते हुए कहा , मैंने कोई टिप्पणी नहीं की थी

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ट्रेविस हेड के बीच विवाद भी हुआ। उसी को लेकर सिराज ने हेड के दावे को गलत बताया है। सिराज ने कहा कि मैंने हेड पर कोई टिप्पणी नहीं की थी। इस मैच में विवाद उस समय शुरु हुआ जब सिराज ने छक्का लगने के तुरंत बाद हेड का विकेट लिय। आउट होने के बाद सिराज ने ड्रेसिंग रूम की ओर कुछ इशारा किया, जिस पर हेड ने प्रतिक्रिया दी। इस घटना को लेक हेड ने कहा कि उन्होंने सिराज की गेंद की तारीफ की थी पर उनका मानना था कि इस पर जश्न मनाने की जरुरत नहीं थी ।हेड ने कहा, मैंने वास्तव में मजाक में कहा था अच्छी गेंदबाजी की, फिर उन्होंने मुझे शेड की ओर इशारा किया, इसपर मैंने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। मैं इसे ज्यादा खींचना नहीं चाहता था इसलिए पेवेलियन की ओर बढ़ या। वहीं दूसरी ओर पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह के साथ बातचीत में सिराज ने हेड के दावे को गलत बताया। सिराज ने कहा, आपने टीवी पर जो कुछ भी देखा, वह मेरे जश्न का हिस्सा था और मैंने किसी के प्रति अनादर नहीं जताया। उन्होंने कभी नहीं कहा कि अच्छी गेंदबाजी की।

शमी भेजे जा सकते हैं ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बॉर्डर गावस्कर सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए शीघ्र ही ऑस्ट्रेलिया भेजा जा सकता है। भारतीय टीम को सीरीज के दूसरे ही मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में शमी के जाने से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर से दबाव कम होगा। शमी अभी बंगाल की ओर से सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में खेल रहे हैं। यहां उनको फिटनेस में अभी तक कोई समस्या नहीं हुई है। ऐसे में एनसीए की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस की जांच करेगी और सब कुछ ठीक होने पर उन्हें दौरे पर भेजा जा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह 26 दिसंबर 'बॉक्सिंग डे' से शुरु हो रहे चौथे टेस्ट में खेल सकते हैं। वहीं प्राप्ति जानकारी के अनुसार शमी की किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेज दी गई है। ऐसे में अब वह मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के पूरा होने के बाद ऑस्ट्रेलिया जाएंगे।' शमी पिछले एक साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से पिछला टूर्नामेंट नवंबर 2023 में एकदिवसीय विश्व कप खेला था। उसके बाद से ही टखने की सर्जरी के कारण उन्हें लंबे समय तक टीम से बाहर रहना पड़ा। दूसरी ओर बंगाल के मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा, शमी चंडीगढ़ के खिलाफ हमारे लिए प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेंगे ।वह कल तक बेंगलुरु में हमारे साथ जुड़ जाएंगे. हालांकि, मुझे नहीं पता कि अगर हम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो वह उपलब्ध होंगे या नहीं। लगता है कि वह फिट होंगे और ऑस्ट्रेलिया के आखिरी दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।

न्यूजीलैंड की टीम डब्यूटीसी फाइनल की रेस से बाहर हुई

वैलिंगटन । इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 323 रनों से मिली हार के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल की रेस से बाहर हो गयी है। कीवी टीम को पहले मैच में भी 8 विकेट के हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। उसने इस मैच में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 583 रन का बड़ा लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम केवल 259 रन पर ही आउट हो गयी। उसे जीत के लिए अंतिम दोनों ही टेस्ट मैच जीतने थे पर उसमें वह असफल रही। अब फाइनल की रेस में भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीम है।

डे-नाइट टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एडिलेड, 08 दिसंबर(एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले गए दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में भारतीय टीम को 10 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 19 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने बिना कोई विकेट गंवाए आसानी से हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर हो गई है। सीरीज का पहला टेस्ट भारतीय टीम ने 295 रन से अपने नाम किया था।

मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने पहली पारी में 180 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए और 157 रनों की बढ़त हासिल की। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 175 रन बनाए और 18 रन की बढ़त हासिल की। इस तरह मेजबान टीम को 19 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बिना कोई नुकसान के जीत दर्ज कर ली। सलामी बल्लेबाजी उस्मान ख्वाजा नौ रन और नाथन मैकस्वीनी 10 रन बनाकर नाबाद रहे। सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जाएगा।

भारत की दूसरी पारी

भारतीय टीम ने रविवार को पांच विकेट पर 128 रन से आगे खेलना शुरू किया। तीसरे दिन के पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा। ऋषभ पंत स्लिप में कैच आउट हो गए। पंत ने 28 रन बनाए। इसके बाद रविचन्द्रन अश्विन भी कुछ खास नहीं कर सके और सात रन बनाकर आउट हो गए। हर्षित राणा खाता भी नहीं खोल सके। नीतीश रेड्डी ने जरूर बल्ले से कुछ रन बटोरे। वह अर्धशतक से चूक गए और 47 गेंद में छह चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मोहम्मद सिराज सात रन बनाकर आउट हुए और भारत की दूसरी पारी 175 रन पर सिमट गई। इससे पहले शनिवार को दूसरे दिन सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 24 रन, केएल राहुल सात रन, शुभमन गिल 28 रन, विराट कोहली 11 रन और कप्तान रोहित शर्मा छह रन बनाकर आउट हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कप्तान पैट कमिंस ने पांच विकेट झटके, जबकि स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले। मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 337 रन बनाए, हेड का शतक, लाबुशेन ने लगाया अर्धशतक

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रैविस हेड ने 141 गेंदों पर 17 चौके और 4 छक्के की बदौलत 140 रन बनाए। हेड के अलावा मार्नश लाबुशेन ने भी 64 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा नाथन मेकस्विनी ने 39 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने 4-4 और नीतीश रेड्डी और रविचन्द्रन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके। स्टॉर्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

आईपीएल 2025 के पहले मैच में सूर्यकुमार कर सकते हैं मुम्बई इंडियंस की कप्तानी

मुम्बई, 08 दिसंबर(एजेंसियां) ।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रतिबंध के कारण आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। पंड्या पर एक मैच का प्रतिबंध लगा है। ऐसे में पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को किसी और खिलाड़ी को कप्तान बनाना होगा।

ऐसे में माना जा रहा है कि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को इस मैच में कप्तानी की जिम्मेदारी मिलेगी। सूर्या के अलावा अन्य कोई खिलाड़ी बड़ा दावेदार नहीं दिखता। पंड्या पर ये प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि वह पिछले आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान थे और तब टीम अपना अंतिम मैच लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलत हुए तय समय पर ओवर पूरे नहीं कर पायीं थीं। इस प्रकार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नियमों के अनुसार, पंड्या को एक मैच का प्रतिबंध झेलना होगा, चाहे वह किसी नई टीम से भी जुड़ जायें।

मैच में ओवर समय पर पूरा नहीं करने की वजह से पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा था, जबकि अन्य इंपैक्ट खिलाड़ी सहित अंतिम -12 पर 12 लाख या मैच फीस का 50 फीसदी का जुर्माना लगा था। बता दें कि टूर्नामेंट में यह तीसरा मौका था, जबकि पंड्या की कप्तानी वाली टीम समय पर ओवर पूरा नहीं कर सकी थी और उसे धीमी ओवर गति के लिए दंडित किया गया था।

कमाई में भी पीछे नहीं हैं ईशान

मुम्बई । भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन आजकल अपनी वापसी के प्रयास में लगे हैं और जब भी अवसर मिले बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करते हैं। ईशान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस बार उन्हें भारतीय क्रिकेट बोर्ड का केन्द्रीय अनुबंध नहीं मिला है। इसके बाद भी उनकी कमाई करोड़ों में है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी कुल नेटवर्क 62 करोड़ रुपए के करीब है। वह आईपीएल से ही करोड़ों कमा लेते हैं। आईपीएल 2024 तक मुंबई इंडियंस ने ईशान को 15.25 करोड रुपए में रखा था।

फ्री स्की विश्वकप

हबेई में अमेरिका के एलेक्स फेरेरा एफआईएस फ्री स्की विश्वकप में भाग लेते हुए।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

ब्रिसबेन, 08 दिसंबर(एजेंसियां) ।

एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल के शतकों से ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में भारतीय महिला टीम को 122 रनों से हराने के साथ ही 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पैरी ने 105 जबकि वोल ने 101 रन बनाये इससे मेजबान टीम ने आठ विकेट पर 371 रनों का सबसे बड़ा एकदिवसीय स्कोर बनाया। जीत के लिए मिले इस लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 249 रन ही बना पायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए फोबे लिचफील्ड 60 और वोल की सलामी जोड़ी ने 130 रन की साझेदारी के साथ ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। वोल ने इसके बाद दूसरे विकेट के लिए पैरी के साथ 92 रनों की साझेदारी की। वोल के आउट होने के बाद पैरी की आक्रामक बल्लेबाजी जारी रही। उसने बेथ मूनी 56 के साथ मिलकर 98 रनों की साझेदारी कर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। भारतीय गेंदबाजों में साइमा ठाकोर सबसे सफल रही। उन्होंने 62 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि मिन्नू मनी ने 71 रन देकर दो विकेट वहीं रेणुका सिंह ने 78 रन पर एक विकेट लिया।, दीप्ति शर्मा ने 59 रन देक एक विकेट जबकि प्रिया मिश्रा ने भी 88 रन पर एक विकट लिया।

मध्य प्रदेश की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स लॉच, सूरत में 12 दिस. से शुरु होने वाली बिग क्रिकेट लीग में भाग लेगी

इन्दौर , 08 दिसंबर (एजेंसियां) ।

रेडिसन होटल, इन्दौर में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की अपनी क्रिकेट टीम एमपी टाइगर्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। सूरत में 12 दिसंबर से शुरू होने वाले बिग क्रिकेट लीग (बीसीएल) में एमपी टाइगर्स टीम ने क्रिकेट जगत में एक नया अध्याय जोड़ दिया है।

स्पोर्ट्समिंट के स्वामित्व वाली एमपी टाइगर्स टीम का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करना है। इस क्षेत्र में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, एमपी टाइगर्स ने बीसीएल में भाग लेने का फैसला किया है। बीसीएल एक अनूठा टूर्नामेंट है जो पेशेवर, युवा, मेहनती मौके की तलाश कर रहे क्रिकेटरों को खेलने का मौका देता है। एमपी टाइगर्स ने अपने स्क्वाड में 10 महत्वाकांक्षी और 8 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल किया है। इन खिलाड़ियों का चयन पूरे भारत में आयोजित हुए कई शिविरों के माध्यम से किया गया है।

एमपी टाइगर्स का लक्ष्य मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में क्रिकेट के विकास के लिए काम करना है। टीम 2025 में इन दोनों राज्यों में ट्रायल आयोजित करने की योजना बना रही है, ताकि स्थानीय प्रतिभाओं को बीसीएल में खेलने का मौका मिल सके। एमपी टाइगर्स का विजन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें भारतीय क्रिकेट में अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करना है। टीम का मानना है कि बीसीएल इस क्षेत्र के क्रिकेट के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष आर.पी. सिंह ने कहा कि मैं एमपी टाइगर्स के बीसीएल में शामिल होने पर बेहद उत्साहित हूं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे क्रिकेट के गढ़ से एक नई टीम का आगमन हमारे लीग को और मजबूत बनाएगा। एमपी टाइगर्स की युवा प्रतिभाएं बीसीएल को एक नई ऊर्जा देंगी।

हम उम्मीद करते हैं कि यह टीम मध्य भारत के क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व का विषय बनेगी। बीसीएल का लक्ष्य भारत में घरेलू क्रिकेट को बढ़ावा देना है और एमपी टाइगर्स इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करेंगे।

एमपी टाइगर्स के प्रमोटर राहुल भदौरिया ने कहा कि आज हम सभी के लिए एक गौरव का क्षण है। एमपी टाइगर्स का जन्म मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सपने के रूप में हुआ था। आज यह सपना साकार हो रहा है। हमने इस टीम को बनाने में बहुत मेहनत की है। हम उम्मीद करते हैं कि एमपी टाइगर्स बीसीएल में एक मजबूत दावेदार साबित होगी। हम मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्रिकेट के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और एमपी टाइगर्स इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एमपी टाइगर्स टीम के लांच के अवसर पर बिग क्रिकेट लीग के अध्यक्ष आर.पी. सिंह, मप्र के प्रतिष्ठित खिलाड़ी नमन ओझा, भारतीय क्रिकेट के महत्वपूर्ण स्तम्भ - संजय जगदाले, एमपी टाइगर्स के प्रमोटर - राहुल भदौरिया, मप्र के रणजी आइकन जतिन सरसेना एवं प्रसिद्ध टीवी एंकर सुश्री शैफाली बग्गा मौजूद थे।

रामगढ़ एसपी ने वॉल्कन बजाज शोरूम में सीएनजी बाइक किया लॉन्च

रामगढ़,08 दिसंबर (एजेंसियां)।

विश्व की पहली सीएनजी बाइक बजाज कंपनी ने लॉन्च की है। रामगढ़ शहर के वॉल्कन बाजार शोरूम में रविवार को एसपी अजय कुमार ने पल्सर एन-25 के नए मॉडल को लॉन्च किया।

ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए लोकप्रिय होगी बाइकः एसपी

इस दौरान उन्होंने कंपनी और शोरूम के कर्मियों को बधाई दी। एसपी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण की वजह से हमारा समाज बीमार हो रहा है। सीएनजी बाइक इन सब प्रदूषण को तो दूर करेगी ही, साथ ही इसका बेहतरीन मॉडल और लुक ग्राहकों को भी पसंद आएगा।

एसपी ने बताया कि पूरी दुनिया अब कृत्रिम चीजों से हटकर प्राकृतिक चीजों पर निर्भर हो रही है। पहले थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर में सीएनजी का इस्तेमाल होता था। लेकिन अब टू व्हीलर भी सीएनजी के साथ सुरक्षित साबित होगा। उन्होंने बताया कि कंपनी का यह बेहतरीन फीचर लोगों को अच्छा लगेगा। उन्होंने कहा कि सीएनजी टैंक किसी भी परिस्थिति में विस्फोट नहीं करेगा, चाहे दुर्घटना कितनी भी बड़ी हो।

कंपनी इस मानक पर अगर खरी उतरती है, तो सीएनजी बाइक की सड़कों पर एक नई पहचान बन सकती है। इस मौके पर शोरूम के मालिक दिनेश पोद्दार, वत्सल पोद्दार, विवेक पोद्दार, शोरूम मैनेजर अभिजीत कुमार सिंह, मोहित सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

पूर्वोत्तर राज्यों में 123 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया, वित्त वर्ष 2023-24 में आठ मामलों में 136 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में असम और मिजोरम जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों में मादक पदार्थ मेथामफेटामाइन की जब्ती में वृद्धि हो रही है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अप्रैल-सितंबर के दौरान 123 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया है। मेथामफेटामाइन, जिसे आइस या क्रिस्टल मेथ के रूप में भी जाना जाता है, भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है। डीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार तस्करी की जांच से संकेत मिलता है कि मेथामफेटामाइन को अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री मार्गों के माध्यम से अवैध रूप से भारत में लाया जा रहा है। तस्करी के लिए नशीली दवाओं को तटीय इलाकों में बसों, ट्रेनों या कारों में विशेष रूप से तैयार किए गए डिब्बों में छुपाकर लाया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में डीआरआई ने 11 मामलों में 123 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया। वित्त वर्ष 2023-24 की पूरी अवधि में आठ मामलों में 136 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया गया। डीआरआई की पिछली रिपोर्ट के अनुसार 136 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की अवैध बाजार में कीमत 274.75 करोड़ रुपये है। शासन ने इस विषय पर ध्यान देने की जरूरत बताई है और तस्करी को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाने की मांग की है ।

सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन में गिरावट, मूंगफली, विदेशी बाजारों में भाव सुधरने से पाम-पामोलीन तेल में हुआ सुधार

नई दिल्ली। विदेशों के साथ साथ स्थानीय मांग कमजोर रहने की वजह से बीते सप्ताह देश के खाने के तेल-तिलहन बाजार में सरसों एवं सोयाबीन तिलहन के भाव में गिरावट दर्ज हुई। जबकि विदेशों में भाव सुधरने से सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा सस्ता होने के बीच जाड़े की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार दर्ज हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि बीते सप्ताह मांग कमजोर रहने के बीच सरसों तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई। कीमत की इस गिरावट की वजह से मंडियों में सरसों की आवक भी घटी है जो पहले के लगभग दो लाख बोरी से घटकर 1.40-1.45 लाख बोरी रह गई। जबकि देश में सरसों की रोजाना मांग 3.5-4 लाख बोरी की है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,575-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,275-2,375 रुपये और 2,275-2,400 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 200-200 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,300-4,350 रुपये और 4,000-4,035 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सोयाबीन दिल्ली और सोयाबीन इंदौर के दाम क्रमशः 10 रुपये, 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ क्रमशः 13,885 रुपये और 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सोयाबीन डीगम तेल का भाव 9,885 रुपये क्विंटल पर अपरिवर्तित बने रहे। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये सुधरकर 6,250-6,625 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की तेजी के साथ 14,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 55 रुपये की तेजी दर्शाता 2,185-2,485 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में मजबूत होते दाम की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 400 रुपये सुधरकर 13,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 350 रुपये के सुधार के साथ 14,750 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन से सस्ता होने के बीच मांग बढ़ने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 50 रुपये के सुधार के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ ।

अगले सप्ताह आईपीओ बाजार में होगी हलचल

पांच मुख्य बोर्ड, छह एसएमई 18,500 करोड़ रुपए जुटाने को पेश करेंगी आईपीओ

नई दिल्ली,08 दिसंबर (एजेंसियां)।

अगले सप्ताह आईपीओ बाजार में हलचल मचने वाली है। विशाल मेगा मार्ट, टीपीजी कैपिटल समर्थित साई लाइफ साइंसेज और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स जैसी 11 कंपनियां अपने आरंभिक शेयर बिक्री (आईपीओ) के लिए तैयार हैं, जिनका सामूहिक लक्ष्य लगभग 18,500 करोड़ रुपये जुटाना है। इस दौरान पेश किए जाने वाले मुख्य बोर्ड के अन्य आईपीओ में इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड और ब्लैकस्टोन के स्वामित्व वाली डायमंड ग्रेडिंग कंपनी इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड शामिल हैं।

पांच मेनबोर्ड आईपीओ के साथ, छह सूक्ष्म एवं लघु उद्यम (एसएमई) अगले सप्ताह अपने पहले सार्वजनिक निर्गम जारी करने की तैयारी कर रहे हैं। इनका लक्ष्य सामूहिक रूप से 150 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने का है। साल 2024 में अब तक हुंदै मोटर इंडिया, स्विगी, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, बजाज हाउसिंग फाइनेंस और ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सहित 78 मुख्य बोर्ड की कंपनियों ने मुख्य बोर्ड के माध्यम से सामूहिक रूप से लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह 2023 में इस मार्ग से 57 कंपनियों द्वारा जुटाए गए 49,436 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। विशाल मेगा मार्ट, साई लाइफ साइंसेज और मोबिक्विक के आईपीओ 11 दिसंबर को सार्वजनिक सदस्यता के लिए खुलेंगे और 13 दिसंबर को बंद होंगे।इन्वेंटुरस नॉलेज सॉल्यूशंस और इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के तीन दिन के आईपीओ क्रमशः 12 दिसंबर और 13 दिसंबर को खुलेंगे।

वैश्विक रुझानों, एफआईआई के रुख से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। इस सप्ताह घरेलू और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों के साथ ही वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों के रुख से शेयर बाजारों की चाल प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि इसके अलावा रुपया-डॉलर विनिमय दर और कच्चे तेल की कीमतों से भी निवेशकों की भावना प्रभावित होगी। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों को वैश्विक संकेतों, घरेलू आर्थिक संकेतकों और विदेशी तथा घरेलू संस्थागत निवेशकों के रुख से आगे की दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि रुपये की विनिमय दर और कच्चे तेल की कीमत जैसे प्रमुख कारक भी बाजार के रुझानों को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, भू-राजनीतिक तनाव चुनौतियां पेश करते रहते हैं। हालांकि, डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में हालिया गिरावट ने भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए अधिक अनुकूल माहौल बनाया है। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 1,906.33 अंक उछला, जबकि एनएसई निफ्टी में 546.7 अंक की बढ़त हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि दिसंबर की शुरुआत में एफआईआई के एक बार फिर खरीदारी शुरू करने से बाजार की धारणा सकारात्मक हुई है।

भूटान में 2029 में चालू होगी खोरलोचू जलविद्युत परियोजना : टाटा पावर

नई दिल्ली,08 दिसंबर (एजेंसियां)।

टाटा पावर का भूटान में 6,900 करोड़ रुपये की खोरलोचू जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और संयंत्र के 2029 तक शुरू होने की संभावना है। यह 600 मेगावाट की परियोजना पड़ोसी देश के पूर्वी हिस्से में खोलोंगचू नदी पर विकसित की जा रही है। यह बात टाटा पावर के एक अधिकारी ने कही है।

भारत के बाहर जलविद्युत परियोजनाओं की योजनाओं पर एक सवाल के जवाब में अधिकारी ने बताया कि हम भूटान पर नजर रख रहे हैं। खोरलोचू में 600 मेगावाट की परियोजना के लिए काम पहले ही शुरू हो चुका है, सुरंग का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि परियोजना सितंबर 2029 में शुरू होने की संभावना है।

टाटा पावर और भूटान स्थित डुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीजीपीसी) ने अगस्त में 6,900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से जलविद्युत परियोजना विकसित करने के लिए साझेदारी की थी। इस साझेदारी के तहत टाटा पावर का सार्वजनिक-निजी भागीदारी वाली कंपनी खोरलोचू हाइड्रो पावर लिमिटेड में 40 प्रतिशत इक्विटी निवेश शामिल है।

उन्होंने कहा कि साझेदारी के तहत भूटान में 1,125 मेगावाट की एक और परियोजना स्थापित की जाएगी। दोरजिलुंग एचईपी (जलविद्युत परियोजना) का निर्माण-पूर्व कार्य जनवरी 2025 में शुरू होगा और परियोजना के 2031 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संघ ने ...

अत्याचार रोकने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। महंत आदित्य कृष्णागिरी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट की घटना के बाद कट्टरपंथी विचारधारा रखने वालों के द्वारा हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार, हत्या, बलात्कार और आगजनी की घटनाएं की जा रही हैं। हिंदुओं के मंदिरों पर हमला और पुजारी को अनैतिक तरीके से गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश की सरकार और एजेंसियां कट्टरपंथियों पर लगाम लगाने में असमर्थ हो गए हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू और अल्पसंख्यकों पर हमले के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संत चिन्मय कृष्णदास को भी अनैतिक तरीके से गिरफ्तार किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं, इस्कॉन मंदिरों पर भी हमले और लूटपाट जैसी घटनाएं की गईं।उन्होंने कहा कि यदि ऐसी घटना नहीं रोकी गई तो भारत से पांच लाख नागा साधुओं के साथ बांग्लादेश सरकार का घेराव किया जाएगा। ब्रिगेडियर संजय अग्रवाल ने कहा कि बांग्लादेश में हो रही घटना के पीछे पाकिस्तान और चीन की साजिश है। इसमें कोई शक नहीं है कि पाकिस्तान हिंदुओं पर हमले के लिए लंबे समय से योजना बना रहा था। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि भारत को अपने सामने खड़े दुश्मनों से किस भाषा में बात करनी है यह हमें अच्छी तरह से पता है। उन्होंने बांग्लादेश में हो रही घटना का कारण और उसके निदान के बारे में भी लोगों को बताया। इस्कॉन मंदिर नोएडा से पदाधिकारी बुद्धिमता ने कहा कि बांग्लादेश की घटना अत्यंत दुखद है। इसका समाधान सिर्फ भगवान कृष्ण के नाम का जाप करने से होगा। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण के पास यदि बांसुरी थी तो युद्ध जीतने के लिए वह सुदर्शन चक्र भी रखते थे। उन्होंने धरना प्रदर्शन में आए लोगों से अपील की कि हर समय हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण-कृष्ण हरे हरे नाम का जाप किया जाए।बांग्लादेश में हिंदू समाज के लोगों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ मुरादाबाद में हिंदू धर्म रक्षा समिति के आह्वान पर रविवार को विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन हुआ। हिंदू संगठनों के अलावा स्वयंसेवक संघ और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल थे। करणपुरी जी महाराज अट्टे वाले बाबा जी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही बर्बरता को नहीं रोका तो हमको उन्हीं की भाषा में जवाब देना होगा। हमने गुंबद पर चढ़कर मस्जिद को तोड़कर विश्व को दिखाया है। जरूरत पड़ी तो उन्हीं की भाषा में जवाब देने के लिए फिर से वही दोहराया जाएगा। सनातन पर जो अंगुली उठाएगा, उसका हाथ काट डालेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहा अत्याचार सोची समझी साजिश है। इसमें बांग्लादेश के अलावा और भी कई देश शामिल हैं। वह हिंदुओं पर अत्याचार करने और कराने वालों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1947 में हमने दाल रोटी बांटी थी। एक पूर्वी पाकिस्तान और दूसरा पश्चिमी पाकिस्तान था। पूर्वी पाकिस्तान ने 1972 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने भारत के हिस्से को ही बांग्लादेश बना दिया। आज हमारी बिल्ली हमें ही म्याऊं कर रही है।

कथावाचक व्योम त्रिपाठी ने कहा कि हिंदुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बांग्लादेश सरकार यह समझ ले कि सनातन धर्म ना तो किसी से खत्म हुआ है ना होगा। इस भारत की मिट्टी ने छत्रपति जैसे वीरों को जन्म दिया। दुनिया के किसी भी कोने में अगर हिंदू समाज का व्यक्ति रहता है, वह हमारा भाई है। राष्ट्र के निर्माण के लिए हम संघर्ष करते रहेंगे। जाति के नाम पर जब तक बंटते रहोगे, कटते रहोगे। इस्कॉन समिति के महंत उज्जवल कृष्णदास जी ने भी अपने विचार रखे।

बूढ़े बाप और ...

शंकर चंद सरकार बांग्लादेश में ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब से बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार का पतन हुआ तब से वहां हिंदुओं के साथ दोयम दर्जे के नागरिकों से भी बदतर व्यवहार हो रहा है। उन्होंने बताया कि कोई भी सवारी उनकी गाड़ियों में नहीं बैठती थी और जो बैठती भी थी वह पैसा नहीं देती थी। पैसा मांगने पर मारपीट की जाती थी। पुलिस भी उनकी नहीं सुनती थी। उनके ऊपर गलत काम करने के आरोप लगाए जाते थे। शंकर चंद सरकार ने बताया है कि उन्होंने अपनी अधिकांश सम्पत्ति नुकसान झेल कर बेच दी। बांग्लादेश में हिंदुओं से सम्पत्ति खरीदने को भी लोग राजी नहीं हो रहे।उन्होंने बताया कि बांग्लादेश छोड़ना उनके लिए मजबूरी बन गया था। शंकर चंद सरकार ने बताया कि उनके बच्चों की सुरक्षा भी एक बड़ा मसला बनती जा रही थी। उन्होंने बताया है कि इलाके में बाकी हिंदू परिवार भी भाग कर भारत आना चाहते हैं लेकिन नौकरी-धंधे के चक्कर में ऐसा नहीं कर पा रहे। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद शंकर सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश वापस नहीं जाएंगे। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा, हमने शांति पाने के लिए सीमा पार की, और भले ही हमें जेल हो जाए, हम वापस जाने के बजाय जेल में मरना पसंद करेंगे। पुलिस ने बताया कि उसने मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है और आगे उन्हें कोर्ट में पेश करेगी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में यूनुस सरकार आने के बाद से हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। कहीं मंदिर तोड़े जा रहे तो कहीं हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं।

भगवदगीता थीम...

पूँजी बाजार, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, फार्मा, सेमीकंडक्टर, विनिर्माण, रक्षा एवं एयरोस्पेस, पर्यटन, सेवा, क्षेत्रीय आर्थिक जैसे अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी। इस कार्यक्रम में दुनिया भर से लगभग 1000 प्रतिनिधि शामिल होंगे।मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों के अलावा प्रमुख वक्ताओं में एनएसई के सीईओ आशीष चौहान, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन केवी कामथ, भारत फोर्ज के उपाध्यक्ष अमित कल्याणी, एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज के प्रमुख एसएम सुंदरसन, इंडियन डेयरी एसोसिएशन के अध्यक्ष आरएस सोढ़ी, हीरानंदानी ग्रुप के एमडी निरंजन हीरानंदानी, एचडीएफसी एएमसी के एमडी नवनीत मुनोत और व्यापार और वित्त की दुनिया के कई अन्य अग्रणी शामिल होंगे।

ममता ...

की क्षमता भी है। शरद पवार यह बयान ऐसे समय में आया है जब अलग-अलग क्षेत्रीय दलों के असंतोष और हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस को हाल ही में मिले चुनावी झटकों के कारण इंडी गठबंधन के भीतर तनाव भरा हुआ है। शरद पवार ने यह भी कहा कि ममता बनर्जी ने संसद में जो सांसद भेजे हैं, वे भी बहुत मेहनती और जागरूक हैं।

भारत के विदेशी...

गिरावट आ रही है। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार बफर घरेलू आर्थिक गतिविधियों को वैश्विक झटकों से बचाने में मदद करता है। आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों से पता चला है कि भारत की विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए), जो विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक है, 568.852 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में स्वर्ण भंडार 66.979 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।अनुमान बताते हैं कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब अनुमानित आयात के लगभग एक वर्ष को कवर करने के लिए पर्याप्त है। 2023 में, भारत ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 बिलियन अमेरिकी डॉलर जोड़े, जबकि 2022 में इसमें 71 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संचयी गिरावट आई। विदेशी मुद्रा भंडार या एफएक्स भंडार, किसी देश के केंद्रीय बैंक या मौद्रिक प्राधिकरण की तरफ से रखी गई संपत्तियां हैं, जो मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर जैसी आरक्षित मुद्राओं में होती हैं, जिनका छोटा हिस्सा यूरो, जापानी येन और पाउंड स्टर्लिंग में होता है।आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजारों पर बारीकी से नजर रखता है, केवल व्यवस्थित बाजार स्थितियों को बनाए रखने और रुपए की विनिमय दर में अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए हस्तक्षेप करता है, बिना किसी निश्चित लक्ष्य स्तर या सीमा का पालन किए। आरबीआई अक्सर रुपए के मूल्यह्रास को रोकने के लिए डॉलर बेचने समेत तरलता का प्रबंधन करके हस्तक्षेप करता है। एक दशक पहले, भारतीय रुपया एशिया की सबसे अस्थिर मुद्राओं में से एक था। तब से, यह सबसे स्थिर मुद्राओं में से एक बन गया है। आरबीआई ने रणनीतिक रूप से रुपया मजबूत होने पर डॉलर खरीदे हैं और कमजोर होने पर बेचे हैं, जिससे निवेशकों के लिए भारतीय परिसंपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है।

रोहिंग्या घुसपैठियों...

इन जमीनों के मालिकों से कहा गया है कि वह जल्द से जल्द इन रोहिंग्याओं को यहां से बेदखल करें। जम्मू में पुलिस ने ऐसे 18 मकान मालिकों पर एफआईआर भी दर्ज की है, जो बिना सत्यापन के लोगों को कमरे किराए पर दे रहे थे। पुलिस ने इस दौरान 4 रोहिंग्या को गिरफ्तार भी किया है। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस एक्शन से जम्मू-कश्मीर की उमर अब्दुल्ला सरकार में मंत्री जावेद राणा नाराज हो गए हैं। उन्होंने कहा है कि किसी से पानी-बिजली छीने जाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने वादा किया है कि सरकार इस मामले में प्रशासन से पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा है कि अवैध रूप से बसे रोहिंग्या को पानी लगातार सप्लाई किया जाएगा। जावेद राणा जम्मू कश्मीर सरकार में जल मंत्री हैं।

भाजपा नेताओं ने इस करवाई का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है और कार्रवाई के योग्य है। जम्मू शहर में रोहिंग्या आबादी एक बड़ी समस्या रही है। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि शहर में 13000 से अधिक रोहिंग्या और बांग्लादेशी रह रहे हैं। यह बीते एक दशक से यहां रह रहे हैं और इनकी आबादी बढ़ भी रही है। आशंका है कि कुछ रोहिंग्या जम्मू से आगे बढ़ कर राजौरी, कठुआ समेत संवेद-नशील इलाकों में भी जा चुके हैं। कठुआ के होल्डिंग सेंटर में ऐसे ही 200 से अधिक रोहिंग्या बंद हैं। रोहिंग्या को जम्मू के नगर निगम में काम देने तक का मामला सामने आ चुका है। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि स्थानीय कामगारों के बदले रोहिंग्या को साफ़ सफाई का काम दिया जा रहा है। इसके लिए उन्हें स्थानीय कामगारों से दोगुने पैसे भी दिए जा रहे थे।

भाजपा की ...

उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन देश के संविधान और लोकतंत्र के लिए लड़ रहा है। चाहे लोकसभा हो या विभिन्न राज्य, हमारा गठबंधन हमारे संविधान और लोगों की आवाज के लिए लड़ रहा है। ममता दीदी हमारी करीबी है। वह एक अच्छी नेता हैं। केजरीवाल साहब अब दिल्ली में चुनावी मैदान में उतरेंगे। इसलिए इन सभी नेताओं को एक दूसरे से बात करनी चाहिए।

15 को अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाएगी

अन्नपूर्णा जयंती पर दुर्लभ शिववास का बन रहा है संयोग, प्राप्त होगा अक्षय फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, 15 दिसंबर को अन्नपूर्णा जयंती है। यह पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन अन्न की देवी मां अन्नपूर्णा और भगवान शिव की पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि मां अन्नपूर्णा की पूजा करने से अन्न एवं धन के भंडार भरे रहते हैं। साथ ही घर में सुख, समृद्धि एवं शांति बनी रहती है। इस शुभ अवसर पर साधक श्रद्धा भाव से भगवान शिव संग जगत की देवी माँ अन्नपूर्णा की पूजा करते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो अन्नपूर्णा जयंती पर दुर्लभ शिववास योग समेत कई मंगलकारी बन रहे हैं। इन योग में शिव-शक्ति की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

अन्नपूर्णा जयंती शुभ मुहूर्त

मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 14 दिसंबर को संध्याकाल 04 बजकर 58 मिनट पर होगी और 15 दिसंबर को दोपहर 02 बजकर 31 मिनट पर समाप्त होगी। पंचांग गणना के अनुसार, 15 दिसंबर को अन्नपूर्णा जयंती मनाई जाएगी। इस दिन मार्गशीर्ष माह पूर्णिमा है। अत: साधक गंगा स्नान कर विधि विधान से मां अन्नपूर्णा की पूजा करेंगे।

ज्योतिषियों की मानें तो अन्नपूर्णा जयंती पर दुर्लभ शिववास योग का संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण दोपहर 02 बजकर 32 मिनट से हो रहा है। इस शुभ अवसर पर शिव-शक्ति की पूजा करने से साधक को अमोघ फल की प्राप्ति होगी। साथ ही सभी प्रकार के दुखों से मुक्ति मिलेगी।

शुभ योग

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर शुभ योग का भी संयोग बन रहा है। इस योग में ही स्नान-ध्यान किया जाएगा। साथ ही मां अन्नपूर्णा की पूजा की जाएगी।

शुभ योग का समापन 16 दिसंबर को देर रात 02 बजकर 04 मिनट पर होगा। इस योग में स्नान-ध्यान कर भगवान शिव की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी।

नक्षत्र एवं करण

अन्नपूर्णा जयंती पर मृगशिरा नक्षत्र का संयोग है। इसके साथ ही बव और बालव करण के शुभ योग बन रहे हैं। ये सभी मंगलकारी योग हैं। इन योग में भगवान शिव और मां अन्नपूर्णा की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी।

काशी विश्वनाथ से क्या है मां अन्नपूर्णा का संबंध

मार्गशीर्ष महीने में पड़ने वाली पूर्णिमा तिथि को अन्नपूर्णा जयंती के रूप में मनाया जाता है। मां अन्नपूर्णा की कृपा से अन्न-धन का भंडार सदैव भरा रहता है। इसलिए इन्हें भरण-पोषण की देवी कहा जाता है। मां अन्नपूर्णा देवी पार्वती का ही रूप है। इन्हें अन्नदा और शाकुम्भी भी कहते हैं। लोगों की भूख मिटाने के लिए मां पार्वती ने ही अन्नपूर्णा का रूप धारण किया था। लेकिन क्या आप जानते हैं काशी विश्वनाथ से मां अन्नपूर्णा का क्या संबंध है। काशी को महादेव की नगरी कहा जाता है, क्योंकि यहां कण-कण में शिव विराजते हैं। इसके साथ ही काशी में मां अन्नपूर्णा का मंदिर भी है।

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, यह देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है जो श्रीयंत्र के आकार में निर्मित है। वैसे तो देशभर में मां अन्नपूर्णा के कई मंदिर हैं। लेकिन काशी में विराजमान मंदिर की महिमा खास है। शास्त्रों के अनुसार पार्वती जी ने मां अन्नपूर्णा का रूप धारण कर स्वयं काशी में रहने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद शिवजी उन्हें काशी लेकर आ गए। बाबा की नगरी काशी में विश्वनाथ मंदिर से कुछ ही दूरी पर मां अन्नपूर्णा का मंदिर भी है। भक्त बाबा विश्वनाथ के दर्शन के बाद मां अन्नपूर्णा के दर्शन जरूर करते हैं।

अन्नपूर्णा जयंती और अन्नकूट उत्सव पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ जुटती है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के पास मां अन्नपूर्णा का मंदिर दशाश्वमेध मार्ग, विश्वनाथ गली में स्थित है। अपने धार्मिक महत्व और ऐतिहासिक आकर्षण के लिए यह मंदिर प्रसिद्ध है। भक्त जीवन में सुख और समृद्धि के लिए मां का आशीर्वाद लेने इस मंदिर में जाते हैं।

शुक्र प्रदोष व्रत पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, अन्न-धन से भर जाएंगे भंडार

प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर भगवान शिव और मां पार्वती की विधि-विधान से पूजा की जाती है। साथ ही मनचाहा वर पाने के लिए प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी बिगड़े काम बन जाते हैं। भगवान शिव महज जलाभिषेक से प्रसन्न हो जाते हैं। अतः प्रदोष व्रत पर साधक श्रद्धा भाव से भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। इस शुभ अवसर पर दान करने का भी विधान है। अगर आप भी भगवान शिव संग मां पार्वती की कृपा पाना चाहते हैं, तो शुक्र प्रदोष व्रत पर भक्ति भाव से स्नान-ध्यान कर पूजा करें। वहीं, पूजा के बाद राशि अनुसार इन चीजों का अवश्य करें।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक कुंडली में मंगल मजबूत करने के लिए गुड़ और मूंगफली का दान करें।

वृषभ राशि के जातक कुंडली में शुक्र मजबूत करने के लिए दूध, दही और रसगुल्ले का दान करें।

मिथुन राशि के जातक कुंडली में बुध मजबूत करने के लिए पालक और हरी सब्जियों का दान करें।

कर्क राशि के जातक कुंडली में चंद्रमा मजबूत करने के लिए सफेद रंग के वस्त्र का दान करें।

सिंह राशि के जातक कुंडली में सूर्य मजबूत करने के लिए गाजर, गुड़ और अनार का दान करें।

कन्या राशि के जातक बुध देव की कृपा पाने के लिए हरे रंग की चूड़ी का दान करें।

तुला राशि के जातक शुक्र देव की कृपा पाने के लिए चावल और आटा का दान करें।

वृश्चिक राशि के जातक मंगल देव की कृपा पाने के लिए लाल मिर्च और लड्डू का दान करें।

धनु राशि के जातक कुंडली में गुरु मजबूत करने के लिए मकई, बेसन के लड्डू का दान करें।

मकर राशि के जातक कुंडली में शनि मजबूत करने के लिए काले तिल और काले कंबल का दान करें।

कुंभ राशि के जातक शनिदेव की कृपा पाने के लिए गर्म कपड़े और धन का दान करें।

मीन राशि के जातक देवगुरु की कृपा पाने के लिए बेसन, चने की दाल और पके केले का दान करें।

अन्नपूर्णा जयंती पर क्या करते हैं क्यों है इस दिन का इतना महत्व

अन्नपूर्णा का अर्थ होता है धान्य (अन्न) की देवी। हिंदू धर्म में अन्न का बहुत महत्व है। इसलिए अन्न की देवी मां अन्नपूर्णा की पूजा की जाती है, जिससे कि घर का अन्न भंडार हमेशा भरा रहे। हर साल मार्गशीर्ष या अगहन पूर्णिमा के दिन मां अन्नपूर्णा की जयंती मनाई जाती है। इस दिन मां अन्नपूर्णा की विशेष पूजा का महत्व है। मान्यता है कि इससे घर पर अन्न-धन की कभी कमी नहीं होती।

मां अन्नपूर्णा को अन्नदा और शाकुम्भी भी कहते हैं। मां अन्नपूर्णा को शास्त्रों में संसार के भरण पोषण की देवी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि, एक बार जब काशी में अकाल पड़ा तो लोग भूख से व्याकुल होने लगे। तब शिवजी ने लोगों की सहायता की। अगहन पूर्णिमा के दिन मां पार्वती ने अन्नपूर्णा का रूप धारण किया और शिवजी ने लोगों की भूख मिटाने के लिए मां अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी। इसके बाद मां अन्नपूर्णा ने वचन दिया कि काशी के लोग कभी भूखे नहीं रहेंगे।

इसलिए मां अन्नपूर्णा को अन्न, भोजन और समृद्धि की देवी कहा जाता है। अन्नपूर्णा जयंती के दिन रसोई घर में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर रखकर पूजा की जाती है। साथ ही इस दिन रसोई में चूल्हे की भी पूजा करें। कुछ लोग इस दिन व्रत भी रखते हैं।

अन्नपूर्णा माता व्रत कथा

मां अन्नपूर्णा माता का महाव्रत मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष पंचमी से प्रारम्भ होता है और मार्गशीर्ष शुक्ल षष्ठी को समाप्त होता है। यह उत्तमोत्तम व्रत सत्रह दिनों का होता है और कई भक्त 21दिन तक भी पालन करते हैं।

माँ अन्नपूर्णा माता के महाव्रत की कथा

एक समय की बात है, काशी निवासी धनंजय की पत्नी का नाम सुलक्षणा था। उसे अन्य सब सुख प्राप्त थे, केवल निर्धनता ही उसके दुःख का एक मात्र कारण थी। यह दुःख उसे हर समय सताता रहता था।

एक दिन सुलक्षणा पति से बोली- स्वामी! आप कुछ उद्यम करो तो काम चले। इस प्रकार कब तक काम चलेगा?

सुलक्षणा की बात धनंजय के मन में बैठ गई और वह उसी दिन विश्वनाथ शंकर जी को प्रसन्न करने के लिए बैठ गया और कहने लगा- हे देवाधिदेव विश्वेश्वर ! मुझे पूजा-पाठ कुछ आता नहीं है, केवल आपके भरोसे बैठा हूँ। इतनी विनती करके वह दो-तीन दिन भूखा-प्यासा बैठा रहा। यह देखकर भगवान शंकर ने उसके कान में अन्नपूर्णा ! अन्नपूर्णा ! अन्नपूर्णा !

इस प्रकार तीन बार कहा। यह कौन, क्या कह गया? इसी सोच में धनंजय पड़ गया कि मन्दिर से आते ब्राह्मणों को देखकर पूछने लगा- पंडितजी! अन्नपूर्णा कौन है?

ब्राह्मणों ने कहा- तू अन्न छोड़ बैठा है, सो तुझे अन्न की ही बात सूझती है। जा घर जाकर अन्न ग्रहण कर। धनंजय घर गया,

स्त्री से सारी बात कही, वह बोली- नाथ! चिंता मत करो, स्वयं शंकरजी ने यह मंत्र दिया है। वे स्वयं ही खुलासा करेंगे। आप फिर जाकर उनकी आराधना करो। धनंजय फिर जैसा का तैसा पूजा में बैठ गया। रात्रि में शंकर जी ने आज्ञा दी और कहा- तू पूर्व दिशा में चला जा।

वह अन्नपूर्णा का नाम जपता जाता और रास्ते में फल खाता, झरनों का पानी पीता जाता। इस प्रकार कितने ही दिनों तक चलता गया। वहां उसे चांदी सी चमकती वन की शोभा देखने में आई। सुन्दर सरोवर देखने में या, उसके किनारे कितनी ही अप्सराएं झुण्ड बनाए बैठीं थीं। एक कथा सुनतीं और सब मिलकर मां अन्नपूर्णा इस प्रकार बार-बार कहती थीं।

यह अगहन (मार्गशीर्ष) मास की उजेली रात्रि थी और आज से ही व्रत का आरम्भ था। जिस शब्द की खोज करने वह निकला था, वह उसे वहां सुनने को मिला।

धनंजय ने उनके पास जाकर पूछा- हे देवियो ! आप यह क्या करती हो?

उन सबने कहा- हम सब मां अन्नपूर्णा का व्रत करती हैं।

धनंजय ने पूछा- व्रत, पूजा करने से क्या होता है? यह किसी ने किया भी है? इसे कब किया जाए? कैसा व्रत है में और कैसी विधि है? मुझसे भी विस्तार से बतलाओ।

वे कहने लगीं- इस व्रत को सब कोई कर सकते हैं। इक्कीस दिन तक के लिए 21 गांठ का सूत लेना चाहिए। 21 दिन यदि न बनें तो एक दिन उपवास करें, यह भी न बनें तो केवल कथा सुनकर प्रसाद लें। निराहार रहकर कथा कहें, कथा सुनने वाला कोई न मिले तो पीपल के पत्तों को रख सुपारी या घृत कुमारी (गुवारपाठ) वृक्ष को सामने कर दीपक को साक्षी कर सूर्य, गाय, तुलसी या महादेव को बिना कथा सुनाए मुख में दाना न डालें। यदि भूल से कुछ पड़ जाए तो एक दिवस फिर उपवास करें। व्रत के दिन क्रोध न करें और झूठ न बोलें।

धनंजय बोला- इस व्रत के करने से क्या होगा?

वे कहने लगीं- इसके करने से अन्धों को नेत्र मिले, लूलों को हाथ मिले, निर्धन के घर धन आए, बांझी को संतान मिले, मूर्ख को विद्या आए, जो जिस कामना से व्रत करे, मां उसकी इच्छा पूरी करती है।

वह कहने लगा- बहिनों! मेरे पास भी धन नहीं है, विद्या नहीं है, कुछ भी तो नहीं है, मैं तो दुखिया ब्राह्मण हूँ, मुझे इस व्रत का सूत दोगी?

हां भाई तेरा कल्याण हो, हम तुम्हें अवश्य देंगी, ले इस व्रत का मंगलसूत ले। धनंजय ने व्रत किया। व्रत पूरा हुआ, तभी सरोवर में से 21 खण्ड की सुवर्ण सीढ़ी हीरा मोती जड़ी हुई प्रकट हुई। धनंजय जय अन्नपूर्णा अन्नपूर्णा कहता जाता था। इस प्रकार कितनी ही सीढ़ियां उतर गया तो क्या देखता है कि करोड़ों सूर्य से प्रकाशमान अन्नपूर्णा का मन्दिर है, उसके सामने सुवर्ण सिंघासन पर माता अन्नपूर्णा विराजमान हैं। सामने भिक्षा हेतु शंकर भगवान खड़े हैं। देवांगनाएं चंवर डुलाती हैं। कितनी ही हथियार बांधे पहरा देती हैं।

धनंजय दौड़कर जगदम्बा के चरणों में गिर गया। देवी उसके मन का क्लेश जान गईं।

धनंजय कहने लगा- माता! आप तो अन्तर्यामिनी हो। आपको अपनी दशा क्या बताऊँ ?

माता बोली- मेरा व्रत किया है, जा संसार तेरा सत्कार करेगा। माता ने धनंजय की जिह्वा पर बीज मंत्र लिख दिया। अब तो उसके रोम-रोम में विद्या प्रकट हो गई। इतने में क्या देखता है कि वह काशी विश्वनाथ के मन्दिर में खड़ा है।

मां का वरदान ले धनंजय घर आया। सुलक्षणा से सब बात कही। माता जी की कृपा से उसके घर में सम्पत्ति उमड़ने लगी। छोटा सा घर बहुत बड़ा गिना जाने लगा। जैसे शहद के छत्ते में मक्खियां जमा होती हैं, उसी प्रकार अनेक सगे सम्बंधी आकर उसकी बड़ाई करने लगे।

कहने लगे- इतना धन और इतना बड़ा घर, सुन्दर संतान नहीं तो इस कमाई का कौन भोग करेगा? सुलक्षणा से संतान नहीं है, इसलिए तुम दूसरा विवाह करो।

अनिच्छा होते हुए भी धनंजय को दूसरा विवाह करना पड़ा और सती सुलक्षणा को सौत का दुःख उठाना पड़ा। इस प्रकार दिन बीतते गय फिर अगहन मास आया। नये बंधन से बंधे पति से सुलक्षणा ने कहलाया कि हम व्रत के प्रभाव से सुखी हुए हैं। इस कारण यह व्रत छोड़ना नहीं चाहिए। यह माता जी का प्रताप है। जो हम इतने सम्पन्न और सुखी हैं। सुलक्षणा की बात सुन धनंजय उसके यहां आया और व्रत में बैठ गया।

नयी बहू को इस व्रत की खबर नहीं थी। वह धनंजय के आने की राह देख रही थी। दिन बीतते गये और व्रत पूर्ण होने में तीन दिवस बाकी थे कि नयी बहू को खबर पड़ी। उसके मन में ईर्ष्या की ज्वाला दहक ने लगी थी। सुलक्षणा के घर आ पहुँची और उसने वहां भगदड़ मचा दी।

वह धनंजय को अपने साथ ले गई, नये घर में धनंजय को थोड़ी देर के लिए निद्रा ने आ दबाया। इसी समय नई बहू ने उसका व्रत का सूत तोड़कर आग में फेंक दिया। अब तो माता जी का कोप जाग गया। घर में अकस्मात आग लग गई, सब कुछ जलकर खाक हो गया। सुलक्षणा जान गई और पति को फिर अपने घर ले आई। नई बहू रूठ कर पिता के घर जा बैठी।

पति को परमेश्वर मानने वाली सुलक्षणा बोली- नाथ ! घबड़ाना नहीं। माता जी की कृपा अलौकिक है। पुत्र कुपुत्र हो जाता है पर माता कुमाता नहीं होती। अब आप श्रद्धा और भक्ति से आराधना शुरू करो। वे जरूर हमारा कल्याण करेंगी। धनंजय फिर माता के पीछे पड़ गया। फिर वहीं सरोवर सीढ़ी प्रकट हुई, उसमें मां अन्नपूर्णा कहकर वह उतर गया। वहां जा माता जी के चरणों में रुदन करने लगा।

माता प्रसन्न हो बोलीं- यह मेरी स्वर्ण की मूर्ति ले, उसकी पूजा करना, तू फिर सुखी हो जायेगा, जा तुझे मेरा आशीर्वाद है। तेरी स्त्री सुलक्षणा ने श्रद्धा से मेरा व्रत किया है, उसे मैंने पुत्र दिया है। धनंजय ने आँखें खोलीं तो खुद को काशी विश्वनाथ के मन्दिर में खड़ा पाया। वहां से फिर उसी प्रकार घर को आया। इधर सुलक्षणा के दिन चढ़े और महीने पूरे होते ही पुत्र का जन्म हुआ। गांव में आश्चर्य की लहर दौड़ गई।

इस प्रकार उसी गांव के निःसंतान सेठ के पुत्र होने पर उसने माता अन्नपूर्णा का मन्दिर बनवा दिया, उसमें माता जी धूमधाम से पधारीं, यज्ञ किया और धनंजय को मन्दिर के आचार्य का पद दे दिया। जीविका के लिए मन्दिर की दक्षिणा और रहने के लिए बड़ा सुन्दर सा भवन दिया। धनंजय स्त्री-पुत्र सहित वहां रहने लगा। माता जी की चढ़ावे में भरपूर आमदनी होने लगी। उधर नई बहू के पिता के घर डाका पड़ा, सब लुट गया, वे भीख मांगकर पेट भरने लगे। सुलक्षणा ने यह सुना तो उन्हे बुला भेजा, अलग घर में रख लिया और उनके अन्न-वस्त्र का प्रबंध कर दिया।

सोमवार के दिन राशि अनुसार इन मंत्रों से करें महादेव की अराधना

भगवान शिव 'देवों के देव महादेव' हैं। वह देवों के भी देव हैं। ऐसे में सनातन धर्म में भगवान शिव को सबसे ज्यादा पूजा जाता है। सोमवार के दिन भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। ऐसे में यह माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है। आप चाहते हैं कि आपको भगवान शिव का आशीर्वाद मिले, तो सोमवार के दिन महादेव संग मां पार्वती की विशेष पूजा करें। इस दौरान भगवान शिव पर अपनी इच्छानुसार दूध, दही, शहद या घी का अभिषेक करने से आपके भाग्य खुल सकते हैं। इस दौरान राशि के अनुसार पूजा करते समय इन मंत्रों का जाप करना चाहिए। आपकी सारी मनोकामना दूर हो जाएगी।

राशि अनुसार मंत्र जप

मेष राशि- सोमवार के दिन ' ॐ महाकाल नमः' मंत्र का पूजा करते समय एक माला जप करें।

वृषभ राशि- भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए 'ॐ विश्वनाथ नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

मिथुन राशि -चंद्र देव को खुश करने के लिए 'ॐ विषधारी नमः' मंत्र का एक माला जप करना चाहिए।

कर्क राशि - 'ॐ चंद्रमोली नमः' मंत्र का एक माला जप करने शिव जी घर को खुशियों से भर देंगे।

सिंह राशि-'ॐ रुद्रनाथ नमः' मंत्र का एक माला जप करने चंद्र देव खुश हो जाएंगे।

कन्या राशि- सोमवार को 'ॐ त्रिपुरारी नमः' मंत्र का एक माला जप करने से सफलता मिलेगी।

तुला राशि - सोमवार के दिन पूजा के दौरान ' ॐ दीनानाथ नमः' मंत्र का एक माला जप करने महादेव प्रसन्न होंगे।

वृश्चिक राशि - महादेव का आशीर्वाद पाने के लिए 'ॐ महेश्वर नमः' मंत्र का एक माला जप करें।

धनु राशि - भगवान शिव की सकारात्मक दृष्टि पाने के लिए 'ॐ देवदेवेश्वर नमः' मंत्र का पांच माला जप करें।

मकर राशि - मनचाहा साथी पाने के लिए 'ॐ शिवदानी नमः' मंत्र का एक माला जप करना चाहिए।

कुंभ राशि- 'ॐ पातालेश्वर नमः' मंत्र का एक माला जप करने से तनाव से मुक्ति मिल जाएगी।

मीन राशि - सोमवार के दिन पूजा के समय 'ॐ महादेव नमः' मंत्र का पांच माला जप करना चाहिए।

धोखा और झूठ बोलने की है आदत तो हो जाएं सावधान

शनि देव को दंडाधिकारी की उपाधि प्राप्त है। क्योंकि वे न्यायशीध हैं और अच्छे-बुरे कर्मों की सजा जरूर देते हैं। अगर आपने अच्छे कर्म किए हैं तो कर्मफलदाता आपका जीवन संवार देंगे। लेकिन अगर आप बुरे कर्म करते हैं तो इनसे बच भी नहीं सकते। हर व्यक्ति मे अच्छे और बुरे गुण जरूर होते हैं। बुरे गुणों में लिप्त व्यक्ति कई गलत कार्य करता है, जिसमें धोखा देना और झूठ बोलना भी एक है। अगर आपमें भी झूठ बोलने या धोखा देने की आदत हैं तो शनि देव से सावधान रहें। झूठ बोलने या धोखे देने वाले लोगों पर शनि देव जरा भी रहम नहीं दिखाते और कठोर दंड देते हैं। इन लोगों को ऐसी सजा मिलती है कि वो सालों याद रखते हैं। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, शनि देव मंद गति चलने वाले ग्रह हैं। इसलिए ढाई साल के लंबे अंतराल में शनि देव का गोचर होता है। यानी एक राशि से दूसरी राशि में जाने में शनि देव को ढाई साल का समय लग जाता है। ऐसे में शनि देव किसी एक राशि में ढाई वर्षों तक रहते हैं। सभी 12 राशियों पर शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या जरूर लगती है। इसलिए ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है जो शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या से बच सकता है। ऐसे में जो लोग झूठ बोलते हैं और धोखा देते हैं उन्हें शनि देव इस अवधि में भयंकर सजा देते हैं। बता दें कि साढ़ेसाती की अवधि साढे सात वर्ष और ढैय्या की अवधि ढाई वर्ष की होती है। जिन लोगों में झूठ बोलते हैं या धोखा देने की आदत होती है, उन्हें शनि देव इस अवधि में ऐसी कठोर सजा देते है कि वो सालों याद रखते हैं।

धर्मेंद्र ने बॉबी और सनी के साथ मनाया जन्मदिन

हेमा मालिनी ने बताया-सपनों का राजकुमार

फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र ने रविवार को अपने दोनों बेटों सनी देओल और बॉबी देओल के साथ मुंबई स्थित घर पर 89वें जन्मदिन का जश्न मनाया। वरिष्ठ अभिनेता ने दोनों बेटों सनी-बॉबी और प्रशंसकों के साथ मुंबई के जुहू तारा रोड स्थित अपने बंगले पर जन्मदिन का जश्न मनाया। दिग्गज अभिनेता ने अपने प्रशंसकों की मौजूदगी में केक काटा और दोनों बेटों को गले लगाकर खुशी का इजहार किया। धर्मेंद्र के जन्मदिन पर उनकी पत्नी हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर उन्हें शुभकामना दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र के साथ दो तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा, जश्न मनाने का दिन! मेरे सपनों के राजकुमार को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। हम कई साल पहले जब पहली बार मिले थे, तब से मैं आपका दिल वैसे ही थामे हूं, जैसे आपने मेरा दिल थामा था। भगवान आपको हमेशा स्वस्थ रखें और खुशियां दें।

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी ने एक-दूसरे को पांच साल तक डेट किया था। इसके बाद 1980 में दोनों शादी के बंधन में बंधे थे। धर्मेंद्र की यह दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी प्रकाश कौर से हुई थी, जिससे उनके दो बेटे सनी और बॉबी देओल हैं। वरिष्ठ अभिनेता ने हेमा से शादी करने के लिए इस्लाम धर्म अपना लिया और अपना नाम दिलावर खान रख लिया। हेमा ने अपना नाम बदलकर आयशा बी. रख लिया था। हेमा-धर्मेंद्र की ईशा देओल और अहाना देओल दो बेटियां हैं।

धर्मेंद्र को जन्मदिन की बधाई देने के लिए सनी देओल, बॉबी देओल ने भी सोशल मीडिया का सहारा लिया और तस्वीरों के साथ उन पर प्यार बरसाया। धर्मेंद्र को उनके पोते करण देओल ने भी इंस्टाग्राम के माध्यम से जन्मदिन की बधाई दी। वर्कफ्रंट की बात करें तो धर्मेंद्र ने हिंदी सिनेमा में 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के साथ बड़े पर्दे पर शानदार वापसी की, इसके बाद शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में भी काम किया।

14 भाषाओं में बनेगी 90 करोड़ के बजट वाली फिल्म कतानार

द वाइल्ड सॉरसरर, साउथ की इस हॉरर मूवी के आगे पानी कम है शैतान

सिनेमा की दुनिया में इन दिनो साउथ की फिल्मों का पूरी तरह से कब्जा। ये फिल्में रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर छा जाती हैं। साउथ की इन फिल्मों को लोग काफी पसंद करते हैं। कांतारा से लेकर पुष्पा तक अलग-अलग जोनर की फिल्मों को खूब पसंद किया जा रहा है। सस्पेंस, थ्रिलर और हॉरर फिल्मों में तो साउथ की फिल्मों का कोई जवाब नहीं है। अब बात हॉरर की आई है तो बता दें कि ये जॉनरर भारत में काफी पसंद किया जाता है, यही वजह है कि बॉक्स ऑफिस पर शैतान, स्त्री 2 और भूल भुलैया 3 जैसी फिल्में कमाल कर रही हैं। अब बारी है साउथ सिनेमा की एक हॉरर फिल्म की। ये एक ऐसी फिल्म होने वाली जिसे देखने के बाद आपकी रूह कांप जाएगी। सिनेमाघरों में खौफ का मंजर पैदा करने के लिए एक फिल्म दस्तक देने के लिए तैयार है। इसके आगे शैतान, स्त्री 2 और भूल भुलैया 3 जैसी फिल्मों का हॉरर कुछ भी नहीं होने वाला है। इसकी शूटिंग हाल में ही पूरी कर ली गई है और अब पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी शुरू हो चुका है। इस फिल्म का नाम है कतानार: द वाइल्ड सॉरसरर है। कुछ महीने ही टीजर के जरिए इस फिल्म की पहली झलक सामने आई थी। टीजर से ही जाहिर हुआ कि ये फिल्म काफी खतरनाक होने वाली है। जल्द ही अब ये फिल्म फैंस को सिनेमाघरों में देखने को मिल सकती है। हॉरर मूवी कतानार: द वाइल्ड सॉरसरर ऐसी दुनिया में ले जाने का वादा कर रही है, जिसके बारे में न देखा होगा और न सोचा। विशाल सेट और अद्भुत वीएफएक्स दर्शकों को एक अलग सिनमाई अनुभव देंगे। रहस्य, रोमांच और भावनाओं का इस फिल्म में मिश्रण देखने को मिलेगा।

कतानार का किरदार कैसा होगा, ये देखने लायक होने वाला है। बता दें, इस फिल्म की स्टारकास्ट भी दमदार है। फिल्म में जयासूर्या, अनुष्का शेट्टी और विनीत जैसे दिग्गज एक्टर हैं। इस शूटिंग भी 45000 वर्ग फुट के विशाल स्टूडियो में की गई है। 90 करोड़ रुपये के बजट में इस फिल्म को तैयार किया जा रहा है। ये एक मलयालम फिल्म है जिसे 14 अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा, इसमें इंग्लिश, तमिल, तेलुगू, हिंदी, बंगाली, कन्नड़, चाइनीज, फ्रेंच, कोरियन, इटैलियन, रशियन, इंडोनेशियन और जैपनीज शामिल हैं।

सोफी चौधरी परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आई

बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सोफी चौधरी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने कई गानों के लिए प्लेबैक सिंगिंग भी की है। उनका नाम बेहतरीन मॉडल की लिस्ट में भी शामिल है। एक्ट्रेस भले ही 35 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें उनकी अदाएं देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2000 में पोप सिंगर के तौर पर की थी। अब उनका नाम फिल्मी दुनिया की जानी-मानी अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल है।हाल ही में एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने गोल्डन कलर का रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देते हुए अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।बालों को ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस सोफी चौधरी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस सोफी चौधरी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- गॉर्जियस। दूसरे यूजर ने लिखा है- ब्यूटिफुल। वहीं, तीसरे यूजर ने लिखा है लवली। ऐसे ही एक के बाद यूजर्स हार्ट और फायर इमोजी भेजते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

अर्जुन उस्तरा में शाहिद कपूर संग बनी तृप्ति डिमरी की जोड़ी

भाभी 2 संग रोमांस करेंगे कबीर सिंह

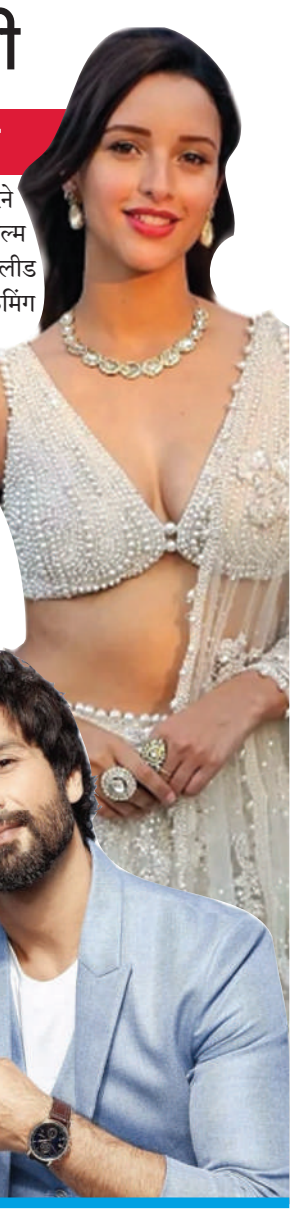

तृप्ति डिमरी पहली बार शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के लिए तैयार हैं. एनिमल एक्ट्रेस विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म अर्जुन उस्तरा में शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी. वह फिल्म में लीड एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी.तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म अर्जुन उस्तरा के बारे में कुछ खास जानकारी नहीं मिली है. लेकिन, एनिमल की भाभी-2 और कबीर सिंह को एक साथ देखना दिलचस्प होगा, क्योंकि दोनों पहली बार किसी प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं.रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम पहले से ही चल रहा है. बहुप्रतीक्षित फिल्म 6 जनवरी 2025 को फ्लोर पर आने वाली है. वहीं, शूटिंग शेड्यूल के प्लान के साथ, मेकर्स जल्द ही इस प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते है, क्योंकि वे 2025 में ही अर्जुन उस्तरा को सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं.तृप्ति डिमरी को हाल ही में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया. फिल्म की शानदार सफलता के बाद वह अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म धड़क 2 पर काम कर रही हैं. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे.धर्मा प्रोडक्शंस की निर्मित यह फिल्म 2018 की हिट धड़क की बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसमें जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर ने डेब्यू किया था. ओरिजिनल फिल्म मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी.इस साल मई में करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धड़क के सीक्वल की पुष्टि की थी. उन्होंने पोस्ट के जरिए धड़क 2 की रिलीज के बारे में बताया था. शाजिया इकबाल की निर्देशित, यह फिल्म पहले 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली थी. हालांकि, अब इसे अगले साल के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है।

अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स फिनाले रेस 2024 में भाग लेंगी बॉलीवुड की स्त्री श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड स्टार श्रद्धा कपूर ना सिर्फ एक्टिंग में बल्कि स्पोर्ट्स में भी दिलचस्पी रखती हैं. हाल ही में खबर आई है कि ये स्त्री अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स फाइनल रेस 2024 में भाग लेने वाली है. इसके के लिए वह पूरी तरह से तैयार हैं.अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स वर्तमान में चल रहा है, जिसकी आखिरी रेस 8 दिसंबर को निर्धारित किया गया है. अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स के पिछले सीजन में मैक्स वेरस्टैपेन ने जीत हासिल की थी, उसके बाद दूसरे स्थान पर चार्ल्स लेक्लर और तीसरे स्थान पर जॉर्ज रसेल थे.यह इवेंट गेम कैलेंडर का प्रमुख बिंदु है. यह दुनिया भर से मशहूर हस्तियों और फैंस को आकर्षित करने के लिए जाना जाता है. श्रद्धा पिछले प्रतिभागियों की लाइनअप में शामिल हो गई हैं, जिसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस और नाओमी कैंपबेल और ऑरलैंडो ब्लूम जैसे ग्लोबल स्टार का नाम शामिल हैं.2024 श्रद्धा के लिए एक एक शानदार साल रहा है, क्योंकि स्त्री 2 शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान को पछाड़ कर हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी हिट बनकर उभरी. ग्रैंड प्रिक्स में श्रद्धा की मौजूदगी इस इवेंट में एक अनूठी भारतीय झलक लाती है, जो खेल और मनोरंजन के दिग्गजों की मेजबानी के लिए फेमस है.श्रद्धा के लिए यह उपस्थिति एक और मील का पत्थर है, जिसने बॉलीवुड के पसंदीदा स्टार के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया है. वहीं, इंस्टाग्राम पर 94.2 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, वह इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की सबसे अधिक पसंद की जाने वाली शख्सियतों में से एक बन गई हैं.

शानदार कार को छोड़कर आलिया भट्ट ने की ऑटो की सवारी

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट ने मुंबई में यातायात की समस्या से बचने के लिए अपनी शानदार कार को छोड़कर ऑटो की सवारी की। अभिनेत्री मुंबई के वर्सोवा जेटी पर नजर आईं। इसके बाद बोट से उतरकर सफर के लिए ऑटो को चुना। 'राजी' फेम अभिनेत्री एक ओवरसाइज स्ट्राइप्ड शर्ट और पैंट पहने हुए देखी गईं। यातायात की समस्या से बचने के लिए आलिया भट्ट के साथ ही अन्य हस्तियां भी वर्सोवा से मुंबई के इलाके में शूटिंग स्थलों तक जाने के लिए जेटी राइड का सहारा लेती नजर आ चुकी हैं। इससे सफर करने में लगभग 90 मिनट का समय बचता है। कन्नड़ सुपरस्टार यश और कियारा आडवाणी जैसे अन्य अभिनेताओं को भी शूटिंग स्थलों तक पहुंचने के लिए जेटी का सहारा लेते देखा गया। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' अभिनेत्री आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं।आलिया ने हाल ही में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने घर पर क्रिसमस ट्री लगाती नजर आईं। क्रिसमस ट्री को परिवार, पति रणबीर कपूर और बेटी राहा के नाम वाले स्टिकर्स से सजाया गया था। आलिया ने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, और यह हो गया। इस बार का क्रिसमस भी आलिया भट्ट के लिए खास है। उनकी लाडली राहा दो साल की हो चुकी हैं। राहा का जन्म 2022 में हुआ था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री की हालिया रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी। फिल्म में आलिया के साथ लीड रोल में वेदांग रैना हैं। फिल्म में सोमेन मिश्रा, शोभिता धुलिपाला के साथ ही मनोज पाहवा जैसे सितारे भी अहम रोल में हैं। वसन बाला के निर्देशन में तैयार फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी थी।

मलाइका से पहले शिल्पा को ऑफर हुआ था छैय्या छैय्या, मोटापे की वजह से निकला हाथ से

बिग बॉस 18 के लेटेस्ट एपिसोड में वीकेंड के वार पर फराह खान ने कंटेस्टेंट्स की क्लास लगाई। उन्होंने कहा कि चुम को छोड़कर पूरा घर करणवीर मेहरा के खिलाफ था। फराह खान ने शिल्पा से भी बात की। रविवार के एपिसोड के आखिर में शिल्पा को करणवीर और चुम से ये बताते देखा गया कि उन्हें मलाइका अरोड़ का गाना छैय्या-छैय्या ऑफर हुआ था। फराह खान ने उनसे वजन कम करने के लिए कहा था। करणवीर इस बात पर शिल्पा के साथ हंसते नजर आए।

शिल्पा करणवीर मेहरा और चुम को ये बताते नजर आईं कि फराह खान ने उन्हें छैय्या-छैय्या गाने के लिए अप्रोच किया था। शिल्पा ने बताया कि फराह ने उनसे गाने के लिए वजन कम करने को कहा। उसके बाद हफ्ते या 10 दिन बाद वो वापस आईं और उन्होंने कहा कि आप गाने के लिए मोटी हैं। इसके बाद फिर मलाइका को गाने में लिया गया।शिल्पा ने जब ये बात कही को करण ने कहा, ये कितने प्यार से बता भी रही हैं। इसके बाद करण ने कहा कि तो क्या होता कि तू चढ़ती तो ट्रेन रुक जाती या क्या? शिल्पा ने कहा कि अब ये मुझे क्या पता, फराह और मणि सर ही ये बता सकते हैं। करण ने आगे कहा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है। तूने जो फिल्म्स की हैं वो अच्छी की हैं और उस गाने को मलाइका से अच्छा कोई नहीं कर पाता।छैय्या-छैय्या गाना साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म दिल से का था। इस गाने में शाहरुख खान और मलाइका अरोड़ा नजर आए थे। फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है, आपको सलाह दी जाती है कि उधार देने से पहले उनकी विश्वसनीयता अवश्य जांच लें नहीं तो धन हानि हो सकती है। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन–साथी का सहयोग मिलेगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। दोपहर के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाक़ात दिन को ख़ूबसूरत बना देगी। आप अपने सुनहरे दिनों को याद करके पुरानी यादों में डूब जाएंगे। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। आपके कठिन परिश्रम को पुरस्कार मिलेगा, क्योंकि आपकी पदोन्नति हो सकती है। आर्थिक लाभ के बारे में न सोचें, क्योंकि आगे चलकर आपको इससे बहुत फ़ायदा होगा। पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बांटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। प्यार एक ऐसा जज़्बा है जिसे न सिर्फ़ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। संबंधी आपके उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चौकन्ने रहें, नहीं तो बाद में आप ठगा हुआ महसूस करेंगे। उदारता एक हत तक ही ठीक है, लेकिन अगर यह अपना दायरा पार कर ले तो परेशानी बन जाती है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज घर से बाहर बड़ों की आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। कारोबारी आज करोबार से ज़्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। इससे आपके परिवार में सामंजस्य बनेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार ख़ुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारस्परिक तौर पर निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जाँच करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें– ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपके प्रिय/जीवनसाथी का फ़ोन आपका दिन बना देगा। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भा–ई–बहनों के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 09 दिसंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रात: 08:04 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा दोपहर 02:56 तक
योग : सिद्धि रात्रि 01:05 तक
करण : बव प्रात: 08:04 तक
चन्द्रराशि : कुंभ प्रात: 09:15 तक
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– पंचक चालू है , दुर्गा अष्टमी , कल्पादि तिथि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कदम सरदार पटेल की आत्मा को संतोष प्रदान करते हैं : अमित शाह

जोधपुर,08 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर दौरे के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कदम सरदार पटेल की आत्मा को संतोष प्रदान करते हैं। जो अधूरे संकल्प थे, उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया है।

शाह ने कहा कि कांग्रेस ने सरदार पटेल के योगदान को दबाने का प्रयास किया, लेकिन अब उन्हें उचित सम्मान मिला है। सरदार पटेल को भारत रत्न से सम्मानित करने और उनकी जयंती को राष्ट्रीय स्तर पर मनाने के फैसले ने उनके योगदान को नई पहचान दी है।

गृह मंत्री ने धारा 370 और 35ए के हटने,

कॉमन सिविल कोड लाने और ट्रिपल तलाक को समाप्त करने जैसे कदमों को सरदार पटेल के सपनों को पूरा करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के संकल्पों को पूरा करने में मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शाह ने सरदार पटेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके बिना भारत का वर्तमान स्वरूप असंभव था। उन्होंने रियासतों को एकीकृत कर भारत को मजबूत किया। जोधपुर एयरबेस और अन्य राष्ट्रीय परियोजनाओं में उनकी भूमिका को याद करते हुए शाह ने कहा कि सरदार पटेल को कांग्रेस ने कभी उचित सम्मान नहीं दिया, लेकिन मोदी सरकार ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर उनकी विरासत को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया। 1100 किलो धातु से बनी और 11 फीट ऊंची यह प्रतिमा जोधपुर में सरदार पटेल के ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के लिए स्थापित की गई है। शाह ने इसे भारत के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की दिशा में प्रेरणा का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सशक्त हुई भारत की सेना : कर्नल राठौड़

जयपुर,08 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार को राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जयपुर के अलबर्ट हॉल में आयोजित दौड़ का फ्लैग ऑफ कर शुभारंभ किया। यह विशेष दौड़ भारतीय सेना के शौर्य और सम्मान को समर्पित थी, और शूरवीरों के नाम आयोजित की गई थी।

दौड़ का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना के वीरों की बहादुरी को सम्मानित करना है जो देश की सुरक्षा और गौरव के लिए अपनी जान की आहुति देते हैं। कर्नल राठौड़ ने इस अवसर पर भारतीय सेना के शौर्य को सलाम करते हुए सभी प्रतिभागियों को इस ऐतिहासिक आयोजन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना को आधुनिक और मजबूत बनाया गया है, जिससे देश की सुरक्षा को नई ऊंचाइयां मिली हैं। मोदी जी की दूरदृष्टि और नेतृत्व में भारतीय सेना ने वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत को साबित किया है।

पिकनिक पर जा रही स्कूली बस दुर्घटनाग्रस्त, तीन बच्चों की मौत

राजसमंद,08 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राजसमंद में रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि करीब 25 से अधिक अन्य घायल हो गए।

पूरी घटना राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत देसूरी की नाल की है। यहां पर चारभुजा मंदिर से दर्शन करके परशुराम महादेव जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई, जिससे तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं, करीब 25 से अधिक घायल हो गए। मृतक बच्चों के परिवार के सदस्य सदमे में हैं। उनका रो–रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर राजसमंद एसपी समेत कई आला अधिकारी पहुंचे। उन्होंने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ित बच्चे आमेट क्षेत्र की राझेटी पंचायत के सरकारी स्कूल के विद्यार्थी थे। बताया जा रहा है कि बस में करीब 65 बच्चे सवार थे। हादसे में विद्यालय के

प्रधानाचार्य और एक शिक्षक को भी चोटें आई हैं। चारभुजा थाना पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को सीएससी की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं, अन्य घायल हुए बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। गंभीर रूप से घायल हुए बच्चों को राजसमंद जिला आर के चिकित्सालय रेफर किया गया है। राजसमंद से विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हादसे को लेकर दुख प्रकट किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राजसमंद के आमेट से परशुराम महादेव दर्शन करने जा रही स्कूल बस की देसूरी नाल में दुर्घटना में छात्रों की मृत्यु का समाचार पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान एवं शोक संतप्त परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें व दुर्घटना में घायल हुए छात्रों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना करती हूं।

गायत्री राठौड़ ने गांधीनगर आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बच्चों को पिलाई दवा

जयपुर,08 दिसंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने रविवार को गांधीनगर स्थित शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का राज्य स्तरीय शुभारम्भ किया।

राठौड़ ने कहा कि भारत में वर्ष 1995 में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की गई।जनवरी 2011 के पश्चात् गत 13 वर्षों में कोई भी पोलियो का नया केस भारत में नही पाया गया। मार्च 2014 को भारत को पल्स पोलियो मुक्त होने का प्रमाण पत्र मिल चुका है, लेकिनपाकिस्तान में 55 व अफगानिस्तान में 23 पोलियो के केस पाये गये हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने देशभर में उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आयोजित किया है। इस अभियान के तहत प्रदेश में 39 जिलों में जन्म से 5 वर्ष तक के करीब 87.50 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। अभियान के सफल आयोजन के लिए 46,887 पोलियो बूथ स्थापित किये गये हैं तथा 59,936 टीमे बनाई गई हैं। इनमें 5,396 ट्रांजिट टीम एवं 7,653 मोबाईल टीमें भी शामिल हैं। अभियान के प्रथम दिवस को बूथ पर जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को दवा पिलाई जाएगी तथा छूटे हुए बच्चों को अगले 2 दिवस तथा जयपुर शहर में अगले 3 दिवस घर–घर जाकर दवा पिलाई जाएगी।

अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है सरकार : बेढम

जयपुर,08 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार को प्रदेश के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने राजसमंद जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राजसमंद में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की कानून व्यवस्था की स्थिति का गहन समीक्षा की। बैठक में कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ और राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी भी उपस्थित थे। साथ ही जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा, एसपी मनीष त्रिपाठी, एडिशनल एसपी महेंद्र पारीक, एडिशनल एसपी (महिला सेल) रजत सहित समस्त पुलिस उपाधीक्षक मौजूद रहे।

गृह राज्य मंत्री बेढम ने विभिन्न अपराधों जैसे लूट, हत्या, डकैती, मारपीट, चोरी, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्वरी आदि के प्रकरणों की समीक्षा की। इसके साथ ही महिलाओं के विरुद्ध होने वाले विभिन्न प्रकार के अपराध में दर्ज प्रकरण की स्थिति को देखा। साथ ही साइबर क्राइम को लेकर भी विशेष रूप से सजग रहने और लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार से बैठक में सड़क हादसों और उनकी रोकथाम के उपायों, आपराधिक घटनाओं पर कड़ी निगरानी और त्वरित कार्रवाई को लेकर निर्देश दिए। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से सजग रहने पर जोर दिया गया। पुलिस संसाधनों और जनशक्ति को मजबूत करने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि अपराधों पर तुरंत कार्रवाई करें और जनता के साथ मित्रवत व्यवहार करें। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार अपराधियों के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।मंत्री बेढम ने कहा कि आम जनजीवन में पुलिस का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह समाज में कानून और व्यवस्था बनाए रखने की मुख्य जिम्मेदारी निभाती है। पुलिस का कार्य न केवल अपराधों की रोकथाम और जांच करना है, बल्कि नागरिकों को सुरक्षा का अहसास दिलाना भी है। उनकी उपस्थिति समाज में अनुशासन और कानून के प्रति सम्मान बनाए रखने में सहायक होती है। पुलिस यातायात नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, और सामाजिक समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हिंदुस्तान हिंदुओं का घर है, हिंदुस्तानी अपने घर में अपने आराध्य का नाम नहीं लेंगे तो किसका नाम लेंगे? : अनिल विज

अंबाला,08 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिंदुस्तान हिंदुओं का घर है, हिंदुस्तानी अपने घर में अपने आराध्य का नाम नहीं लेंगे तो किसका नाम लेंगे?अब यह (महबूबा मुफ्ती की बेटी) तो मानते नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान का संधि विच्छेद भी करो तो हिंदुओं का स्थान अर्थात हिंदू हिंदुओं का स्थान, बाकी सब यहां पर मेहमान, यह मानकर चलना चाहिए।

विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा महबूबा मुफ्ती की बेटी द्वारा दिए गए बयान की जय श्री राम के नारे को जबरदस्ती चलाया जा रहा है, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ठीक है हम मेहमान को भी पूरी कदर देते हैं लेकिन है यह हिंदुओं का ही है, तभी इसीलिए इसका नाम हिंदुस्तान रखा गया है।राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर बड़े लोगों के कर्ज माफ करने के बयान के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी किस आधार पर कह रहे हैं। बिना किसी आधार के बिना सिर पैर की बातें मारना ठीक नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी पेट तंज कसते हुए कहा कि अब तो राहुल गांधी की थोड़ी उम्र ज्यादा हो गई है और अब तो समझ आ जानी चाहिए। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी द्वारा हरियाणा के चुनाव को लेकर की गई समीक्षा के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अब दिल के बहलाने को ग़ालिब ख्याल अच्छा है। ये हार तो गए हैं आप किसी भी प्रकार से अपने अपने दिल को समझा ले।

सड़कों, पेयजल की गुणवता से नहीं होगा कोई समझौता : रणबीर गंगवा

कैथल,08 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सड़क व पेजयल आमजन से सीधे जुड़ी जन सुविधाएं हैं। हर घर में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति जरूरी है और घर से निकलते ही अच्छी सड़क। इसीलिए पेयजल और सड़कों की गुणवता में कोई समझौता नहीं होगा। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लोगों को स्वच्छ पेयजल मिले और सड़कों की गुणवता इतनी हो कि वे समय से पहले न टूटें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में केंद्र व प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति है कि किसी भी विकास कार्यों में गुणवता से कोई समझौता न हो। वे स्वयं भी कभी भी किसी गांव या शहर में सड़क, पेयजल आपूर्ति केंद्र या एसटीपी का दौरा कर सकते हैं। इसलिए समय रहते वहां व्यवस्था सुधार लें, यदि कोई लापरवाही मिली तो निश्चित तौर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा शनिवार को पहले लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक में मंत्री ने कैथल जिले में चल रही विभाग की परियोजनाओं की जानकारी हासिल की।

उन्होंने कहा कि अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि एजेंसी यदि टेंडर निर्धारित दर से कम दर पर भी टेंडर लेती है तो गुणवता सुनिश्चित करना उसका कर्तव्य है। गुणवता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। यदि कम दर पर टेंडर लेकर खामियां मिलती हैं तो यह एजेंसी व अधिकारियों की कमी होगी। उन्होंने हलका अनुसार 25 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने संबंधी योजना की भी जानकारी हासिल की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति : उपराष्ट्रपति

चंडीगढ़,08 दिसंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक जमीन से जुड़े हुए नेता हैं, जिनका चरित्र बेदाग है। उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री को लगनशील और ऊंची सोच का धनी व्यक्ति बताया।

उपराष्ट्रपति ने हरियाणा को असीम संभावनाओं का प्रदेश करार देते हुए कहा कि यह प्रदेश देश का सिरमौर है और हर क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा का टैलेंट और भी अधिक उभरकर सामने आएगा। जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी निश्चित रूप से कुछ नायाब काम करेंगे और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने हरियाणा को नायब सिंह सैनी के रूप में एक सक्षम साथी और सारथी मिलने पर संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी आज करेंगे बीमा सखी योजना का शुभारंभ : सैनी

पानीपत,08 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आगामी आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे की तैयारियों का जायजा लिया और इसे लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी पानीपत की ऐतिहासिक धरती से महिलाओं के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम की बीमा सखी योजना का शुभारंभ करेंगे। इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा से महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते आए हैं। उन्होंने 2015 में पानीपत से ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत की थी, जिसका प्रभाव देशभर में देखा गया। अब बीमा सखी योजना के जरिए महिलाओं को और भी मजबूत बनाने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में नारी शक्ति वंदन बिल को पारित कर महिलाओं के लिए राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों को और सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि हरियाणा की धरती से एक और ऐतिहासिक योजना का शुभारंभ होगा।

किसानों के विषय पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और डबल इंजन सरकार ने किसानों के हित में ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। एमएसपी पर 100% फसल खरीदने की प्रतिबद्धता के साथ किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर किसानों के मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए जमीनी स्तर पर काम किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है। लाखों महिलाएं इस कार्यक्रम में शामिल होंगी। प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया जाएगा, और उनके नेतृत्व में देश और हरियाणा दोनों को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

TECHNOSTRENGTH PVT.LTD.

An ISO 9001:2015, 14001:2015 and OHSAS 18001 Company
Oil Field Equipment and Gas Turbine Auxilliaries

Address: Plot # 131,132 & 20/A, Pashamylaram Industrial Park, Phase-III,
Patancheru Mandal-502307, Sangareddy Dist, Telangana State. Ph +040 40123071-3074

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.